ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 14 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-340

GHMC अभियान टांय-टांय फुस्स...

आबिड्स में तिलकनगर रोड पर स्थित फेमस नरसिंग चाट, मयूर पान हाऊस व नयनतारा आदि खाने-पीने की दुकानों के आस-पास गुरुवार को जीएचएमसी ने अतिक्रमण को ध्वस्त करने का जो दावा किया था, मात्र 24 घंटे में ही उसकी हवा निकल गई। शुक्रवार और शनिवार को खींची गई ये तस्वीरें इस बात की गवाह है कि न केवल ट्रैफिक की समस्या ज्यों की त्यों है, बल्कि तोडे गये फुटपाथ पर ग्राहकों का मजमा और उनके वाहनों की पार्किंग भी जैसी थी, अब भी नजारा वैसा ही हैं। जीएचएमसी की अवैध कब्जों को हटाने संबंधी मुहिम का नाममात्र भी असर होता दिखाई नहीं दे रहा। अलबत्ता जीएचएमसी ने जो कुछ मलबा वहाँ छोडा, वह जस का तस बिखरा पड़ा हैं, जिसकी वजह से यातायात की समस्या कम होने के बजाये बढ गई लगती है।

गौरतलब है कि ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कार्पोरेशन (जीएचएमसी) ने इस क्षेत्र से 15 अतिक्रमण हटाकर अपनी पीठ थप-थपा ली थी। इनमें से अधिकतर अवैध कब्जे खाद्य विक्रेताओं द्वारा अपनी दुकानों के बाहर लगाये गए अस्थायी ढाँचे थे। कुछ ने ग्राहकों के लिए बैठने की व्यवस्था कर रखी थी, जबकि अन्य ने खाना पकाने के उपकरण, पानी पुरी, ज्यूस जैसे अतिरिक्त बिक्री काउंटर लगा रखे थे।

अधिकारियों के अनुसार, कुछ इकाइयों ने तो सडक के बडे हिस्से पर कब्जा कर अपनी दुकानों के सामने बाजाप्ता कंक्रीट का निर्माण कर लिया था, जिससे मुख्य सड़क की चौडाई आधे से भी कम हो गई थी। जीएचएमसी का कहना था कि इन प्रतिष्ठानों को सडक की जगह पर अतिक्रमण न करने की कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उनका कहना था कि इन प्रतिष्ठानों में पार्किंग की सुविधा नहीं हैं। इनके ग्राहक अपने वाहन सडक पर ही मनमाने तरीके से खडे कर सडक जाम कर देते हैं।

नरसिंग-मयूर फिर गुलजार !

बार-बार यातायात अवरुद्ध होने के कारण आस-पास रहने वाले लोगों को तो परेशानी हो ही रही थी, यहाँ से होकर गुजरने वाले भी आजिज आ चुके थे। इसीलिए जीएचएमसी को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाना पडा।

सवाल यह है कि जब एक दिन पहले जिन ढाँचों और अवैध कब्जों को जिस मकसद से हटाया गया, क्या उसमें सफलता मिली? जवाब है नहीं। ट्रैफिक समस्या का हल नहीं हुआ तो इस दिखावटी अभियान का क्या मतलब?

जीएचएमसी को चाहिए कि वह ऐसी मुहिम के बाद लगातार नजर रखे, ताकि दुबारा कब्जे ना हो। साथ ही क्षेत्र के अधिकारियों की जवाबदेही तय करें कि यदि पुनः कब्जा हुआ तो वे जिम्मेदार होंगे। इतना ही नहीं उन प्रतिष्ठानों को भी सख्त हिदायत दें कि यदि उन्होंने अतिक्रमण किया तो उनके ट्रेड व फुड लाइसेंस रद्द कर दिये जाएंगे। रही बात ग्राहकों की पार्किंग की तो इसकी पूरी जिम्मेदारी दुकानदारों पर डालनी होगी।

वाहनों को सड़क पर खड़ा करवाने के बजाये पास की गलियों में व्यवस्थित तरीके से खडा करवाया जा सकता है। अपनी जिम्मेदारी से न तो जीएचएमसी भाग सकता है और न ही दुकानदार।

दोनों को मिलकर कुछ ठोस करना होगा, वर्ना रोज उजाडने और फिर बसने का यह खेल जनता की आँखों में धूल झोंकता रहेगा?

भारत पर 50% तक टैरिफ : ट्रम्प के फैसले के खिलाफ प्रतिनिधि सभा के 3 सदस्यों ने पेश किया प्रस्ताव

वाशिंगटन, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत से सामानों के आयात पर लगाये गये 50 प्रतिशत तक शुल्क को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव पेश किया है।

अमेरिकी सांसदों ने शुक्रवार को पेश किये गये इस प्रस्ताव में इन शुल्क को अवैध बताया और कहा है कि इससे अमेरिकी श्रमिकों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचेगा। साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों में भी तनाव पैदा होगा। यह प्रस्ताव रिप्रेजेंटेटिव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया।

इससे पहले सीनेट में ब्राजील पर लगाये गये इसी तरह के टैरिफ को वापस लेने और आपातकालीन शक्तियों के तहत व्यापार शुल्क लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को सीमित करने के लिए दोनों पार्टियों ने मिलकर प्रयास किया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम का मकसद 27 अगस्त को भारतीय सामानों पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को रद्द कराना है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत कई भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। सुश्री रॉस ने कहा, उत्तर कैरोलिना की अर्थव्यवस्था व्यापार, निवेश और एक जीवंत भारतीय अमेरिकी समुदाय के ज़रिए भारत से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियों ने राज्य में 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का निवेश किया है, जिससे जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे सेक्टर्स में हज़ारों नौकरियाँ पैदा हुई हैं, जबकि उत्तर कैरोलिना के कारोबारी हर साल भारत को हजारों डॉलर का सामान मुहैया कराते हैं।

श्री वेसी ने कहा, भारत एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है और ये अवैध टैरिफ उत्तरी टेक्सास के लोगों पर एक रोज़मर्रा का कर हैं जो पहले से ही बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं।

भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने टैरिफ को नुकसानदायक बताते हुए कहा कि वे आपूर्ति शृंख्ला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुँचाते हैं, और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि शुल्क खत्म करने से अमेरिका-भारत आर्थिक और सुरक्षा सहयोग मज़बूत होगा।

श्री कृष्णमूर्ति ने कहा, अमेरिकी हितों या सुरक्षा को आगे बढ़ाने के बजाय, ये टैरिफ उन्हें कमज़ोर करते हैं। इन नुकसानदायक उपायों को खत्म करने से अमेरिका को भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और हमारी साझा आर्थिक और सुरक्षा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा।

यह प्रस्ताव कांग्रेसी डेमोक्रेट्स द्वारा श्री ट्रंप के एकतरफा व्यापारिक कार्यों को चुनौती देने और भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों को फिर से ठीक करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

अक्टूबर की शुरुआत में सुश्री रॉस, श्री वेसी और श्री कृष्णमूर्ति ने कांग्रेसी रो खन्ना और 19 अन्य सांसदों के साथ मिलकर राष्ट्रपति से टैरिफ नीति को पलटने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने का आग्रह किया था। बयान में कहा गया है, ङ्कश्री ट्रंप के भारत टैरिफ को खत्म करना व्यापार पर कांग्रेस के संवैधानिक अधिकार को वापस पाने और गलत व्यापार नीतियों को लागू करने के लिए आपातकालीन शक्तियों के दुरुपयोग को रोकने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

केरल स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ ने मारी बाजी, एलडीएफ को झटका

तिरुवनंतपुरम में खिला कमल

तिरुवनंतपुरम, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने शानदार जीत हासिल की है। यह जीत राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव दिखाती है और 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के खिलाफ जनता की नाराजगी का स्पष्ट संकेत है। यूडीएफ ने नगर निगमों, नगरपालिकाओं, ब्लॉक पंचायतों और ग्राम पंचायतों में बड़ी जीत दर्ज की है। माना जा रहा है कि इस जीत से गठबंधन में नई ऊर्जा आई है।

सूबे के चुनावी इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर कब्जा कर लिया। इससे सूबे की राजधानी के नगर निगम पर सीपीएम का 4 दशकों का शासन खत्म हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस जीत को राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण मोड़ बताया और पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं को इसका श्रेय दिया। इस जीत से केरल में बीजेपी का पहला मेयर बनने का रास्ता खुल गया है। रिटायर्ड पुलिस महानिदेशक आर श्रीलेखा को इस पद के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा है।सूबे की सत्ता पर आसीन एलडीएफ के लिए ये नतीजे बहुत बड़े झटके के तौर पर देखे जा रहे हैं। उसने 5 में से 4 नगर निगमों पर नियंत्रण खो दिया, जिसमें तिरुवनंतपुरम और कोल्लम शामिल हैं। तिरुवनंतपुरम में तो 45 साल और कोल्लम में 25 साल से एलडीएफ का शासन था। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अप्रत्याशित परिणामों को स्वीकार करते हुए पार्टी की रणनीतियों की गहन समीक्षा का वादा किया। सीपीएम के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने इसे अप्रत्याशित झटका बताया, लेकिन गलतियों को सुधारकर आगे बढ़ने की बात कही।बता दें कि इन चुनावों में यूडीएफ की मुहिम में सबरीमाला में सोने की चोरी का मामला और शासन की नाकामियां जैसे मुद्दे प्रमुख थे। इनसे शहरों और गांवों दोनों में मतदाताओं का समर्थन मिला। गठबंधन ने 87 नगरपालिकाओं में से 54, 6 नगर निगमों में से 4 और 3 स्तर वाली पंचायत व्यवस्था में मजबूत बढ़त हासिल की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे जनता केंद्रित राजनीति की निर्णायक और उत्साहजनक स्वीकृति बताया। अलप्पुझा सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसे एलडीएफ की भ्रष्ट, तानाशाही और जनविरोधी सरकार के खिलाफ जनता का फैसला कहा।

▶10 पर

राष्ट्रीय अध्यक्ष के एलान को लेकर भाजपा का बड़ा दावा?

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पद पंकज चौधरी के चयन के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की सरगर्मी शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि जल्द भाजपा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का ऐलान कर सकती है।

सोमवार से खरमास के शुरू होने के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव मकर संक्रांति तक टलने के बारे में पूछे जाने पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि खरमास हमारे लिए अशुभ नहीं होता है। इसके गहरे अर्थ लगाए जा रहे हैं। वैसे एक अन्य नेता ने मकर संक्रांति के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की संभावना पर बल दिया।बिहार विधानसभा चुनाव के बाद 22 नवंबर को गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, महासचिव (संगठन) बीएल संतोष व अन्य पदाधिकारियों की लंबी बैठक के बाद संगठनात्मक चुनावों में तेजी आने के संकेत मिले थे। इसके बाद 26 नवंबर को अमित शाह ने संगठन चुनाव के लिए गठित समिति के अध्यक्ष के लक्ष्मण के साथ बैठक की थी।शीतकालीन सत्र शुरू होने के एक-दो दिन बाद ही संसद भवन के भीतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमित शाह, जेपी नड्डा और बीएल संतोष के साथ लंबी बैठक को भी संगठनात्मक चुनावों से

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

पंकज चौधरी यूपी भाजपा के नए बॉस, आज होगा औपचारिक ऐलान

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को आखिरकार भारतीय जनता पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को यूपी भाजपा अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन होने के कारण रविवार को उनके नाम का औपचारिक ऐलान किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी पूर्वांचल के गोरखपुर से आते हैं। वे ओबीसी वर्ग से हैं और सात बार के सांसद रह चुके हैं। वह यादवों के बाद ओबीसी वर्ग की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले कुर्मी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

भाजपा ने ओबीसी समाज से प्रदेश अध्यक्ष बनाकर संगठन की कमान ओबीसी नेतृत्व को सौंपने और सरकार की कमान अगड़ी जाति के पास रखकर सामाजिक संतुलन साधने का प्रयास किया है।पंकज चौधरी की अगुवाई में ही भाजपा 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उतरेगी।

बिहार में झटके के बावजूद इंडी गठबंधन को मजबूत करने का प्रयास जारी रहेगा: अखिलेश

हैदराबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनावों में मअप्रिय अनुभवफ के बावजूद, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि वह न केवल इंडी गठबंधन के साथ बने रहेंगे, बल्कि गठबंधन को मजबूत करने का प्रयास भी करेंगे।

यहाँ विजन इंडिया एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) समिट नामक एक कार्यक्रम से इतर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, यादव ने स्पष्ट किया कि बिहार का अनुभव वैसा नहीं था, जैसा हमने उम्मीद की थी। हम इंडी गठबंधन को चलाएंगे और सभी सहयोगियों को साथ लाने का प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव के साथ अपनी मुलाकातों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि एक नए से दोस्ती करने के लिए एक पुराने को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। रामा राव को पुराना दोस्त बताते हुए, यादव ने कहा कि पुराने दोस्त और नए दोस्त के बीच चुनाव करना मुश्किल हो जाता है, इसलिए संतुलन बनाना पड़ता है।

यूपी चुनाव में भाजपा को हराने के लिए एआई का इस्तेमाल

उन्होंने समझाया, इस तरह की कठिनाई तब आती है जब आपका कोई पुराना दोस्त होता है और एक नया दोस्त भी होता है। मैं यह आपके विवेक पर छोड़ता हूँ कि आप तय करें कि दोस्ती केवल एक से मजबूत करनी है या दोनों से। यह हमारा सहज स्वभाव है कि हम पुराने दोस्त को छोड़ नहीं सकते। यादव ने बीआरएस नेताओं टी. हरीश राव और तलसानी श्रीनिवास यादव से भी मुलाकात की और शनिवार को रामा राव के साथ यहाँ एक भोजनालय भी गए।

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ हैं और इसे समाप्त करने के लक्ष्य के साथ विजन इंडिया के माध्यम से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह केवल सकारात्मक, विकासात्मक और प्रगतिशील राजनीति का ही अनुसरण करेंगे।

समाजवादी पार्टी शासन और भविष्य के परिवर्तन में प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में युवाओं में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से सभी प्रमुख शहरों में विजन इंडिया शिखर सम्मेलन आयोजित कर रही है।

▶10 पर

हमारी आत्मा में साक्षात शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान विराजमान: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणा श्री ने भगवान पार्श्वनाथ की महिमा बताते हुए कहा कि पारसमणि : पुरुषादानीय पार्श्वनाथ धरती और अम्बर का वह पुण्यशाली नाम परमात्मा पार्श्वनाथ है, जिनके हजारों तीर्थ जन-जन के मानसिक कालुष्य को मिटाने का काम कर रहे हैं। पुरूषादानीय पार्श्वनाथ कभी चिन्तामणि बनकर अचिन्त्य फल प्रदान करते हैं तो कभी कल्पवृक्ष से भी अधिक कल्याणकारी सिद्ध होते हैं। कभी शंखेश्वर में मोहनिद्रा से बाहर आने का शंखनाद करते हैं तो कभी पारसमणि के रूप में सामान्य आत्मा को स्वर्णिम परमात्मा बनने का वरदान देते हैं। पार्श्वनाथ एक, स्वरुप अनेक है। भारत का एक भी कोना ऐसा नहीं, जहां पार्श्वनाथ के मंत्र की गूंज सुनाई न दे। एक भी मंदिर

ऐसा नहीं, जहां पार्श्वनाथ के दर्शन न हो। कहीं कृष्णवर्ण के विराजमान हैं तो कहीं नील या श्वेत वर्ण के विराजमान हैं। नागेश्वर में वे खड़े खड़े ही मुक्ति का वैभव बांट रहे हैं तो नाकोड़ा, जीरावला आदि स्थानों पर बैठे-बैठे करूणा और कृपा का अमृत बरसा रहे हैं। कहीं सप्तफणा है तो कहीं शतफणा और सहस्रफणा है। कहीं चिन्तामणि है तो कहीं सोम चिन्तामणि और विजय चिन्तामणि। बिम्ब एक प्रतिबिम्ब अनेक। रूप एक प्रतिरूप अनेक। निश्चित ही पार्श्वनाथ की महिमा ही अलौकिक है। पौष वदि दशमी को शंखेश्वर हो, नागेश्वर हो या नाकोड़ा, अंतरिक्ष, जिरावला सैंकड़ों तीथों पर सामूहिक अट्ठम तप के हजारों तपस्वी नजर आते हैं तो लोगों का रेला-मेला परमात्मा के दर्शन को तरसता हुआ दृष्टि पथ में आता है। शंखेश्वर में हर पूनम को हजारों भक्तजन आते हैं और श्रद्धा का अर्घ्य अर्पण कर आनंद का अनुभव करते हैं। एक समय में पार्श्वनाथ के 108 तीर्थ भारतदेश में धर्म के धाम बने हुए थे, वह संख्या आज 1008 पार्श्वनाथ तक पहुंची है, इसमें पार्श्वनाथ के प्रति भक्तों की अपार भक्ति का ही आधार है। यह वह दर है, जहां लोग रोते-रोते आते हैं और हंसते-हंसते जाते हैं। यह तो वह दरबार है, जहां आता हर कोई है पर जाता कोई नहीं है। यह वह पावन स्मरण है, जिसे जपने से पाप, ताप, सन्ताप और अभिशाप स्वयमेव पलायन कर जाते हैं। इस सकल भूमण्डल में सम्भवत ऐसे कोई भगवान नहीं, जो हजारों रूपों में पूजे जाते हो। इतने मंदिर, इतनी प्रतिमाएं किसी भी भगवान की नहीं। सर्वाधिक स्तोत्र और ग्रन्थ प्रकाशन भी पार्श्वनाथ पर ही हुए हैं। हमारी आत्मा में भी साक्षात शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान विराजमान है।

नमस्कार महामंत्र एक अनुशीलन दो पुस्तकों का द्वितीय संस्करण प्रकाशित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नमस्कार महामंत्र जैन धर्म का सार्वभौम मंत्र है। यह अनादि मंत्र है। इसमें चौदह पूर्वों का सार है। इस शक्तिशाली मंत्र से कर्म निर्जरा के साथ-साथ आधि, व्याधि तथा उपाधि दूर होती है। चित्त समाधि का सर्जन होता है। उक्त विचार व्यक करते हुए साध्वीश्री पुण्ययशा जी अनेक घटना प्रसंगों से नमस्कार महामंत्र की प्रभावकता पर प्रकाश डाला। साध्वी श्री विनितयशाजी ने कहा यह जैनों का एक विशिष्ट मंत्र है। अलौकिक शाक्तियों को जगाने का मंत्र है। इसे श्रद्धा व एकाग्रता पूर्वक अपनाना चाहिए। साध्वी वर्धमानयशा जी ने गीतिका के माध्यम से महामंत्र की महिमा बताई। राजराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वी श्री पुण्ययशा जी द्वारा लिखित नमस्कार महामंत्र एक अनुशीलन के दो भाग की पुस्तकों के द्वितीय संस्करण की प्रतियां साध्वीश्रीजी को भेंट की एवं विजय कोठारी व संजना कोठारी को सम्मानित किया। जितेन्द्र घोषल ने पुस्तक की उपयोगिता को देखते हुए प्रत्येक घर में इन पुस्तकों को रखने एवं अध्ययन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर राजराजेश्वरीनगर के उपाध्यक्ष सरोज आर. बैद एवं राजेश छाजेड़, इमरतलाल देवड़ा, पदम खटेड़, बिड़दी उपसभाध्यक्ष कुशल देवड़ा आदि उपस्थित रहे। साध्वीवृन्द का बिड़दी से मंडिया की ओर विहार प्रारंभ हो गया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिक्षा विभाग कर्नाटक सरकार द्वारा बेंगलूरु दक्षिण जिला स्तरीय प्रतिभाकारजी और कालोत्सव कार्यक्रम का आयोजन आरवी रोड जयनगर स्थित बेंगलूरु हाई स्कूल विजय महाविद्यालय प्रांगण में किया गया। 250 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जानपद नृत्य, भरतनाट्यम, रंगोली एवं अन्य सांस्कृतिक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया।

बागेशपुरा रेलवे स्टेशन पर उत्साह के साथ मनाया गया स्टेशन महोत्सव

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूरु मंडल ने बागेशपुरा रेलवे स्टेशन पर बड़े उत्साह और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ स्टेशन महोत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में शाखा अधिकारी, डीआरयूसीसी सदस्य, ग्राम पंचायत अध्यक्ष, रेलवे कर्मचारी और सरकारी हाई स्कूल, बागेशपुरा के छात्र और शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान, सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी गोविंदा गौड़ा और टेलीस्कोप प्रदर्शन के लिए इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित गगन बी.एल. को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। सरकारी हाई स्कूल, बागेशपुरा के छात्रों ने जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं, जिन्होंने समारोह में रंग और आनंद जोड़ दिया। बागेशपुरा रेलवे स्टेशन, 1960 में निर्मित, औपनिवेशिक और स्थानीय वास्तुशिल्प तत्वों का एक विशिष्ट मिश्रण दर्शाता है। स्टेशन की इमारत पुराने मैसूरु क्षेत्र के कई पुराने रेलवे स्टेशनों की तरह एक हाइब्रिड डिजाइन पेश करती है। केंद्रीय संरचना चार-तरफा मेंगलूरु-टाइल वाली गैबल छत के साथ बनाई गई है, प्रत्येक गैबल एक गोलाकार कांच की खिड़की से सजाया गया है। छोटा बरामदा और मुख्य संरचना के चारों ओर फर्श के लिए पारंपरिक कडप्पा पत्थर का उपयोग स्थानीय वास्तुशिल्प प्रभावों को उजागर करता है। फिलहाल इस स्टेशन पर छह ट्रेनों का ठहराव है। बागेशपुरा की सेवा करने वाली रेलवे लाइन मूल रूप से 1918 में खोली गई थी, जो इस क्षेत्र की रेलवे विरासत में एक महत्वपूर्ण कड़ी थी। मैसूरु डिवीजन अपनी रेलवे संपत्तियों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को संरक्षित करते हुए सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के अपने प्रयास जारी रखे हुए है।

एसआईटी ने कथित वोट चोरी मामले में दायर किया आरोपपत्र

पूर्व विधायक, उनके बेटे-पांच अन्य को बनाया आरोपी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के 2023 के विधानसभा चुनावों में आलंद विधानसभा क्षेत्र में कथित 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें भाजपा के पूर्व विधायक, उनके बेटे और उनके करीब सहयोगी समेत सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। एसआईटी ने आरोपपत्र बंगलूरू में प्रथम श्रेणी अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज किया। इस सीट पर 5,994 मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप है। राज्य के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के सूत्रों के मुताबिक, 22,000 पन्नों का आरोपपत्र दायर किया गया है, जिसमें सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के लिए अपनाए गए तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। आरोपपत्र में आलंद से चार बार विधायक रह चुके सुभाष गुट्टेदार, उनके बेटे

हर्षानंद गुट्टेदार, उनके निजी सचिव टिप्पेरुद्र, कलबुर्गी के डाटा केंद्र के तीन ऑपरेटर अकरम पाशा, मुकरम पाशा और मोहम्मद अशफाक और पश्चिम बंगाल के बापी अद्या शामिल हैं। इस मामले में गिरफ्तार होने वाले शख्स में सबसे पहला व्यक्ति आद्या था। आरोप है कि वह ओटीपी बाजार नाम की एक वेबसाइट चलाता था। जो ओटीपी बाईपास सुविधा देने के लिए एक अमेरिका स्थित प्लेटफॉर्म से जुड़ी थी। बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। मामले को लेकर विधायक के बेटे हर्षानंद ने शनिवार को अपने खिलाफ लगे आरोपों को गलत बताया और कहा कि उन्हें और उनके पिता को झूठे मामले में फंसाया गया है। इन सबसे उनका कोई लेना देना नहीं है।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट का इंडस्ट्रियल दौरा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) बेंगलूरु वेस्ट की फ्यूचरा विंग द्वारा टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, बिरदी में एक विशेष इंडस्ट्रियल दौरा का सफल आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में 15 फ्यूचरा सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह अर्हम भवन, विजयनगर से बस प्रस्थान के समय टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट अध्यक्ष ललित बेगानी और मंत्री कौशल खटेड़ उपस्थित रहे और उन्होंने फ्यूचरा सदस्यों से संवाद कर उन्हें सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतिभागियों को टोयोटा प्लांट में वास्तविक ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस, असेंबली लाइन, टोयोटा प्रोडक्शन सिस्टम, क्वालिटी चेक प्रोसेस तथा ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। विशेषज्ञों द्वारा सुरक्षा, संचालन और उत्पादन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी भी दी गई। सभी फ्यूचरा सदस्यों ने इस इंडस्ट्रियल विजिट को अत्यंत ज्ञानवर्धक बताया और आपसी नेटवर्किंग व लर्निंग का विशेष लाभ उठाया। टीपीएफ के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बिताया गया समय कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बनाता है। इस आयोजन के संयोजक निर्मल चावत और निशा कटारिया रहे। कार्यक्रम में टीपीएफ सदस्य अशोक छाजेड, प्रिया चोरड़िया और निकिता पटावरी की विशेष उपस्थिति रही। टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट द्वारा आयोजित यह इंडस्ट्रियल विजिट फ्यूचरा सदस्यों के लिए उद्योग जगत को करीब से समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ।

दलितों के पैसे का दुरुपयोग करना सीएम की उपलब्धि: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने चुटकी लेते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार दलितों के पैसे के दुरुपयोग का कारण है। उन्होंने इस बारे में प्रेस को बयान दिया है और गरजते हुए कहा कि दलित समुदाय के नेताओं पर छुरा चलाकर दो बार सत्ता में आए सीएम सिद्धरामैया की दलित विरोधी नीतियां यहीं नहीं रुकीं। एससी, एसटी का 25,000 करोड़, जो दलितों के विकास के लिए आवंटित किया जाना चाहिए था, का उपयोग गारंटी में किया गया। क्या आप गारंटी के नाम पर

दलितों को धोखा दे रहे हैं। सीएम सिद्धरामैया, क्या यही आपका सामाजिक न्याय है। क्या यही दलितों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता है। अशोक ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि गारंटी योजनाओं के नाम पर कन्नड़वासियों का खजाना लूटने और राज्य को अविकसित बनाने वाली कांग्रेस सरकार देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को धोखा दे रही है, वह दलित विरोधी कांग्रेस है। इससे पहले विधान सभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2026 के सीजन के लिए नारियल के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है और राज्य के किसानों को एक और अच्छी खबर दी है। उन्होंने इस संबंध में एक प्रेस बयान दिया है और कहा है कि मोदी सरकार ने कर्नाटक के नारियल उत्पादकों को नए साल के तोहफे के रूप में नारियल का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ा दिया है। केंद्र के इस फैसले से राज्य के नारियल उत्पादकों को काफी फायदा होगा और कटे हुए नारियल और गांठ वाले नारियल दोनों की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की तुलना में कटी हुई चर्बी के लिए 445, गांठ वाली चर्बी के लिए 400 की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि गांठ नारियल फिलहाल 12,100 रुपये प्रति क्विंटल है। 2014 से, केंद्र सरकार एमएसपी में उल्लेखनीय वृद्धि कर रही है, और 2014 के विपणन सत्र में, एमएसपी 5,250 रुपये प्रति क्विंटल था। पिछले 10 वर्षों में इसमें 129 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह, गांठ नारियल की कीमत 5,500 रुपये से बढ़कर 12,500 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है, जो 127 प्रतिशत की वृद्धि है।

एनआरके को समर्पित एक अलग मंत्रालय की लंबे समय से लंबित मांग जल्द ही पूरी की जाएगी: सीएम

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया है कि अनिवासी कन्नडिगाओं (एनआरके) को समर्पित एक अलग मंत्रालय की लंबे समय से लंबित मांग जल्द ही पूरी की जाएगी। प्रसिद्ध अनिवासी उद्यमी डॉ. रोनाल्ड कोलाको के नेतृत्व में 30 से अधिक देशों के कन्नडिगाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 45 सदस्यीय एनआरआई प्रतिनिधिमंडल ने बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने एनआरके के सामने आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान और एक अलग मंत्रालय और विभाग की स्थापना की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। जवाब में मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक नया, समर्पित मंत्रालय और विभाग शुरू करने के लिए पार्टी आलाकमान से परामर्श की आवश्यकता होती है। उन्होंने आश्वासन दिया मैं जल्द से जल्द दिल्ली जाऊंगा और आलाकमान के साथ इस पर चर्चा करूंगा। हम एक अलग मंत्रालय और विभाग स्थापित करने की दिशा में अगला कदम उठाएंगे। सिद्धरामैया ने कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में शामिल एक और प्रमुख गारंटी को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देने के लिए आलाकमान से चर्चा की जाएगी। एमएलसी और एनआरआई फोरम की उपाध्यक्ष डॉ. आरती कृष्णा, जिन्होंने प्रतिनिधिमंडल का समर्थन किया, ने एनआरके की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री से विशेष अपील की। सौंपे गए ज्ञापन में विभिन्न देशों में सक्रिय कन्नड़ संगठनों के पदाधिकारियों की एक विस्तृत सूची शामिल थी और सरकार से एनआरके से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों पर त्वरित और स्पष्ट कार्रवाई करने का आग्रह किया गया था।

पुनर्वास श्रमिकों का पारिश्रमिक न्यूनतम वेतन अधिनियम के अंतर्गत आता है: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला एवं बाल विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने विधान सभा को बताया कि ग्रामीण पुनर्वास श्रमिकों, बहुउद्देश्यीय पुनर्वास श्रमिकों और शहरी पुनर्वास श्रमिकों के मानदेय को न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत लाने का एक प्रस्ताव श्रम विभाग को उसकी राय के लिए प्रस्तुत किया गया है। विधायक एस. सुरेश कुमार के ध्यानाकर्षण नोटिस का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि ग्रामीण योजना के तहत तालुक पंचायतों में काम करने वाले 176 विभिन्न प्रयोजन कार्यकर्ताओं को 16 हजार रुपये का मानदेय दिया जा रहा है।

6,022 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण कार्यकर्ताओं को 10,000 रुपये और 613 शहरी स्थानीय संगठनों में काम करने वाले शहरी पुनर्वास श्रमिकों के लिए 10,000 रुपये का मानदेय दिया जा रहा है।

गृहलक्ष्मी योजना के लिए 1.28 करोड़ महिलाओं का पंजीकरण

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि अब तक गृहलक्ष्मी योजना के तहत लाभार्थियों को कुल 52,416.17 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से जमा की गई है। राज्य गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष दिनेश गूलीगौड़ा द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य भर में अब तक 1,28,59,073 परिवार मालिकों ने आवास योजना के लिए पंजीकरण कराया है, जिसमें 1,24,12,543

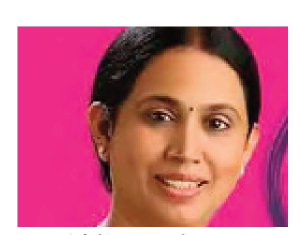

लाभार्थियों को कुल 52,416.17 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से जमा की गई है। इसका मतलब है कि प्रत्येक लाभार्थी को अब तक 22 किश्तों में दो-दो हजार रुपये के हिसाब से कुल 44,000 रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि अब तक 52,416.17 करोड़ जमा कर दिया गया है। गृहलक्ष्मी योजना के लिए रिकॉर्ड संख्या में महिलाओं ने पंजीकरण कराया है, जो सरकार की जन-समर्थक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सराहनीय है कि कम समय में 1.24 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को भुगतान किया गया है। इस योजना ने राज्य के परिवारों की वित्तीय स्थिति को सुधारने में बहुत योगदान दिया है। विधायक दिनेश गूलीगौड़ा ने कहा कि डीबीटी के माध्यम से सीधे धन हस्तांतरण से योजना में पारदर्शिता आई है।

प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह चरमरा गई

क्या यतींद्र सिद्धरामैया कांग्रेस के लिए हाईकमान हैं: विजयेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा चल रही है और यह मुद्दा निकट भविष्य में सुलझता नजर नहीं आएगा। आप किस पुरुषार्थ के लिए सत्र करेंगे। मैंने उनसे कहा था कि अगर संभव हो तो इसे टाल दें। यहां शनिवार को एक मीडिया सम्मेलन में उन्होंने कहा कि बेलगावी के शीतकालीन सत्र में देश के किसान, गरीबों, बुनकरों की समस्याओं समेत ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा के लिए उन्होंने सत्र शुरू होने से पहले ही मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया था। मुख्यमंत्री को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। सिद्धरामैया का कहना है कि आलाकमान जो कहेगा वह सुनेंगे। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब वह बेंगलूरु आए थे तो उन्होंने असहाय तरीके से बात की थी। यतींद्र सिद्धरामैया ने कहा कि सिद्धरामैया पांच साल तक सीएम रहेंगे। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल, मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी कांग्रेस के आलाकमान हैं या यतींद्र सिद्धरामैया ही आलाकमान हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक इसकी मांग कर रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि उनके भ्रम के कारण राज्य में प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह चरमरा गई है। नेतृत्व का मुद्दा सुलझने के बाद ही सत्र आयोजित करें। तभी हमें किसानों की सभी समस्याओं का समाधान मिल सकेगा। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ता पक्ष और मंत्री विपक्षी नेताओं की बात सुनने और समस्या पर प्रतिक्रिया देने की जहमत तक नहीं उठाते। दो साल से एकता का मंत्र जप रहे सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार एक दूसरे के खिलाफ तलवारें निकाल रहे हैं। इसी का परिणाम है कि राज्य के साथ ऐसा हो रहा है। मुख्यमंत्री का मसला कांग्रेस का अंदरूनी मसला नहीं है। गन्ना उत्पादकों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। राज्य में 54 लाख मीट्रिक टन मक्का पैदा होता है। मक्का उत्पादक क्रय केंद्र खोलने की मांग कर रहे हैं। किसानों को दलालों व बिचौलियों को 1700-1600 रुपये में मक्का बेचने की नौबत आ गयी है। घोषणा के कम से कम तीन महीने बाद भी फसल मुआवजे का पर्याप्त भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी बारिश के कारण राज्य की सड़कें गड्ढों से भरी हैं। राज्य में कोई विकास नहीं हुआ है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। उन्होंने शिकायत की कि किसानों की दुर्दशा पर प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष एन.के. जगदीश, विधायक चन्नबसप्पा, विधान परिषद सदस्य डॉ. धनंजय सरजी, पूर्व विधायक के.जी. कुमारस्वामी, महासचिव, प्रमुख, मीडिया प्रमुख चन्द्रशेखर एस. मौजूद थे।

कर्नाटक सरकार विदेशी ड्रग पेडलर्स को किराए पर दी गई इमारतों को गिराने पर विचार कर रही:गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार कर्नाटक में ड्रग्स की तस्करी को रोकने के लिए एक बड़ी रणनीति के तहत, ड्रग्स तस्करी में शामिल विदेशी नागरिकों को किराए पर दिए गए घरों को गिराने जैसे कड़े कदम उठाने पर विचार कर रही है। बेंगलूरु, दावणगेरे और तटीय जिलों में बढ़ते ड्रग्स के खतरे के बारे में विधान परिषद में कांग्रेस एमएलसी के अब्दुल जब्बार द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए, गृह मंत्री ने कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से उठाए गए कई कदमों के बारे में विस्तार से बताया। कुछ विदेशी नागरिकों की संलिप्तता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा अफ्रीकी देशों से कई विदेशी छात्र कर्नाटक आए हैं। उनमें से कुछ ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। हम उन्हें गिरफ्तार करते हैं और मामले दर्ज करते हैं, लेकिन एक बार मामला दर्ज होने के बाद, हम उन्हें देश से बाहर नहीं भेज सकते। असल में, वे चाहते हैं कि मामले दर्ज हों ताकि देश से बाहर भेजना एक विकल्प न रहे। उन्होंने कहा कि जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद, लगभग 300 लोगों को देश से बाहर भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी पहले देश से बाहर भेजे गए लोगों का पता लगा रहे हैं और उन स्थानीय संपत्ति मालिकों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं जो अपराधियों को घर किराए पर देते हैं। परमेश्वर ने कहा हम तो उन किराए की इमारतों को गिराने के बारे में भी सोच रहे हैं जहां ऐसे लोग रहते हैं। गृह मंत्री ने दोहराया कि सरकार ने सत्ता में आने के बाद से कड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने सदन में कहा है कि हम कर्नाटक को ड्रग्स मुक्त राज्य बनाएंगे। युवाओं में ड्रग्स के इस्तेमाल को रोकने के लिए, विभाग ने अधिकारियों को नियमित रूप से शिक्षण संस्थानों का दौरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कल ही, एक ही दिन में, हमारे अधिकारियों ने बेंगलूरु में 1,000 स्कूलों और कॉलेजों का दौरा किया और निरीक्षण किया। यह नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

कर्नाटक ठंड की चपेट में, न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक गिरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और लोगों की कंपकंपी छूट गई है। तटीय इलाकों को छोड़कर राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। इसी तरह न्यूनतम तापमान भी औसत से 15 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर रहा है। केवल तट के किनारे न्यूनतम तापमान 15डिग्री से ऊपर और अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ऊपर है। धूप वाली भूमि के रूप में चित्रित कल्याण कर्नाटक के जिलों में न्यूनतम तापमान काफी गिर रहा है और कड़ाके की ठंड लोगों को प्रभावित कर रही है। मानसून की बारिश सामान्य से कम है। साथ ही ऊपर से आ रहे तूफान के असर से लगातार चल रही ठंडी हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कड़ाके की ठंड के साथ-साथ बार-बार चलने वाली ठंडी मेलाई हवा से लोग परेशान हैं। ठंड से बचने के लिए उन्होंने गर्म कंबलों का सहारा लिया है। अत्यधिक ठंड के मौसम को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने और रात और सुबह गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। बेलगावी में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस, बीदर में 7.8 डिग्री, विजयपुर में 7 डिग्री, धारवाड़ में 9 डिग्री, गदग में 10.2 डिग्री, कलबुर्गी में 13 डिग्री, हावेरी में 11.8 डिग्री, कोप्पल में 11.9 डिग्री, रायचूर में 9.6 डिग्री, अगुम्बे में 10.6 डिग्री, बेंगलूरु में 13.3 डिग्री, देवनहल्ली हवाई अड्डे पर 14.7 डिग्री, चित्रदुर्ग में 14 डिग्री, दावणगेरे में 10 डिग्री, हासन 8, चिंतामणि 8.4, मैसूरु 15.4, शिवमोग्गा 11.4 डी.सी. तापमान दर्ज किया गया। राजधानी बेंगलूरु में भी ठंड बढ़ गई है। कुछ जगहों पर सुबह के समय कोहरा छाया रहता है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह कोहरा और ओस पड़ रही है। कुछ जगहों पर घना कोहरा भी छाया हुआ है। विशेषज्ञों ने वाहन चालकों को ऐसी जगहों पर सावधानी से गाड़ी चलाने की सलाह दी है।

कांग्रेस विधायक की बड़ी भविष्यवाणी

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 6 जनवरी को मुख्यमंत्री बनेंगे: इकबाल हुसैन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के अंदर कुर्सी की लड़ाई अपने चरम पर पहुंच गई है। इस बीच सत्त-ाधारी कांग्रेस के विधायक ने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए तारीख बताई है कि डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री कब बनेंगे। विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने शनिवार को दावा करते हुए कहा है कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 6 जनवरी को मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी के साथ उन्होंने अपने बयान में कहा कि जिस पद पर अभी सिद्धरामैया हैं, उसे शिवकुमार के लिए खाली किया जाना चाहिए। रामनगर के विधायक इकबाल हुसैन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया जाना चाहिए। शिवकुमार के कट्टर समर्थक हुसैन ने कहा 99 प्रतिशत संभावना है कि वह 6 जनवरी को मुख्यमंत्री बनेंगे। जब उनसे पूछा गया कि इस तारीख का क्या महत्व है, तो उन्होंने कहा मुझे नहीं पता। यह बस एक रैंडम नंबर है। हर कोई यही कह रहा है। यह 6 जनवरी या 9 जनवरी हो सकती है। ये दो तारीखें हैं। दरअसल, विधायक इकबाल हुसैन लगातार मांग कर रहे हैं कि डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाए। शुक्रवार को उन्होंने अपनी यह इच्छा सार्वजनिक की थी। एक दिन पहले पत्रकारों से बात करते हुए रामनगर विधायक ने पुष्टि की कि उन्होंने शिवकुमार और कई मंत्रियों और विधायकों के साथ देर रात भोजन किया था। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि यह बैठक शक्ति प्रदर्शन थी। उन्होंने कहा विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के विधायक सत्र के लिए आए हैं; हम सभी के लिए यह मिलने का एक दुर्लभ अवसर है। सत्र के दौरान हम एक दूसरे से मिलते हैं। हमने साथ में भोजन किया। इसमें क्या है। क्या साथ में भोजन करना शक्ति प्रदर्शन कहा जा सकता है। वहीं जब हुसैन से पूछा गया कि क्या शिवकुमार ने सभा के दौरान कोई राजनीतिक घटनाक्रम साझा किया, तो उन्होंने जवाब दिया मैं खुशखबरी दे रहा हूं। वह सत्र के बाद मुख्यमंत्री बनेंगे, वह बनेंगे ही। इसमें क्या गलत है। उन्होंने आगे कहा शिवकुमार को मौका मिलेगा, वह अब मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी के साथ हुसैन ने बताया कि रात्रिभोज में कांग्रेस के 50 से 55 विधायक शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने इसे अनौपचारिक बैठक बताया, लेकिन यह बैठक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की अटकलों के बीच हुई, खासकर 20 नवंबर को सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा होने के बाद किया गया है। इस बीच रेल राज्य मंत्री और भाजपा सांसद वी सोमन्ना ने कहा कि वह सीएम पद के लिए गृह मंत्री जी परमेश्वर का समर्थन कर रहे हैं। बता दें कि तुमकुरु में एक कार्यक्रम में वी सोमन्ना ने कहा सत्ता मिलना किस्मत की बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि परमेश्वर सिर्फ गृह मंत्री बनकर रह जाएंगे। हम उन्हें सीएम के रूप में देखना चाहते हैं। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि तुमकुरू के लोग भी उन्हें सीएम के रूप में देखना चाहते हैं। जब मौजूद लोगों में से किसी ने डी के शिवकुमार के बारे में पूछा, जो इस पद के लिए एक मजबूत दावेदार हैं, तो सोमन्ना ने कहा, छोड़ो। वह सेकेंडरी है। शिवकुमार क्या बनना चाहते हैं, यह उनकी किस्मत पर निर्भर करता है। आचरण किस्मत से भी बड़ा होता है।

खानाबदोश समुदायों के लिए कोटा: कर्नाटक सरकार ने आंतरिक आरक्षण के समान वितरण का आश्वासन दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने अछूत खानाबदोश समुदायों के महासंघ को आंतरिक आरक्षण कोटा के समान वितरण का आश्वासन दिया है। आश्वासन के बाद, कर्नाटक फेडरेशन ऑफ अनटचेबल नोमैडिक कम्युनिटीज ने पहले घोषित 'बेलगावी चलो' विरोध को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सरकार सोमवार को सदन में आंतरिक आरक्षण पर बिल पेश कर सकती है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य मंत्रियों, महासंघ के नेताओं के साथ बैठक में मुद्दे के विभिन्न समाधानों पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने खानाबदोश समुदायों के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को संबोधित करने में सरकार की निरंतर निष्क्रियता पर प्रकाश डाला, जिसके कारण अब एक गंभीर संकट पैदा हो गया है। घुमंतू आरक्षण मामले में हाई कोर्ट की रोक के कारण न केवल आंतरिक आरक्षण बल्कि सभी भर्ती प्रक्रियाएं रुकी हुई हैं। उन्होंने कहा स्पष्ट सरकारी निर्णय के बिना, उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित याचिका वापस नहीं ली जा सकती और रोक को हटाया नहीं जा सकता। मुद्दे को सुलझाने के लिए प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विकल्प प्रस्तावित किये। प्रतिनिधिमंडल ने एक अलग घुमंतू विकास निगम और शिक्षा, आवास और स्वरोजगार के लिए एक विशेष पैकेज की लंबे समय से लंबित मांगों को भी दोहराया। उन्होंने सरकार से मौजूदा सत्र में विधेयक पेश करते समय अपना रुख स्पष्ट रूप से घोषित करने का आग्रह किया। उपस्थित सभी मंत्रियों ने मांगों की वैधता का समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने अपने समापन भाषण में आश्वासन दिया कि अलग निगम की मांग पर विचार किया जाएगा, विशेष कल्याण पैकेज लागू किया जाएगा और बैठक में सुझावों को ध्यान में रखते हुए किसी न किसी तरीके से आरक्षण मुद्दे का समाधान किया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले निर्णय राजनीतिक मजबूरियों के तहत लिए गए थे, यह जानते हुए भी कि इससे अन्याय हुआ है, और आश्वासन दिया कि सरकार खानाबदोश समुदायों को नहीं छोड़ेगी।

वोटचोरी अभियान के लिए प्रदेश से 1 हजार कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि वोटचोरी अभियान के तहत रविवार को दिल्ली के राम लीला मैदान में होने वाले विरोध प्रदर्शन में राज्य के 1,000 से अधिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वोटचोरी (वोटिंग चोरी) अभियान हमारे राज्य से शुरू हुआ है। अभियान की शुरुआत शहर के फ्रीडम पार्क से की गई। राज्य के कोने-कोने से कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पहले ही दिल्ली जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 100 से ज्यादा विधानसभा और विधान परिषद सदस्य दिल्ली जा रहे हैं। मैं दिल्ली में वोट चोरी अभियान के तहत एआईसीसी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए दिल्ली जा रहा हूं। हम लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ताकत देने जा रहे हैं। हालांकि हम बिहार चुनाव हार गए, लेकिन हम आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के प्रति जनजागरूकता लाने के लिए यह अभियान चलाया गया है। जब उनसे ड्रग तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में क्या हुआ। उन्होंने सवाल किया कि इसे लेकर हंगामा क्यों नहीं हुआ। इसी मौके पर उन्होंने कहा कि ईडी ने मुझे जो नोटिस दिया है, उसका जवाब देने के लिए मैं दस्तावेज जुटा रहा हूं।

राशन कार्ड में नाम जोड़ने, सुधार का निरंतर प्रावधान : मंत्री मुनियप्पा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा ने विधानसभा को बताया कि राशन कार्ड में नाम जोड़ने, सुधार करने का निरंतर प्रावधान है। विधायक गोपालकृष्ण बेलूर के स्पष्ट निर्देश का जवाब देते हुए, मंत्री ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा शर्तों वाले पात्र लोगों, ई-श्रम पंजीकृत श्रमिकों और पीवीटीजीएस में आने वाले आदिवासी समुदाय के लिए समय-समय पर नए प्राथमिकता राशन कार्ड जारी करने के उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को पहले से प्राथमिकता वाला राशन कार्ड मिला हुआ है, उनमें से अयोग्य को ढूंढने का काम लगातार जारी है और जब अयोग्य राशन कार्ड रद्द हो जायेगा, तो उसी राशि का नया राशन कार्ड जारी करने का अवसर मिलेगा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राज्य में 4,01,93,000 लाभार्थियों को राशन बांटने का लक्ष्य रखा है। लेकिन उन्होंने कहा कि राज्य में 4,53,89,504 लाभार्थियों को खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है।

गैर शैक्षणिक पदों पर शीघ्र पदोन्नति : मंत्री मधुबंगारप्पा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने विधानसभा को बताया कि बेंगलूरु कमिश्नरेट के तहत 1879 गैर-शिक्षण पद खाली हैं। गैर-शिक्षण के सभी पदों पर पदोन्नति के लिए जल्द ही कदम उठाये जायेंगे। विधायक अनिल चिक्कमडू द्वारा नियम 351 के तहत दिए गए निर्देश का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि चालू वर्ष में पदोन्नति प्रक्रिया चल रही है और प्रदर्शन रिपोर्ट की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि गैर शैक्षणिक पदों पर जल्द ही पदोन्नति की जायेगी। बताया गया है कि जो कर्मचारी समय-समय पर पदोन्नति प्रक्रिया में पदोन्नति को स्थगित कर देते हैं, पदोन्नति के बाद सेवानिवृत्ति, मृत्यु एवं अन्य कारणों से पद रिक्त हो जाते हैं, ऐसे कर्मचारियों की पदोन्नति की कार्यवाही की जा रही है। बेंगलूरु कमिश्नरेट के तहत 3740 गैर-शिक्षण अधिकारी, कर्मचारी पद स्वीकृत किए गए हैं। 1861 पदों पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि 1879 पद खाली हैं।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड महक क्रांति नीति 2026-36 का किया शुभारंभ

देहरादून,13 दसंबर (एजेंसियां)। देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड महक क्रांति नीति 2026-36 का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में 5 नए सैटेलाइट सेंटरों और एएमएस (सी-14) प्रयोगशाला का शिलान्यास किया गया है। साथ ही सैटेलाइट सेंटर भाऊवाला का लोकार्पण भी हुआ। इन सेंटरों के जरिए किसानों को आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनकी खेती और भी प्रभावशाली होगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि यह नीति किसानों के लिए एक बड़ी पहल है और इससे उन्हें सीधा फायदा मिलेगा। अभी लगभग 20-25 हजार किसान इस पहल से जुड़े हैं, लेकिन राज्य सरकार का लक्ष्य इसे बढ़ाकर एक लाख किसानों तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नीति के जरिए किसानों को सघन खेती से जोड़ा जाएगा, जिससे उनकी आमदनी और उत्पादन दोनों बढ़ेंगे। सीएम धामी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि इस समय नीति का कुल टर्नओवर लगभग 1,000 करोड़ रुपए का है और आने वाले समय में इसे 10-12 गुना बढ़ाकर 12-13 हजार करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में सघन खेती के लिए अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि यहां कई तरह की फसलें और वनस्पतियां उगाई जाती हैं। इनका इस्तेमाल सघन खेती में होगा और उत्पादन भी बढ़ेगा। इससे राज्य पूरे देश के लिए एक उदाहरण बनेगा।

धामी ने कहा कि इस पहल से न केवल किसानों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। किसान ज्यादा उत्पादन करेंगे, उनकी आय बढ़ेगी और राज्य का विकास भी होगा। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की कि वे इस नई नीति को अपनाएं और सघन खेती के जरिए अपनी जमीन और आमदनी को लाभ पहुंचाएं। बता दें कि उत्तराखंड महक क्रांति नीति 2026-36 किसानों के लिए एक बड़ा अवसर है। इसका उद्देश्य ज्यादा किसानों को सघन और सुगंधित खेती से जोड़ना, उत्पादन और आमदनी बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और राज्य में आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देना है।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में 10 लाख के दो इनामी माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

गरियाबंद,। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत 10 लाख के दो इनामी माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ सरकार और शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति तथा पुलिस की सतत अपील से प्रभावित होकर प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के डीजीएन डिवीजन में सक्रिय दो माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ते हुए आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एसडीके एरिया कमेटी सदस्य संतोष उर्फ लालपवन और सीनापाली एरिया कमेटी सदस्य मंजू उर्फ नंदे शामिल हैं। दोनों पर कुल 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था।संतोष उर्फ लालपवन मूलतः बीजापुर जिले का निवासी है, जो वर्ष 2005 से माओवादी संगठन में सक्रिय था।

वह विभिन्न दलम, प्लाटून और एरिया कमेटियों में कार्य करते हुए लंबे समय तक सीसी स्तर के नेताओं की सुरक्षा टीम में भी शामिल रहा।गरियाबंद और ओडिशा सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय रहते हुए वह कई गंभीर नक्सली घटनाओं, आईईडी ब्लास्ट और मुठभेड़ों में शामिल रहा, जिनमें पुलिस बल को नुकसान पहुंचा। इसके बाद में वह एसडीके और उदंती एरिया कमेटी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहा था।वहीं, मंजू उर्फ नंदे सुकमा जिले की रहने वाली है और वर्ष 2002 से संगठन से जुड़ी थी। बाल संगठन से लेकर एलओएस, सीएनएम और एरिया कमेटी तक का सफर तय करते हुए वह सीनापाली एरिया कमेटी की सदस्य बनी। गरियाबंद-नुआपाडा सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय रहते हुए वह भी कई मुठभेड़ों में शामिल रही, जिनमें अनेक माओवादी मारे गए।आत्मसमर्पण के दौरान दोनों माओवादियों ने बताया कि संगठन की विचारधारा खोखली हो चुकी है। जंगलों में कठिन जीवन, लगातार हिंसा, बीमारी और असुरक्षा के बीच भविष्य अंधकारमय हो गया था। दूसरी ओर शासन की आत्मसमर्पण-पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता, आवास, स्वास्थ्य और रोजगार सुविधाओं तथा पहले आत्मसमर्पण कर चुके साथियों के बेहतर जीवन से वे प्रभावित हुए।

माइंस विभाग की अजमेर टीम ने देर रात औचक कार्रवाई कर अवैध खनिज परिवहन करते चार डंपर जब्त किए

अजमेर, 13 दसंबर (एजेंसियां)। माइंस विभाग की अजमेर वृत की टीम ने विजय नगर-नसीराबाद क्षेत्र में देर रात व प्रातः तड़के अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ औचक कार्रवाई करते हुए चार डंपर जब्त किये हैं वहीं अवैध परिवहन करते हुए रेत के डंपर का खान विभाग की टीम द्वारा पीछा करने के बावजूद एक स्कार्पियों कार की मदद से भगा ले जाने में सफल हो गए। अजमेर वृत के अधीक्षण खनि अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए देर रात विजय नगर और नसीराबाद क्षेत्र में औचक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान विजय नगर क्षेत्र में बजरी का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपर जब्त किये गये। इसके साथ ही विजय नगर नसीराबाद क्षेत्र में दो डंपर ग्रेनाइट का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किये गये हैं। खान विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते एक डंपर का पीछा करने पर डंपर चालक ने रेत का बीच रोड़ ही फैलाते हुए फरार हो गया। रेत डंपर का पीछा करती विभागीय टीम के कार्य में एक स्कार्पियों से रास्ता रोकने और रेत के डंपर को भगाने में सहयोग किया।अधीक्षण खनि अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि विभागीय टीम में अधीक्षण खनि अभियंता के साथ ही खनि अभियंता विजिलेंस अजमेर, सहायक खनि अभियंता सावर शामिल रहे। उन्होंने बताया कि रेत का अवैध परिवहन कर भागने में सफल डंपर चालके, मालिकों और एस्कार्ट करती स्कार्पियों सवारों के खिलाफ पुलिस में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में तोड़फोड़ पर राज्यपाल ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

कोलकाता,13 दसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कोलकाता में अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में हुई तोड़फोड़ पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर राज्य सरकार को पत्र लिखकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। लोक भवन के एक अधिकारी ने बताया कि कई फुटबॉल प्रेमियों ने राज्यपाल से शिकायत की थी कि टिकटों की कीमतें बहुत अधिक होने के कारण उन्हें कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने पसंदीदा खिलाड़ी की एक झलक तक देखने का मौका नहीं मिल सका। इन्हीं शिकायतों के बाद राज्यपाल ने रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल यह जानकर हैरान हैं कि केवल कुछ ही लोग जिन्होंने टिकट के लिए भारी कीमत चुकाई है, वे ही स्टार अर्जेंटीना के फुटबॉलर को देख पाएंगे।अधिकारी ने आगे कहा, राज्यपाल ने राज्य को पत्र

लिखकर मेस्सी के दौरे से पैसे कमाने वाले निजी व्यक्ति के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आम लोगों को मेस्सी को देखने से क्यों रोका?उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने कहा कि यह एक दुखद स्थिति है कि महान हस्ती के फैंस को अपने आदर्श की एक झलक से भी वंचित किया गया और केवल उन्हीं लोगों को अनुमति दी गई जिन्होंने बड़ी रकम खर्च की है।

पुलिस ने मेस्सी के फैंस को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया, जो अपने आदर्श की एक झलक पाने के लिए उत्सुक थे। आम आदमी का उत्पीड़न एक ऐसी स्थिति नहीं है जो एक अंतरराष्ट्रीय स्टार के दौरे और पूरी दुनिया की नजर में सही लगे।राज्यपाल बोस ने अपने पत्र में पूछा कि मेस्सी के कोलकाता दौरे में राज्य की क्या भूमिका थी और क्यों एक निजी व्यक्ति को आम लोगों की भावनाओं की कीमत पर पैसे कमाने की इजाजत दी गई। अधिकारियों को फैंस और दर्शकों की भीड़ का अनुमान लगाना चाहिए था।यह दुखद स्थिति दर्शाता है कि कार्यक्रम के आयोजन में प्लानिंग और मैनेजमेंट की कमी साफ दिख रही है। बताया जा रहा है कि निहित स्वार्थों ने इस नापाक मंसूबे में मदद करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया है।बता दें कि दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी अपने तीन दिवसीय भारत दौरे के पहले चरण में शनिवार को कोलकाता पहुंचे। साल्ट लेक स्टेडियम में उनका कार्यक्रम था। मेस्सी की झलक पाने के लिए स्टेडियम में हजारों फैंस ने घंटों इंतजार किया। मेस्सी 10 मिनट के लिए स्टेडियम में पहुंचे थे। स्टेडियम में मौजूद फैंस उन्हें देख नहीं पाए और उनके जाने के बाद भारी बवाल किया और स्टेडियम में तोड़फोड़ हुई।

उज्ज्वल चरित्र वाला व्यक्ति ही राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करेगा : डॉ. अशोक महला

भरतपुर, 13 दसंबर (एजेंसियां)। विकसित भारत की अवधारणा: भारत केन्द्रित वैश्विक दृष्टिकोण विषय पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ एवं महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में देश-विदेश के विषय-विशेषज्ञों द्वारा विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु हाइब्रिड मोड़ पर अनेक पत्र-वाचन किए गए। इस अवसर पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश महामंत्री डॉ. अशोक महला ने कहा कि विश्व में धर्म एक ही है, जिसमें सभी को आश्रय मिल सकता है।संसार भर में प्रचलित विभिन्न पंथों, जीवन जीने के विभिन्न तरीकों, विभिन्न भाषाओं और खान-पान को अपनाने की अनुमति देने वाला विचार ही हिन्दुत्व का विचार है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भारतीय अवधारणा पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों को अपने साथ रहने और सहने की अनुमति देती है। उन्होंने

कहा कि उज्ज्वल चरित्र वाला ही राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करेगा।

आयोजन सचिव डॉ मुकेश कुमार ने द्वि दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की विस्तृत जानकारी देते हुए इससे होने वाले लाभ को बताते हुए उन्होंने पर्यावरण स्वच्छता एवं जनसंख्या को लेकर भी चिंता व्यक्त की तथा चिकित्सा कला विज्ञान आदि क्षेत्रों में भारत योगदान की सराहना की। इस अवसर पर आयोजन सह सचिव एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय भरतपुर के जिला अध्यक्ष डॉ राम किशोर उपाध्याय ने कहा कि संगठन राष्ट्र हित में शिक्षा और शिक्षा हित में शिक्षक तथा शिक्षक हित में समाज की त्रिवेणी को लेकर शैक्षणिक एवं राष्ट्रहित में कार्य कर रहा है। इस अवसर पर आयोजन के सह संयोजक एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ भरतपुर के जिला सचिव डॉ राजेश सिंह ने कहा कि संगठन भारत के 29 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 14 लाख शिक्षकों के सहयोग से शैक्षणिक कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के मध्य में पोस्टर प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र मुख्य अतिथि डॉ. अशोक महला, प्राचार्य डॉ. सुनीता पाण्डे, संगोष्ठी आयोजन समिति के डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. योगेन्द्र भानु, डॉ. रामकिशोर उपाध्याय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अशोक कुमार गुप्ता द्वारा वितरित किये गए।

पोस्टर प्रतियोगिता में कला-वर्ग एवं विज्ञान वर्ग से दिवी, रचना गुर्जर, प्रियंका, पूनम, कृष्ण कुमार, तमन्ना, खुशबू, कोमल, पूजा राणा, योगिता कुमारी, निशांत, आस्था, रितु, देवव्रत, कैलाश और ईशान पुरस्कृत हुए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक सदस्यों में डॉ. अंजू पाठक, डॉ. मगन प्रसाद, डॉ. नवनीत शर्मा, सह आचार्य अशोक कुमार शर्मा सम्मिलित रहे। प्राचार्य प्रो. सुनीता पाण्डे ने संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए समापन पर आयोजन में सहायक सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन उच्च शिक्षा विभाग के लिए सभी संकाय सदस्यों को लाभदायक होगा।कार्यक्रम में संगोष्ठी-संयोजक प्रो. योगेन्द्र भानु ने बताया कि यह संगोष्ठी विकसित भारत की अवधारणा की ओर एक कदम है। यह संगोष्ठी भारतीयों के मन पर छाई कालिमा को हटाकर विकसित भारत के लक्ष्य को पाने हेतु हम सभी को प्रेरित करेगी। आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में सभी संकायों से विद्यार्थियों के द्वारा भाग लिया गया, जो विकसित भारत पाने के स्वप्न को दर्शाते हैं। अंत में जिला प्रशासन, सभी संकाय सदस्य, अतिथि-गण, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं संगोष्ठी के संचालन हेतु विभिन्न समिति सदस्यों द्वारा संगोष्ठी के आयोजन में दिए गए प्रत्येक प्रकार के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में एबीआरएसएम के सेवानिवृत्त प्रकोष्ठ के सहसंयोजक डॉ. सतीश त्रिगुणायत,आनंद बीएड कॉलेज के डॉ. सुरेंद्र सिंह सिनसिनवार , डॉ. रेखा देवी, डीग कॉलेज के प्राचार्य डॉ.दिलीप सिंह, उच्चैन महाविद्यालय के डॉ. शिवेंद्र व्यास,प्रो. संतोष गुप्ता, प्रो. शिल्पी दीप माथुर, प्रो. अंजू तंवर, प्रो. अशोक कुमार गोयल, प्रो. महेश कुमार गुप्ता,प्रो.लालाशंकर गयावाल, प्रो. कमलेश, प्रो. हेमन्त महावर, प्रो. रविन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. जैनेन्द्र कुमार गुप्ता, सह आचार्य अरविन्द सिंह, डॉ. डिम्पल जायसवाल, डॉ. सुमन गोयल, डॉ. अंजना शर्मा, डॉ. बालकृष्ण शर्मा, डॉ. सुनयना सिंह, डॉ. देशमुख, डॉ. महेन्द्र सिंह लोधा, विष्णु चन्द गौड़,डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. रविन्द्र सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, कविता वर्मा आदि संकाय सदस्य एवं भारी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपिका सिंह एवं डॉ. शशिकांत भारद्वाज ने किया।

कृष्णा मैरिज गार्डन संचालक पर जानलेवा हमला : 10,000 रुपए का इनामी बदमाश विजय उर्फ मिंटू गिरफ्तार

झुंझुनूं, 13 दसंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले की सिंघाना पुलिस ने कृष्णा मैरिज गार्डन के संचालक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 10,000 के इनामी बदमाश विजय उर्फ मिंटू को ईश्कपुरा की पहाड़ियों से गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशानुसार की गई। आरोपी मिंटू के खिलाफ पहले से ही 6 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। एसपी उपाध्याय ने बताया कि घटना 30 नवंबर 2025 की रात करीब डेढ़ बजे की है। परिवादी संजीव सैनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जब वे कृष्णा मैरिज गार्डन का गेट बंद कर रहे थे, तभी आकाश अग्रवाल, बिजू मावर, मोहन गुर्जर सहित 5-6 अन्य व्यक्ति लाठी और सरिया लेकर अचानक गार्डन में घुस आए। इन लोगों ने जान से मारने की नीयत से उसके ताऊ गार्डन संचालक महेंद्र सिंह सैनी पर हमला कर दिया। हमले में महेंद्र सिंह सैनी के सिर, हाथ-पैरों और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें बचाने आए प्रदीप पुत्र बेलम सिंह को भी चोटें आई हैं। महेंद्र सिंह सैनी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जयपुर रेफर किया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी सुगन सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 02 दिसंबर को ही 5 आरोपियों बिरजूराम, बृजमोहन उर्फ मोहन, सचिन, अभिषेक और बलवंत को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया था। इसके बाद फरार चल रहे नामजद मुलजिमों आकाश गुप्ता और विजय उर्फ मिंटू पर इनाम घोषित किया गया।

टीम ने खेतड़ीनगर, गुढ़ा, चिड़ावा सहित कई संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी। आखिरकार शुक्रवार 12 दिसंबर को 10,000 के इनामी आरोपी विजय उर्फ मिंटू पुत्र लीलाराम (23) निवासी ईश्कपुरा को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश अभी भी जारी है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आयुर्वेद महोत्सव 2025 का आयोजन समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा : डॉ ऋषभ दीक्षित

बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों के बीच आयुर्वेद सबसे प्रभावी और भरोसेमंद चिकित्सा पद्धति बनकर उभरी है : आचार्य मनीष पंचकूला में आयुर्वेद महोत्सव 2025 बना जन आकर्षण का केंद्र, दूसरे दिन भी उमड़ी भारी भीड़ पंचकूला। सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित आयुर्वेद महोत्सव 2025 के दूसरे दिन भी आम जनता की भारी भीड़ देखने को मिली। लोग बड़ी संख्या में आयुर्वेद से संबंधित जानकारी लेने पहुंचे और प्रदर्शनी में लगे स्टॉलों से आयुर्वेदिक उत्पाद खरीदते नजर आए। महोत्सव में लोगों के बीच आयुर्वेद के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता देखने को

मिली।महोत्सव के दूसरे दिन भाजपा पंचकूला के पूर्व विधायक ज्ञानचंद गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने पंचकूला में इस प्रकार की आयुर्वेदिक प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए महोत्सव के संचालकों को बधाई दी और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार में उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में आचार्य मनीष भी मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि ज्ञानचंद गुप्ता, आचार्य मनीष, भाजपा नेत्री रंजीता मेहता और ओमप्रकाश देवी नगर द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात महोत्सव के संचालकों ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।आचार्य मनीष ने प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और आयुर्वेदिक दवाइयां एवं उत्पाद बेचने वाले संस्थानों से उनके उत्पादों के लाभ, उपयोग और सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एक विशेष सत्र भी दिया, जिसमें आयुर्वेद के फायदे बताते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों के बीच आयुर्वेद सबसे प्रभावी और भरोसेमंद चिकित्सा पद्धति बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य आयुर्वेद का ही है।इस दौरान स्वदेशी जागरण मंच के उत्तर क्षेत्र संयोजक राजेश गोयल भी महोत्सव में पहुंचे। उन्होंने आयुर्वेदिक उत्पादों के बारे में जानकारी ली और स्वदेशी अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला।महोत्सव के आयोजक डॉ ऋषभ दीक्षित ने बताया कि यह आयोजन समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। उनके अनुसार देशभर से आए विशेषज्ञ अपने शोध, अनुभव और आधुनिक दृष्टिकोण साझा कर रहे हैं, जिससे आयुर्वेद का वैज्ञानिक आधार और भी मजबूत होगा।कार्यक्रम में प्रमुख विशेषज्ञों के रूप में अजीत पाल सिंह, संचित शर्मा, तरनजीत सिंह भरना, रामपाल सोमानी और हितेश जानी उपस्थित रहे। इन विशेषज्ञों ने आयुर्वेद की आधुनिक दिशा, तकनीकी उन्नति और वैश्विक संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई।महोत्सव के सफल संचालन में आयोजन टीम का विशेष योगदान रहा, जिसमें ऋषभ दीक्षित, जय सोनी, मन्या दीक्षित, योगिता भाटी और सिद्धि मिश्रा शामिल रहे। उनकी योजनाबद्ध कार्यशैली और बेहतर समन्वय के चलते महोत्सव का आयोजन पहले दिन से ही सुव्यवस्थित और प्रभावशाली रहा।

डिजिटल एवं आधुनिक तकनीक से बेहतर होगा प्रचार-प्रसार

सूचना विभाग सरकार और जनता के बीच विश्वास का सशक्त सेतु

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक विशाल सिंह की अध्यक्षता में सूचना निदेशालय में जनपदीय एवं मुख्यालय के अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। निदेशक सूचना ने विभाग की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने, कार्यप्रणाली में एकरूपता तथा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को और प्रभावी एवं तथ्यपरक ढंग से जनमानस तक पहुँचाने के निर्देश दिये।

निदेशक सूचना विशाल सिंह ने कहा कि सूचना विभाग सरकार और जनता के बीच विश्वास का सशक्त सेतु है। सरकार की नीतियों, योजनाओं और विकास कार्यों को सरल, स्पष्ट, तथ्यपरक और समयबद्ध ढंग से जनता तक पहुँचाना सूचना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नकारात्मक एवं भ्रामक खबरों पर सतत् निगरानी रखते हुए तथ्यों के साथ प्रभावी एवं संतुलित प्रतिक्रिया देना आज के समय की अनिवार्य आवश्यकता है।निदेशक सूचना ने कहा कि सूचना विभाग को ऊर्जा,आत्मविश्वास और नेतृत्वकारी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

अधिकारी अपने-अपने जनपदों में सजग होकर पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और समर्पण के साथ कार्य करते हुए सरकार के विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजन-ाओं को प्रभावी रूप से जनमानस के समक्ष प्रस्तुत करें। प्रचार-प्रसार के माध्यमों का उपयोग करते हुए एवं आधुनिक तकनीक अपनाकर व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये। विगत 8 वर्षों में जनपदों में प्रदेश सरकार द्वारा कराये गये विकास कार्यो की सही जानकारी लोगों तक पहुंचायी जाय, जिससे लोगों में सरकार के नीतियों के प्रति किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति न रहे।अपर निदेशक अरविन्द कुमार मिश्र ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जनपदों में किये जा रहे विकास कार्यों, योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित सक्सेज स्टोरी, लेख आदि के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जाय। जनपदीय कार्यालयों को और सुव्यवस्थित एवं सुदृढ़ किया जायेगा, जिससे कार्य करने में कोई असुविधा न हो।

अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप लोग पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करें। आम जनमानस को सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक मिल सके। वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी संजय कुमार सिंह ने बजट एवं वित्तीय प्रा-वधानों एवं नियमों की जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में सहायक निदेशक चन्द्र मोहन द्वारा उपस्थित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

इस अवसर पर सहायक निदेशक अनुराग प्रसाद, सतीश चन्द्र भारती, जितेन्द्र प्रताप सिंह, चन्द्र विजय वर्मा, अमित यादव उपस्थित रहे।

भाजपा नेता साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा विपक्ष घुसपैठियों के पक्ष में है

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता साध्वी निरंजन ज्योति ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि विपक्ष घुसपैठियों के पक्ष में खड़ा है। साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि भारत के संसाधन पर यहां के नागरिकों का अधिकार है। घुसपैठिए इस अधिकार को छीनते रहे हैं, विपक्ष बताए कि वे घुसपैठिए के पक्ष में हैं या फिर उनके खिलाफ हैं। भाजपा नेता का यह बयान उस वक्त आया है जब वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी 14 दिसंबर को दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में विशाल रैली करने जा रही है। इस रैली में इंडी अलायंस में शामिल राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

इस रैली को लेकर भाजपा नेता साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि वे एसआईआर लेकर आरोप लगा रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ उनके अपने कार्यकर्ता इसमें हिस्सा ले रहे हैं। यह वैसा ही है जैसे कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने लोगों से वैक्सीन न लेने को कहा था, फिर भी वे खुद इसे लगवाने के लिए लाइन में खड़े थे। मैं बस इतना कहूंगी कि विपक्ष को यह साफ करना चाहिए कि वे घुसपैठियों के साथ हैं या उनके खिलाफ।

यूपी प्रदेश अध्यक्ष चुनाव को लेकर भाजपा नेता साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि मैं संगठन पर्व में हिस्सा लेने आई हूं, और मुझे बहुत खुशी है कि पार्टी संवैधानिक तरीके से चुनाव करवाती है। मैं उस उत्सव में हिस्सा लेने आई हूं। उन्होंने कहा कि संगठन तय करता है कि क्या करना है। संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया चल रही है। मैं संगठनात्मक चुनावों में हिस्सा लेने आई हूं। मैं एक पार्टी कार्यकर्ता और पार्टी की सिपाही हूं।

भाजपा नेता अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने खुद को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के तौर पर मजबूती से स्थापित कर लिया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में, नोटिस बोर्ड पर चुनाव का नोटिस लगने के बाद प्रदेश में नए अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

योगी सरकार का किसानों की 'आर्थिक समृद्धि' पर जोर

धान किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार का अन्नदाता किसानों की 'आर्थिक समृद्धि' पर विशेष जोर है। योगी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बिक्री के लिए 4645 क्रय केंद्र स्थापित कर सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, वहीं डीबीटी के माध्यम से किसानों को सीधे अकाउंट में पैसे भी भेज रही है। 3.15 लाख से अधिक किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। इसके एवज में किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान भी किया जा चुका है। बाजरा बिक्री करने वाले 35 हजार से अधिक किसानों को 421.39 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश में 'श्रीअन्न' की खरीद पहली अक्टूबर से हो रही है। पहली अक्टूबर से पश्चिम उत्तर प्रदेश व पहली नवंबर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान खरीद हो रही है।योगी सरकार साल दर साल अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में 13 दिसंबर तक 6.70 लाख किसानों ने धान बिक्री के लिए पंजीकरण कराया था, जबकि 2025-26 में अब तक यह आंकड़ा 7.83 लाख से अधिक है। बाजरा बिक्री के लिए पिछले वर्ष इस अवधि तक 21630 किसानों का पंजीकरण हुआ था, जो इस वर्ष में 80 हजार से अधिक हो गया है। वहीं ज्वार व मक्का में भी पंजीकरण बढ़ गया। ज्वार बिक्री के लिए पिछले साल 12 हजार किसानों ने पंजीकरण कराया था, इस साल 16 हजार से अधिक किसानों का पंजीकरण हो चुका है। बाजरा खरीद 33 व ज्वार खरीद 11 जनपदों में हो रही है।खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धान की बिक्री, किसानों को भुगतान, क्रय केंद्र की व्यवस्था आदि को लेकर निरंतर समीक्षा बैठक कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में 2027 में 2017 से बड़ी विजय मिलेगी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया है कि भाजपा के कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी को हराने के लिए उत्साहित हैं और 2017 से बड़ी जीत 2027 में मिलने वाली है। डिप्टी सीएम का यह बयान उस वक्त आया है जब भाजपा प्रदेश के लिए अपना नया अध्यक्ष चुनने वाली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है और 14 दिसंबर को चुनाव होगा।उन्होंने कहा कि भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में हम 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। जैसे हमने बिहार में जीत हासिल की, वैसे ही हम उत्तर प्रदेश में भी जीतेंगे, और हमें पूरा भरोसा है कि हम 2027 में 2017 से भी बड़ी जीत हासिल करेंगे।एसआईआर की तारीख बढ़ाए जाने पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चुनाव आयोग जो भी फैसला लेता है, वह संवैधानिक आदेश है। एक राजनीतिक पार्टी के तौर पर भारतीय जनता पार्टी इसका स्वागत करती है और हमारे कार्यकर्ता दिन-रात बिना थके काम कर रहे हैं।केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है। इस मायने में उसके सामने कांग्रेस व सपा समेत बाकी परिवारवादी पिछलग्गू दल कहीं नहीं ठहरते हैं। उत्तर प्रदेश में 2017 की जीत केवल एक ट्रेलर थी, 2027 में जनता के आशीर्वाद और देवतुल्य कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से उससे भी बड़ी विजय तय है। प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में गरीब कल्याण और विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश का संकल्प अडिग है। 14 दिसंबर को प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के साथ संगठन पर्व के पूर्ण होने पर, नया नेतृत्व और भाजपा का हर एक कार्यकर्ता बिहार की तरह यूपी में भी कमल खिलाने को पूरी तरह तैयार है।

भाजपा नेता आनंद द्विवेदी ने कहा कि यहां चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होते हैं। नॉमिनेशन के बाद वेरीफाई किए जाएंगे और जांच प्रक्रिया के बाद चुनाव के आगे के कदम उठाए जाएंगे।

घने कोहरे से दो अलग-अलग स्थानों पर टकराए कई वाहन

ग्रेटर नोएडा, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। शनिवार सुबह ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर घने कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। दृश्यता बेहद कम होने की वजह से हाईवे पर चल रहे वाहन एक-दूसरे को समय रहते नहीं देख सके, जिसके चलते दो अलग-अलग स्थानों पर कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला हादसा थाना दादरी क्षेत्र के चक्रसेनपुर फ्लाईओवर पर हुआ, जहां घने कोहरे के बीच तीन वाहन आपस में भिड़ गए। वहीं, दूसरा और अधिक गंभीर हादसा समाधीपुर फ्लाईओवर पर हुआ, जहां लगभग एक दर्जन से अधिक वाहन एक के बाद एक टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में महिला सहित कई लोगों के घायल होने की सूचना है, जिन्हें तत्काल एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और टोल प्लाजा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए क्षतिग्रस्त वाहनों को टोल मैनेजमेंट की क्रेन की मदद से हाईवे से किनारे कराया। साथ ही यातायात को नियंत्रित कर धीरे-धीरे जाम खुलवाने का प्रयास किया गया।

पुलिसकर्मियों ने यात्रियों से संयम बरतने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील भी की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दिनांक 13 दिसंबर 2025 को घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी, जिसके चलते ये सड़क दुर्घटनाएं हुईं। राहत की बात यह रही कि इन हादसों में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। घटना के बाद कुछ समय के लिए ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के चलते बाद में यातायात को सामान्य रूप से संचालित कर दिया गया।फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि घने कोहरे के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें, कम गति में वाहन चलाएं, फॉग लाइट का प्रयोग करें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

अखिलेश के बैलट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर ओपी राजभर का तंज, पहले सपा के सांसद-विधायक इस्तीफा दें

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बैलट पेपर से चुनाव कराने की वकालत की थी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने शनिवार को इस पर निशाना साधा। सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, उनके जितने भी विधायक और सांसद हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। जब उनकी पार्टी के लोग जीत जाते हैं, तो मशीन और ईवीएम सही होती है, लेकिन जब हार जाते हैं, तो उसमें गड़बड़ी दिखने लगती है। अगर वे बैलट पेपर से चुनाव चाहते हैं, तो पहले उनकी पार्टी के जितने विधायक और सांसद जीते हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उसके बाद उन्हें जनता को बताना चाहिए कि हम लोग गलती से जीत गए हैं। ईवीएम ने गलती की और जीत गए। जब तक बैलट पेपर से चुनाव नहीं होगा, तब तक हम नहीं लड़ेंगे। उन्होंने मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया की समयसीमा बढ़ाने पर कहा, सभी पार्टियां मांग कर रही थीं कि एसआईआर प्रक्रिया की समयसीमा बढ़ाई जाए। उनका कहना भी ठीक था, क्योंकि 10 नवंबर से 4 दिसंबर की तारीख आई, तो उस समय फसल की कटाई और बुवाई में किसान व्यस्त थे। बहुत से लोग उसमें रुचि नहीं ले पाए थे। ऐसे में यह चुनाव आयोग का एक अच्छा कदम है।

राजभर ने उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव को लेकर कहा, जो राजनीतिक पार्टियां चुनाव के लिए रजिस्टर्ड होती हैं, वे कुछ नियमों और कानूनों का पालन करती हैं। इसी सिलसिले में भाजपा अपने अंदरूनी चुनाव करवा रही है। वे किसे चुनते हैं, यह उनका फैसला है; हमारी शुभकामनाओं या सुझावों का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। वे अपनी प्रक्रियाएं का पालन कर रहे हैं।

संसद पर आतंकी हमले की 24वीं बरसी पर मंत्री ओपी राजभर ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी और संगठन की ओर से हम उन शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने आतंकी हमले में अपनी जान गंवाई। यह एक दुखद घटना थी जो कभी नहीं होनी चाहिए थी।

जनता सपा की गुंडागर्दी को नहीं भूलेगी, 2027 में फिर बनेगी भाजपा की सरकार : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया है कि भाजपा प्रदेश में एक बार फिर भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। डिप्टी सीएम का यह बयान उस वक्त आया है, जब प्रदेश में नए अध्यक्ष के नामांकन प्रक्रिया चल रही है। बहुत जल्द भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। भाजपा नए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। लखनऊ में मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि यह प्रक्रिया चल रही है। नॉमिनेशन के बाद आप देखेंगे कि भाजपा इस देश की एकमात्र पार्टी है जहां हमारे सभी कार्यकर्ता नियमों के अनुसार काम करते हैं। हम भारत के संविधान और भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइंस के अनुसार पूरी प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं, जैसा कि एक राजनीतिक पार्टी को करना चाहिए। पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी हो गई है और उसके बाद ही यह साफ होगा कि उम्मीदवार कौन हैं।

साल 2027 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि 2027 में भाजपा सरकार भारी बहुमत से बनेगी क्योंकि उत्तर प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की गुंडागर्दी और अराजकता को कभी नहीं भूलेगी।

भाजपा नेता जेपीएस राठौर ने कहा कि यह भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण मौका है, क्योंकि सालों की मेहनत के बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चुना जाता है और वह हमेशा वही होता है जिसे पार्टी कार्यकर्ता चाहते हैं।

राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि हमारी पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती है। चाहे वह राष्ट्रीय अध्यक्ष हों, प्रदेश अध्यक्ष हों, जिला अध्यक्ष हों, महानगर अध्यक्ष हों या ब्लॉक अध्यक्ष हों, सब कुछ साफ और पारदर्शी माहौल में होता है। नए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में हम 2027 का चुनाव लड़ेंगे और ऐतिहासिक जीत हासिल करेंगे।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो अपने कार्यकर्ताओं की ताकत से चलती है। नॉमिनेशन की प्रक्रिया एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है जहां परिवार या वंशवाद की बातों से ऊपर उठकर योग्यता और समर्पण मायने रखते हैं। भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो लोगों के बीच लोकप्रिय हो, जिसने पार्टी के लिए बिना थके काम किया हो।

राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद ने कहा कि निश्चित रूप से नॉमिनेशन भरे जाएंगे और नामों का खुलासा होगा। सभी पार्टी कार्यकर्ता खुशी से नाच-गाकर जश्न मनाएंगे। चुनाव के त्योहार के दौरान नॉमिनेशन भरने वाला हर कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा से जुड़ा होता है, उसके सिद्धांतों को मानता है और जनता से जुड़ा होता है।

एसआईआर की प्रक्रिया में जुटे अधिकारियों पर बनाया जा रहा है दबाव : यादव

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने शनिवार को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तिथि आगे बढ़ाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस बातचीत में दावा किया कि एसआईआर की प्रक्रिया में जुटे अधिकारियों पर मंत्रियों की तरफ से दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। ऐसा करके मंत्री अपने मन मुताबिक कुछ करवाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में संलिप्त अधिकारियों पर इस तरह का दबाव बनाया जा रहा है कि वो अब इसे आगे बढ़ाने की स्थिति में नहीं हैं। सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यहां पर डिप्टी सीएम आते हैं और दूसरे मंत्री भी आते हैं। यह लोग मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण पर बाकायदा बैठकें करते हैं। ऐसा करके यह लोग पूरी स्थिति को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं और जब इस संबंध में मीडिया की तरफ से सवाल किया जाता है, तो ये लोग मौन साध लेते हैं। कहते हैं कि हम लोग तो सिर्फ पार्टी के संबंध में फैसले ले रहे हैं। कार्यकर्ताओं को कुछ निर्देश दे रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि ये लोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा कर रहे हैं। ये लोग कुछ गड़बड़ करने का प्लान बना रह रहे हैं, लेकिन हमारी पार्टी के कार्यकर्ता सभी बूथों पर तैनात हैं, वो कुछ भी ऐसा नहीं होने देंगे, जिससे आगे चलकर स्थिति चुनौतीपूर्ण हो।

उन्होंने कहा कि ये लोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की आड़ में पूरी राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी हमेशा से ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करती हुई आई है और आगे भी करती रहेगी। हम किसी भी प्रकार की अलोकतांत्रिक स्थिति स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

समाजवादी पार्टी के नेता ने दावा किया कि मौजूदा समय में देश में आपातकाल घोषित है। किसी को भी शासन की आलोचना करने का हक नहीं है। अगर कोई गलती से भी शासन की आलोचना करता हुआ पाया जाता है, तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाती है। उसकी आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है। इन सभी स्थिति से यह साफ जाहिर होता है कि मौजूदा समय में देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति बनी हुई है।वहीं, कफ सिरप प्रकरण पर सपा नेता ने कहा कि असली आरोपी अभी-भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। उसके खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो सकती है, क्योंकि हर कोई जानता है कि वो लोग किनके लिए काम कर रहे थे, किनके लिए कमा रहे थे।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार की पहल

कौशल विकास केंद्रों का निरीक्षण, प्रशिक्षण गुणवत्ता पर जोर

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल द्वारा प्रदेश के सभी कौशल विकास केंद्रों के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अधिकारियों द्वारा विभिन्न जनपदों में प्रशिक्षण केंद्रों का क्षेत्रीय भ्रमण कर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति, गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है।मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण केंद्रों, सिद्धार्थनगर एवं बलरामपुर का क्षेत्रीय भ्रमण किया । इस दौरान मिशन की टीम उपस्थित रही। भ्रमण का उद्देश्य केंद्रों पर संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा, नए बैचों की प्रारंभिक स्थिति का आकलन तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करना था।

निरीक्षण के दौरान अपर मिशन निदेशक ने प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण अनुभवों की जानकारी ली, फीडबैक प्राप्त किया तथा उन्हें रोजगार के उपलब्ध अवसरों, भविष्य की करियर संभावनाओं एवं मिशन की आगामी प्रशिक्षण योजनाओं के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। ट्रेनिंग पार्टनर्स, सेंटर मैनेजर एवं एमआईएस मैनेजर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के सहायक निदेशक आशीष कुमार द्वारा प्रशिक्षण केंद्रों, बहराइच एवं श्रावस्ती का क्षेत्रीय भ्रमण किया गया। उनके साथ संबंधित मिशन टीम उपस्थित रही। प्रशिक्षण केंद्रों में स्थापित लैब, उपकरणों एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया गया।

सहायक निदेशक ने प्रशिक्षार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, सीखने की प्रक्रिया एवं प्राप्त फीडबैक की जानकारी ली तथा उन्हें रोजगार, करियर संभावनाओं एवं आगामी प्रशिक्षण योजनाओं से अवगत कराया।

इन कारणों से फैसला नहीं ले पाते

फैसला छोटा हो या बड़ा। हमारा हर फैसला हमारे जीवन को प्रभावित करता है। फिर चाहे वह कॅरिअर सम्बंधी हो या विवाह सम्बंधी। किस स्कूल में जाना है से लेकर मिली नौकरी, मौजूदा नौकरी से बेहतर है या नहीं। इस तरह के सैकड़ों फैसले हमें करने होते हैं। जो लोग आत्मविश्वास से भरे होते हैं, उन्हें इस तरह के फैसलों में अटकन महसूस नहीं होती। अटकन उन्हें होती है जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। दरअसल हम अकसर कुछ खोने से या हारने से डरते हैं। हमें हर जगह का लोभ होता है, हर जगह की चाह होती है। जबकि हमें इस तथ्य को स्वीकारना चाहिए कि जीवन के हर मोड़ पर विकल्प होते हैं और उन्हीं में से बेहतर को हमें चुनना होता है। कई बार लिए हुए फैसले के चलते कुछ खोना भी पड़ सकता है। कुछ हारों का सामना भी करना होता है। आखिर जीवन इसी का नाम है। ऐसे में भला कुछ खोने से या हारने से डर कैसा। जरूरी है कि मजबूत इरादा रखें और विकल्पों में बेहतर विकल्प को चुनने में सामर्थ्य बनें।

कमजोर विकास

इस दौड़ भाग भरी जिंदगी में कमजोरी की जगह ही नहीं बनी है। बावजूद इसके सबमें कुछ न कुछ कमजोरियां हैं, खामियां हैं। हम अपनी कमजोरियों से भाग नहीं सकते। जरूरी यह है कि हम उसका सामना करें। अब जरा सोचें कि आपको अपने लिए भावुक या व्यवहारिक पार्टनर में किसी एक को चुनना है तो आप क्या करेंगे? ऐसी स्थिति में अकसर लोग एक ही व्यक्ति में पूरा पैकेज तलाशने की कोशिश करते हैं। लेकिन माफ कीजिएगा! कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। पूर्णता की हमारी चाहत हमें अकसर कमजोर विकास की ओर धकेल देती है। परिणामस्वरूप हम इस तरह के फैसले लेने में न सिर्फ असमंजस में पड़ जाते हैं बल्कि दूसरे विकल्प को खोने से आहत भी महसूस करते हैं।

खोए हुए के लिए अफसोस

आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि जो चीज हमें नहीं मिलती, वही बेहतर लगती है। ...और चूंकि वह चीज नहीं मिली है, उसके लिए अफसोस के गर्त में चले जाते हैं। मिली हुई चीज की कद्र नहीं होती। हकीकत यह है जिंदगी में हुए बदलावों को हम आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते। जबकि बदलाव हमेशा सकारात्मक होते हैं। कहा भी जाता है कि परिवर्तन एकमात्र स्थिर है। बाकी सब अस्थिर होता है। बहरहाल जीवन में हुए बदलावों के चलते हम फैसले लेने में हिचक महसूस करने लगते हैं। अपना मूल्यांकन करने लगते हैं। जबकि अपना आलोचक होना नकारात्मकता की निशानी है।

महिलाओं के लिए स्वस्थ रहने के टिप्स

परंपरागत रूप से स्त्रियों का स्वास्थ्य एक उपेक्षित मुद्दा रहा है, विशेषकर भारत में। औरतें एक बहन, मां और पत्नी के तौर पर अपने पारिवारिक सदस्यों की देखभाल करती हैं, लेकिन अब यह स्थिति बदल रही है। अब लोगों में पहले से अधिक जागरुकता है।

आज औरतें भी अपने स्वास्थ्य की समस्याओं के प्रति जागरूक हो चुकी हैं, जोकि बेहद जरूरी भी है। तो चलिये जानें कि महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। खुद के स्वास्थ्य को संभालते हुए एक परिवार में औरतों की भूमिका औरतें, पुरुषों के मुकाबले स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में अधिक लचर रहती हैं। फिर चाहे खुद के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो या अपने परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य का ख्याल रखना हो, या एक नियमित अंतराल पर निरीक्षण के लिए चिकित्सक के पास जाना हो या फिर सही खुराक और दवा उपचार का अनुसरण करना हो। आज के युग में औरतों को अपने घर और बाहर, दोनों जगह कई काम निपटाने होते हैं, जिसके कारण उनके ऊपर अत्यधिक तनाव का बोझ रहता है। हर दिन के तनाव के अलावा, औरतों का शरीर गर्भावस्था, प्रसव और मेनोपॉज जैसे बदलावों से भी होकर गुजरता है। शरीर में आये इन सारे बदलावों की वजह से एक स्त्री का शरीर कमजोर बन जाता है और उसके व्यवहार में भी कई बदलाव आते हैं। ब्रेस्ट कैंसर, सर्विकल कैंसर, ह्रदय रोग और प्रजनन तंत्र संबंधी बीमारियों से भी औरतों को जूझना पड़ सकता है।

महिलाएं और हार्मोन

महिलाएं अपने जीवन में ऐसे अनेक चरणों से होकर गुजरती है, जहां पर वह अपने शरीर में प्राकृतिक तौर पर होने वाले हार्मोनल बदलावों का अनुभव करती हैं। हार्मोनल बदलाव यौवन, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान उत्पन्न होते हैं, जिसके कारण महिलाओं में मूड बदलना और अवसाद जैसी मानसिक परेशानियों हो सकती हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि स्त्रियों को उसके जीवन में प्राकृतिक रूप से विभिन्न चरणों में आने वाले हार्मोनल बदलावों के बारे में पहले से ही जानकारी हो, जिससे कि उसे इन चरणों का बेहतर ढंग से सामना करने में मदद मिले।

प्यूबर्टी (यौवन) के चरण

प्यूबर्टी (यौवन) के चरण के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव धीरे-धीरे उत्पन्न होते हैं, इन बदलावों का महिला के शरीर पर साकार और स्थाई परिणाम नजर आते हैं। जीवन के इस बिंदु पर होने वाले बदलाव ब्रेस्ट का विकास, निजी स्थानों में बालों का विकास और कद का विकास आदि के रूप में नजर आते हैं। मासिक धर्म की प्रक्रिया भी इसी चरम में आरम्भ होती है। शरीर में उत्पन्न होने वाले बदलाव करीब तीन से चार वर्षों की अवधि तक नजर आते हैं और इस दौरान एक कन्या अनेक परिवर्तनशील मनोभावों से होकर गुजरती है। एक कन्या को अपने लगातार बदलते शरीर रूबरू होना पड़ता है, वह खुद के लिंगभेद के बारे में सचेत हो जाती है। साथ ही फर्टिलिटी के उत्पन्न होने की वजह से कन्या मानसिक रूप से बेहद संवेदनशील और चकित हो जाती है। इस चरण में पीयूष ग्रंथि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह शरीर और प्रजनन संबंधी अंगों के विकास के लिए शरीर में हार्मोनों के निर्माण में मदद करती है।

चाय और कॉफी पीने से पीले होते हैं दांत...

एक दमकमती मुस्कुराहट आपकी खूबसूरती को चार चांद लगा देती है। और एक स्वस्थ मुस्कुराहट के लिए जरूरी है, स्वस्थ और चमकते दांत। लेकिन, चाय और कॉफी का सेवन आपके दांतों पर पीलेपन की परत चढ़ा देता है। आइए जानें कैसे आप अपने चाय और कॉफी के शौक के साथ चमचमाते दांत भी पा सकते हैं।

चाय कॉफी के बिना रहना मुश्किल

आप चाय या कॉफी के बिना नहीं रह सकते। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक आप दिन में कई बार चाय और कॉफी का सेवन करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जो चाय अथवा कॉफी आप अपनी थकान उतारने के मकसद से लेते हैं, उसका आपके दांतों पर कितना बुरा असर पड़ता है। चाय और कॉफी में टॅन्निक एसिट होता है। यह एसिड गाढ़ा रंग बनाने में उपयोग होता है। यह एसिड दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचाकर दांतों को भूरा रंग दे सकता है।

चाय पीने के बाद करें दांतों को साफ

मुश्किल यह है कि आप चाय और कॉफी का सेवन छोड़ नहीं सकते। इसके बिना शायद आपका काम करना भी मुहाल हो जाये, लेकिन दांतों पर इसका असर कम करने के प्रयास तो किये ही जा सकते हैं। सबसे पहले आप यह कीजिये कि चाय और कॉफी पीने के बाद अपने दांतों को साफ कीजिये। अगर आप आइस कॉफी या टी पीना पसंद करते हैं, तो अच्छा रहेगा कि इनके सेवन के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल करें। इससे चाय मुंह के अगले दांतों को नहीं छुएगी। हां इससे आपके पिछले दांत तो पीले हो सकते हैं, लेकिन आगे के दांत चमकते रहेंगे। अगर फिर भी आपके दांतों का पीलापन दूर नहीं होता है, तो आप डॉक्टर की मदद ले सकते हैं।

बिना जिम के कैसे रखें खुद को फिट ?

देखा जाए तो सभी का शरीर अच्छा ही होता है। केवल आपको अपने शरीर को जानकार उसे स्वस्थ रखना है। जब मानसिक स्थिरता रहेगी तब शरीर स्वस्थ रहेगा और तभी आप बनेंगे फिट। अब फिट बनना आसान हो गया है। हर गली नुक्कड़ पर जिम खुले हैं। लेकिन शमय की सम्सया रहती है। ऐसे में घर, दफ्तर में भी आप कुछ व्यायाम करके रह सकते है।

व्यायाम

सबसे पहले चलना, फिर जॉगिंग करते हुए सुबह के व्यायाम शुरू करना चाहिए। अगर आपको समय ही नहीं मिलता तो नौकरी पर जाते आते समय ऑटोरिक्सा करने से बेहतर थोड़ा चलना भी लाभकर साबित होता है। किसी भी जगह 1 घंटे के ऊपर ना बैठे। बीच बीच में थोड़ा चलना आवस्यक है। चलने फिरने के अलावा आप योगा भी कही पर भी कर सकते है। कुछ गीने चुने आसन को छोड़ कई ऐसे योग है जो आप घर, सफर, दफ्तर कही पर भी कर सकते है। खास कर के प्राणायाम, अवलोम विलोम इनसे आपको ताजगी महसूस होने लगेगी। जब भी कोई व्यायाम आप करे तो शारीर के उस भाग पर पड़ने वाले दाब को अच्छे से महसूस करे।

खान पान

शारीरिक और मानसिक संतुलन खान पान से शुरू होता है। सब से पहले तो आपको 12 से 15 ग्लास लिक्विड पुरे दिन भर में लेना चाहिए। इसमें पानी, फल का रस, छाछ, ग्रीन टी और सूप जैसे हेल्दी ड्रिंक्स ले सकते है। जो खाना आपको बहुत पसंद है मगर डायट के मुताबिक न हो, उससे आप मोटे हो सकते है। तो वो खाना आप नास्ते में नहीं खा सकते है। जैसे की चावल, आलू की सब्जियां न खाए। इससे आप मोटे हो सकते है। अंकुरित दाने, और फ्रुट्स खाए। मधुमेह हो तो ब्राउन राईस / लापसी, दलीय का इस्तमाल करे।

खुशनुमा स्वभाव बीमारियों को रखें दूर

आए दिन बीमारियां बढ़ रही है। ऐसा कोई इंसान नहीं जिसे किसी बिमारी ने गले नहीं लगाया होगा। पहले जमाने में बहुत कम बीमारियां होती थी। मधुमेह और हायपर टेंशन जैसे बीमारियां तब केवल अमीर लोगो को होती थी। उस समय लोगो की उम्र भी अधिक और तंदरुस्त रहती थी। अब ऐसा क्या हुआ है, जिस कारण लोग हर कोई बीमारियों के चपेट में आ रहा है। जब्कि आज के जमाने में सारी सुविधाए मौजूद है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों पर इलाज है। दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक हो जाऐ, लेकिन अगर आपको बीमारियों से दूर रहना है तो स्ट्रेस को दूर रखना होगा। अधिक बड़ी बीमारियों का कारण स्ट्रेस है, जो शरीर और मानसीक रोगों को आमंत्रण देता है।

स्ट्रेस होने का कारण? : सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि जीवन शैली बदल गई है। जीवन में दौड़ भाग बड़ गई है, यह एक बड़ी वजह है अनचाहे तरीके से स्ट्रेस धीरे धीरे बीमारी का रूप लेता है। ये उपाय करके स्ट्रेस कम किया जा सकता है। जो कि फिजियोलॉजी स्ट्रेस से जुड़ा है। स्ट्रेस यानी तनाव जो शरीर और दिमाग दोनों पर बराबर अपनी बिमारियों का जाल डालता है। तनाव से कौन सी बीमारियां होती है?

हायपरटेंशन: तनाव में रक्तचाप पर सीधा असर पड़ता है। रक्तचाप या तो बेहद कम हो सकता है, या फिर अधिक। जिससे दिल का दौरा पड़ना स्वभाविक है। हायपरटेंशन में मशतिष्क पर भी असर होता है और वहा की बेहद नाजुक नसो के फटने से ज्यादा तर खतरा होता है।

मधुमेह (डैबेटिस): जीवन में तनाव इतना बड़ गया है कि इसका असर सबके जीवन पर हो रहा है। परिणाम अधिक मीठे से नहीं बलकी ज्यादा तनाव के कारण मधुमेह बड़ गया है।

महिलाओं पर तनाव का अधिक असर: महिलाएं ज्यादा भावुक और शारीरिक रूप से पुरुषों के मुकाबले कमजोर होती है। इस लिए तनाव का असर महिलाओं पर तुरंत होता है। मेंस्ट्राल और मेनो पोझल से गुजरना पड़ता है। मेंस्ट्राल में मासिक चक्र गड़बड़ा जता है साथ में खून अधिक बहने के आसार होते है। मेनो पोझल में मासिक चक्र बंद होता है और तनाव के चलते कभी 10 से 15 दिन खून का बहाव हो सकता है। पूरी तरह बंद होने पर भी स्ट्रेस के असर इससे शुरू में निर्माण होते है।

स्ट्रेस क्यों बढ़ रहा है?: पहले जमाने में अधिक काम लोग खुद करते थे। उस वक्त तो बहुत काम रहता था क्यों कि सबके बड़े परिवार होते थे। शारीरिक मेहनत ज्यादा होती थी क्योंकि वाहन कम थे, खेतों में अधिक काम होता था। खाना पीना एकदम सादा और सेहत से भरपूर रहता था। लेकिन जैसे जैसे जमाना बदल रहा है, वैसे जीवन शैली में काफी बदलाब आए है। सारी सुविधाए होने के कारण लोगो की शारीरिक गतविधियां कम हो गई है। साथ में अधिक भाग दौड़ के कारण परिवार को वक्त नहीं दे पा रहे। काम का बोझ के चलते तनाव कुछ ज्यादा ही बड़ गया है और आज के जीवन का वह एक अंग बन गया है।

तनाव को दूर कैसे रखे?: अगर दिनचर्या पूरी टाईट है। तो कम से कम एक वक्त परिवार के साथ मिल बैठकर खाना खाऐं। छुट्टी के दिन परिवार के साथ घर का थोड़ा काम करे। गार्डेनिंग एक सबसे मजेदार काम है, इसे भी आप कर सकते है। गुस्सा जब भी आए उसे सर पर ना चढ़ने दे।

दिमाग की बज़ी

पृथ्वी घूमती है, हमें महसूस नहीं होता, क्यों?

पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है और पृथ्वी अपने अक्ष पर भी घूमती है, लेकिन इसका अनुभव हमें नहीं होता, क्योंकि वह सारा समय एक-समान गति से घूमती है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे अगर हम बस, कार या रेलगाड़ी में सफ़र कर रहे हों और वह एक-समान गति से चल रही हो और हम खिड़की में से बाहर की चीजों को न देख रहे हों, तो हमें उसकी गति अनुभव नहीं होती। जब ट्रेन की गति कम या ज्यादा होती है या जब बस/कार टूटी-फूटी सड़क पर चलती हैं, तब हमें उनके चलने का अहसास होता है।

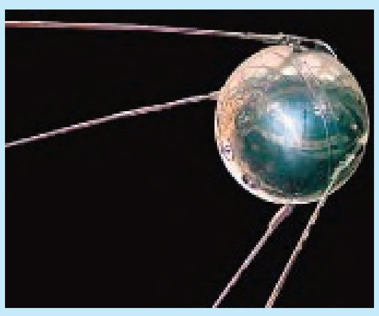

क्या आप जानते हैं?

- बिल्लियां मीठी चीजें टेस्ट नहीं कर सकतीं।
- स्नेल तीन साल तक सो सकता है।
- इंग्लैंड की सभी बतखें वहां की महारानी की संपति हैं।
- हाथी की सूंड में कोई हड्डी नहीं होती, लेकिन 40,000 मांसपेशियां होती हैं।
- श्रृंप का दिल उसके सिर में होता है।
- पांचवी मंजिल से गिरने के बाद भी चूहे को कोई चोट नहीं लगती।
- एंटईटर चींटियों की बजाय दीमक खाने को प्राथमिकता देते हैं।
- हाथी दांत का वजन 12 पाउंड तक हो सकता है।

नॉलेज बाइट

क्रिकेट का सीधा प्रसारण कैसे होता है?

प्राकृतिक उपग्रहों की मदद से ही हम दूसरे देशों के कार्यक्रम देख पाते हैं और साथ ही विभिन्न मैचों का सीधा प्रसारण भी। प्राकृतिक उपग्रह वे अंतरिक्षयान हैं, जिन्हें इंसान द्वारा बनाया गया है। ये पृथ्वी के इर्द-गिर्द घूमते हैं। बहुत-से देशों के प्राकृतिक उपग्रह अंतरिक्ष में चक्कर काट रहे हैं। ये अलग-अलग आकारों के है जैसे, गेंद, हैट बॉक्स, टिन कैंस या सिगार की डिब्बी जैसे। इनका इस्तेमाल वैज्ञानिक शोधों के लिए किया जाता है। इनमें से कुछ मौसम संबंधी जानकारी हमारे तक भेजते हैं। ये रेडियो व टीवी प्रसारणों को लंबी दूरी तक पहुंचाते है। इनमें से कुछ पृथ्वी से मात्र 1177 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, जबकि कुछ 35,500 कि.मी. से भी अधिक। संचार उपग्रहों के माध्यम से रेडियो और टैलिविजन सिग्नल एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप भेजे जाते हैं। संचार उपग्रहों में एंटीना तथा रिसीवर्स होते है। रिसीवर्स की सहायता से उपग्रह ग्राउंड स्टेशन से रेडियो और टीवी के सिग्नल प्राप्त करता है। इन प्रसारण सिग्नलों की शक्ति इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से बढ़ाई जाती है। फिर ट्रांसमीटर इन प्रसारणों को दूर स्थित ग्राउंड स्टेशनों को भेजते हैं, जो किसी अन्य महाद्वीप पर स्थित हो सकते हैं।

जन्मजात शत्रुता

नेवले में सांप पर आक्रमण करने की जन्मजात प्रवृति है। नेवले और सांप की लड़ाई में नेवले की अक्सर जीत होती है। सांप के जहर से नेवले की मौत हो सकती है, लेकिन वह इतनी चालाकी से सांप पर हमला करता है कि उसे डसने का मौका ही नहीं मिलता। अगर मौका मिल भी जाए, तो वह अपना विष दांत घुसा नहीं पाता, क्योंकि नेवला अपने शरीर के बालों को फुला कर सांप के डसने में रुकावट पैदा कर देता है, लेकिन अगर सांप नेवले को डसने में कामयाब हो जाए, तो नेवले की खैर नहीं।

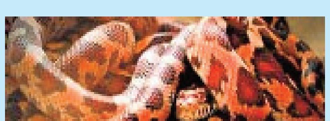

पेड़ों की अजब दुनिया

संसार में कई तरह के पेड़ पाए जाते हैं। इनमें से कुछ बहुत लंबे, तो कुछ बहुत ही छोटे आकार के हैं। कुछ पेड़ ऐसे भी हैं, जिनके प ो कई मीटर लंबे होते हैं, तो कुछ ऐसे हैं जो परभक्षी हैं। पेड़ों से संबंधित रोचक तथ्य यहां आपके लिए...

पेड़ वातावरण के लिए बहुत जरूरी हैं, पर इन्हें कीमती लकड़ी के लिए काट दिया जाता है। इनकी कटाई के कारण हवा व पानी का प्रदूषण, भूमि कटाव, मलेरिया और वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है। पेड़ों के कम होने का मतलब है कम वर्षा, कम ऑक्सीजन और ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता खतरा।

सबसे लंबे पत्ते

मैडागास्कर में एक ताड़ का पेड़ है, जिसे 'राफिया पाम' कहा जाता है। इसके पत्ते 12 मीटर से भी अधिक लंबे होते हैं और कुछ पेड़ ऐसे भी हैं, जिनके पत्ते 20 मीटर तक लंबे और दो मीटर चौड़े होते हैं। इनमें से कुछ छोटे पंखे की आकृति के पत्ते होते हैं, टालीपॉट पाम के।

सबसे पुराने पेड़

सबसे प्राचीन ज्ञात पेड़ है रेगिस्तानी क्रेओसोटे नामक पेड़। यह कैलिफोर्निया में है और एक अनुमान के अनुसार यह 11,700 साल से भी ज्यादा पुराना है। अमेरिका के ही नेवादा कैलिफोर्निया और एरिजोना में पाए जाने वाले ब्रिस्लकोन पाइन नामक पेड़ों के बारे में माना जाता है कि ये विश्व में सबसे प्राचीन हैं। सबसे पुराने जाने गए पेड़, जो अब भी जीवित पाए जाते हैं, वे लगभग 46,00 साल पुराने हैं।

तेजी से बढ़ने वाला पेड़

ऑस्ट्रेलिया का यूकलिप्टस (सफेदा) पेड़, जो एक साल में 10 मीटर तक बढ़ सकता है, दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला पेड़ है। सफेदा की 600 से भी अधिक किस्में हैं और उनमें विश्व के सबसे लंबे पेड़ भी शामिल हैं, जो 100 मीटर से अधिक ऊंचे होते हैं।

सबसे विषैली फफूंद

'डैथ कैप' या 'डैथ कप टोडस्टूल' संभवत: दुनिया की सबसे विषैली फफूंद है। इसका एक बहुत छोटा-सा टुकड़ा भी जान ले सकता है। इसे खाने के करीब 10 घंटे बाद व्य ि ख़ुद को बीमार महसूस करना शुरू कर देता है, लेकिन डॉक्टर भी उसकी किसी प्रकार की मदद नहीं कर सकते हैं, क्योंकि इस विष का कोई उपचार नहीं है। 'डैथ कैप' सभी जानवरों के लिए भी विषैली होती है।

धीमी गति से बढ़ने वाला

'सायकाड' नामक पेड़, जिसका वैज्ञानिक नाम 'डिऊन एड्यूले' है, के नाम संभवत: स्नेल की रफ्तार से बढ़ने का रिकॉर्ड है। इसमें से एक पेड़ का 1981 से 1986 के बीच अध्ययन किया गया और प्रत्येक वर्ष इसमें 0.76 मिलीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। 120 साल का आयु का पेड़ मात्र 10 सेंटीमीटर तक बढ़ता है।

परभक्षी पौधे

कुछ पौधे ऐसे दलदली इलाकों में पाए जाते हैं, जहां उनके लिए भोजन की कमी होती है। ये अपने भोजन में कीड़ों को शामिल कर लेते हैं। अतिरिक्त पोषण प्राप्त करने के लिए ये अपने शिकार को हजम कर लेते हैं। 'सनड्यू' नामक पौधे की चिपचिपी स्पर्शिकाएं होती हैं। 'बटरवॉर्ट्स' के पत्ते चिपचिपे होते हैं। पिचर नामक पौधा कीड़ों को अपने मटके और फूल में फंसा लेता है। सबसे अधिक आकर्षक परभक्षी पौधा है, 'वीनस फ्लाई ट्रैप'। इसके प ो कांटों जैसे होते हैं। ये उस कीट के चारों ओर एक जबड़े की तरह बंद हो जाते हैं, जो उस पर बैठता है।

रोचक जानकारियां

- हर साल दुनिया से करीब 42 मिलियन एकड़ जंगल खत्म हो जाते हैं।
- बहुत कम पौधे आर्कटिक की कड़ी ठंड में जीवित रह सकते हैं। केवल दो पौधे ही ऐसे हैं, जो यहां की तेज बर्फीली हवाओं को सहकर भी जिंदा रह पाते हैं, ये हैं 'यैलो पॉपी' और 'आर्कटिक विल्लो'।
- अमेरिका के एरिजोना में गुलाब का एक इतना विशाल पौधा है, जिसे स्तंभों और पाइपों के सहारे खड़ा रखा गया है। इसके नीचे 150 लोग बैठ सकते हैं।
- सबसे ऊंचे सॉफ्ट वुड पेड़ों में से एक कैलिफोर्निया के विशाल रैडवुड सेकोइया, जनरल शर्मन है। जनरल शर्मन करीब 275 फुट (84 मीटर) ऊंचा है और इसका घेरा 25 फुट है। 2,000 टन वजनी इस पेड़ में पांच अरब दियासिलाई बनाने लायक पर्याप्त लकड़ी है।
- दुनिया का सबसे लंबा पेड़ कैलिफोर्निया में है। इसकी ऊंचाई 360 फुट है।
- ऑस्ट्रेलिया के 236 फुट ऊंचे 'अडा' पेड़ का घेरा 50 फुट है। इसकी जड़ें एक एकड़ से ज्यादा इलाके में फैली हुई हैं।
- माना जाता है कि दुनियाभर में पेड़ों की क़रीब एक लाख विभिन्न प्रजातियां हैं। इनमें सबसे अधिक विविधता ट्रॉपिकल फॉरैस्ट्स में पाई जाती है।
- अमेरिका में प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक चार फार्मास्यूटिकल प्रॉडक्ट्स में से एक ट्रॉपिकल फॉरैस्ट के पौधों से बनता है।

विनाशकारी भूकंप के झटके

पृथ्वी पर रोजाना सैंकड़ों भूकंप आते हैं, हालांकि इनमें से ज्यादातर बहुत हल्के होते हैं और हम महसूस भी नहीं कर पाते। लेकिन हर साल इन भूकंपों के कारण दुनिया भर में करीब 10,000 लोगों की जानें जाती हैं। सबसे ज्यादा भूकंप जापान में आते हैं। यहां लगभग रोजाना भूकंप आते हैं। लेकिन इनमें से अधिकांश भूकंप बहुत छोटे होते हैं और ये कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। 1993 में टोक्यों में आए एक भूकंप में एक लाख लोग मारे गए थे। इसके कारण योकोहामा शहर नष्ट हो गया था।

सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाला भूकंप 1556 में मध्य चीन में आया था। इस इलाके में अधिकतर लोग नर्म चट्टानों को तराश कर बनाई गई गुफाओं में रहते थे। भूकंप के कारण ये गुफाएं ढह गईं, जिसके चलते लगभग आठ लाख तीस हजार लोग मौत के मुंह में चले गए।

1920 में चीन में आए भूकंप ने तीन सौ वर्ग मील क्षेत्र को प्रभावित किया था। इस भूकंप में करीब दो लाख लोगो ने अपने जानें गंवाई थीं। 1976 में चीन में तंगस्तान में आया भूकंप अढ़ाई लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बना।

सबसे शक्तिशाली भूकंप चिली में 22 मई, 1960 को आया था। इसका मैग्नीट्यूड 9.5 था। रिकार्ड में दर्ज अमेरिका के सबसे बड़ा भूकंप मार्च 1964 को गुडफ्राइडे के दिन अलास्का में आया। इस भूकंप का मैग्नीट्यूड 9.2 था। इसके कारण प्रशांत महासागर में कई सुनामी आईं। लेकिन चूंकि अलास्का में जनसंख्या बहुत ज्यादा नहीं है, इसलिए केवल 114 लोगों की मौत हुई।

2005 में पाकिस्तान व भारत के कश्मीर क्षेत्र में आए भूकंप से हुई तबाही के कारण करीब एक लाख लोगों ने आपनी जानें गंवा दीं और कई गांवों का धरती से नामों निशान मिट गया।

यूरोप में आए सबसे भीषण भूकंप में से एक में 1755 में पुर्तगाल का लिस्वन शहर नष्ट हो गया था और 30 हजार लोग इसका ग्रास बन गए थे।

20वीं सदी के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक उजरी अमेरिका के सान फ्रांसिस्को में 1906 में आया। इसका मैग्नीट्यूड 7.7 और 8.3 के बीच था। भूकंप के बाद भीषण अग्निकांड भड़क गए। इसके परिणाम स्वरूप 700 लोग मारे गए और 400 मिलियन डॉलर की संपति का नुकसान हुआ।

1811-1812 में मिसूरी के न्यू मैड्रिड नगर में अलग-अलग 1874 भूकंप आए। इनमें से कुछ के झटके 400 मील दूर तक महसूस किए गए। समुद्र के नीचे आने वाले भूकंप के कारण सुनामी आ सकती हैं, जो अपने अधिकेंद्र से काफी दूर तक जा सकती हैं। सुनामी की ऊंची लहरों के कारण तटवर्ती इलाकों में भारी तबाही होती है।

शिकार का अलग अंदाज

अंटार्कटिक महाद्वीप को छोड़कर ऑस्प्रे सभी महाद्वीपों में पाया जाता है। यह लगभग 60 सेंटीमीटर लंबा होता है और इसके पंखों का फैलाव साढ़े चार से छह फीट तक होता है। इनका वज़न ढ़ाई से चार पौंड तक होता है। इनकी पीठ गहरे भूरे रंग की होती है और पेट व छाती सफेद होती है। हालांकि यह चील व हॉक जैसा ही दिखता है, लेकिन कई मायनों में यह उनसे भिन्न है। चील और ऑस्प्रे में भोजन के लिए कई बार लड़ाई हो जाती है। चील अ सर इसे मुंह में पकड़ी हुई मछली गिराने पर मज़बूर करती है और बीच हवा में ही उसे लपक लेती है। यह मछलियों को बड़े चाव से खाता है। यही कारण है कि ये तालाब, नदियों, झीलों और समुद्र के किनारे रहते हैं। इसे 'सी हॉक' भी कहा जाता है, क्योंकि मछली की तलाश में यह समुद्र के आस-पास ही मंडराता रहता है। यहां तक कि यह अपने घोंसले भी समुद्र के किनारे ही बनाता है। ऑस्प्रे अपने पैरों तथा पंजों की खास बनावट के कारण अलग अंदाज में अपना शिकार करता है। ऑस्प्रे के पैर में पांच अंगूठे होते हैं, जिनमें चार एक समान लंबाई के और एक अंगूठा बाहर की ओर उल्टी दिशा में होता है। इसके अलावा, इसके पंजे सूई की तरह नुकीले होते हैं, जो शिकार के शरीर पर मजबूत पकड़ बनाने में मदद करते हैं। ये 30-100 फीट की ऊंचाई से पानी की सतह पर शिकार करता है। ऑस्प्रे कभी- कभार खरगोश, कृन्तक, उभयचर, पक्षी और छोटे रेंगने वाले जानवरों का शिकार करता है, लेकिन अक्सर 25-35 सेंटीमीटर लंबी और 150-300 ग्राम वजन की मछलियों का शिकार करता है। जब कभी यह बड़ी मछलियों को पकड़ता है, तो उनके अधिक वजन होने के कारण खुद समुद्र में डूब जाता है और तुरंत उसकी मौत हो जाती है।

हम बताएं, आप बनाएं

अंक पहेली

एक बार श्रीमती शर्मा के यहां बहुत चूहे हो गए। चूहों से बचने के लिए उनके पति श्रीमान शर्माजी एक साथ पांच बिल्लियां ले आए। ये पांचों बिल्लियां एक ही जैसी गति से चूहे पकड़ती हैं। पांचों बिल्लियां पांच मिनट में पांच चूहों का शिकार करती हैं। इस हिसाब से बताइए कि एक बिल्ली को एक चूहा पकड़ने में कितना समय लगता है?

उत्तर: पांच मिनट। पांच मिनट में पांच बिल्लियां पांच चूहे पकड़ती हैं। इसलिए हर बिल्ली पांच मिनट में एक ही चूहा पकड़ती है।

सैनिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नासा ने कई ऐसे सैटेलाइट भी अंतरिक्ष में स्थापित किए हैं, जो दूसरे देशों के सैनिक ठिकानों पर नजर रखते हैं...

नासा मिशन

अमेरिका ने पूर्व सोवियत संघ (रूस) के अंतरिक्ष कार्यक्रम का मुकाबला करने और अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए नैशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की स्थापना 29 जुलाई, 1958 को की थी। एक अक्टूबर, 1958 को इसने पूरी तरह से काम करना शुरू कर दिया था। नासा अंतरिक्ष प्रयोगों के साथ-साथ जनसुविधाओं और सेना के लिए भी काम करता है। नासा में 15 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं और इसका वार्षिक बजट 17.6 बिलियन डॉलर है। नासा का मख्यालय वॉशिंगटन में है। इसका प्रमुख (एडमिनिस्ट्रेटर) अमेरिका के राष्ट्रपति का अंतरिक्ष विज्ञान सलाहकार भी होता है। चार्ल्स फ्रैंक बोल्डन वर्तमान में नासा के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। नासा के प्रमुख अनुसंधान केंद्र वॉशिंगटन स्थित मुख्यालय के अलावा न्यूयॉर्क, ओहायो, वर्जीनिया और कैलिफोर्निया में भी हैं।

उपलब्धियां

नासा अब तक 100 से भी ज्यादा मानव सहित अंतरिक्ष मिशन पूरे कर चुका है। इनमें 'अपोलो' और 'कोलंबिया' ऐसे मानव सहित मिशन थे, जो असफल रहे और इस मिशन के दौरान अंतरिक्ष में कई यात्रियों की मौत हो गई। चंद्रमा मिशन के अलावा नासा विभिन्न ग्रहों और क्षुद्रग्रहों के लिए भी कई मिशन चला चुका है। नासा ने अपना पहला अंतरिक्ष प्रौजेक्ट 'मरकरी' के नाम से 1958 में शुरू किया । इसका मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि मानव अंतरिक्ष में जीवित रह सकता है या नहीं। यह प्रौजे ट सफल रहा। इसके बाद नासा ने 'जैमिनी' के नाम से प्रौजेक्ट शुरू किया। इसका मुख्य उद्देश्य चंद्रमा पर मानव के साथ अंतरिक्ष यान उतरना था। इसी प्रोजै ट के तहत नासा ने अपना 'अपोलो' कार्यक्रम शुरू किया। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष यात्री लेकर जाना था, लेकिन अपोलो-1 सफल नहीं हो पाया और इसमें जाने वाले सभी अंतरिक्ष यात्री मारे गए।

29 जुलाई, 1969 को नासा ने वह कर दिया, जिसका सपना नासा ने अपनी शुरुआत से देखा था। अपोलो-11 पहली बार मानव को लेकर चंद्रमा पर उतरा और नील आर्मस्ट्रांग पहले मानव बने, जिन्होंने चंद्रमा पर कदम रखा। इसके बाद नासा ने अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन स्थपित करने का फैसला किया और 'स्काईलैब' से नाम से अंतरिक्ष में पहला स्टेशन शुरू किया । यह स्टेशन 1973 से लेकर 1979 तक कार्य करता रहा । इसके बाद नासा ने 'शटल' के नाम से नया प्रौजेक्ट शुरू किया, लेकिन पहला प्रयास सफल नहीं हो पाया, पर बाद में यह भी सफल रहा।

महत्वाकांक्षी योजनाएं

नासा की योजना चंद्रमा (मून) और मंगल (मार्स) पर अपने स्पेस स्टेशन स्थापित करने की है। मून और मार्स मिशन के सफल होने के बाद नासा ने अब इस पर काम करना शुरू कर दिया है। नासा की पूरी कोशिश है कि 2020 तक चंद्रमा पर स्पेस स्टेशन स्थापित हो जाए। इसके लिए नासा अन्य देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, के साथ मिल कर काम कर रहा है।

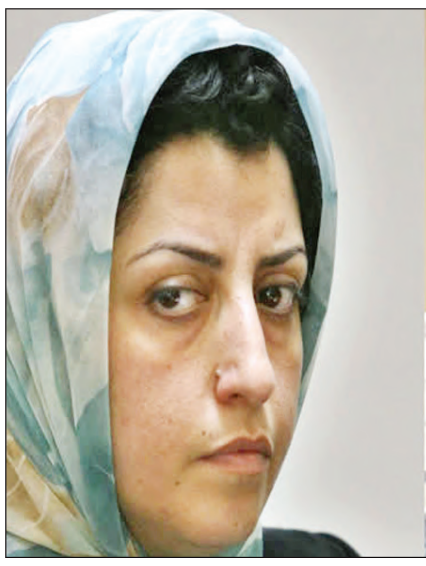

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी फिर गिरफ्तार, 36 साल ईरान की जेल में रह चुकी हैं

तेहरान, 13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित नरगिस मोहम्मदी को एक बार फिर गिरफ्तार कर लिया गया है ।उन्हें ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद से शुक्रवार को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे एक शोकसभा में शामिल थीं ।इस समारोह के एक वीडियो में दिखाया गया है कि वे हिजाब के बिना भीड़ को संबोधित करते हुए नारे लगवा रही हैं। नॉर्वे की नोबेल समिति ने उनकी गिरफ्तारी की निंदा करते हुए तेहरान से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें बिना शर्त रिहा करने की अपील की। मीडिया समूह ईरान इंटरनेशनल ने मशहद के गवर्नर हसन हुसैनी के हवाले से बताया है कि पूर्वोत्तर शहर मशहद में एक शोकसभा के दौरान सुरक्षा बलों ने नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित नरगिस मोहम्मदी और कई अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। हुसैनी ने राज्य मीडिया को बताया कि भीड़ के बेकाबू होने के कारण उनकी सुरक्षा को देखते हुए यह गिरफ्तारियां की गईं ।उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंद्वी समूह की तरफ से टकराव की आशंका के कारण उनकी सुरक्षा के लिए यह गिरफ्तारियां की गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मानवाधिकारों के प्रमुख दिवंगत वकील खुसरो अलीकोर्डी के लिए आयोजित शोक सभा में नरगिस मोहम्मदी शामिल हुईं। हाल ही में हुई उनकी मौत ने उनके समर्थकों को भड़का दिया। अलीकोर्डी पिछले सप्ताह मशहद स्थित कार्यालय में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। उनके समर्थकों ने अलीकोर्डी को दिल का दौरा पड़ने के आधिकारिक बयान पर सवाल उठाते हुए उनकी मौत में सुरक्षा बलों की संलिप्तता का आरोप लगाया। मृतक वकील के भाई जावद अलीकोर्डी ने एक ऑडियो संदेश में आरोप लगाया है कि सुरक्षा बलों ने नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मदी को गिरफ्तार कर ले जाने से पहले उनकी पिटाई की। उन्होंने कहा कि सभी गिरफ्तार लोगों को मशहद में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की खुफिया शाखा से जुड़े हिरासत केंद्र में स्थानांतरित किया गया है। 53 वर्षीय मोहम्मदी साल 2024 से मेडिकल ग्राउंड पर अस्थायी रिहाई पर थीं। 36 साल तक जेल में रही मोहम्मदी को साल 2023 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। मोहम्मदी देश के खिलाफ मिलीभगत और ईरान सरकार के खिलाफ प्रोपेगैंडा फैलाने के मामले में 13 साल और नौ महीने की सजा काट रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

139 साल पुराना मशहूर ग्लेनरीज बेकरी एंड कैफे बार 90 दिन के लिए किया बंद

दार्जिलिंग। दार्जिलिंग का 139 साल पुराना मशहूर ग्लेनरीज बेकरी एंड कैफे बार और लाइव-म्यूजिक सेक्शन अचानक बंद कर दिया गया। यह बंद पश्चिम बंगाल आबकारी विभाग ने नियमों के उल्लंघन के चलते किया है। ग्लेनरीज के मालिक ने कार्रवाई को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। ग्लेनरीज बेकरी 1885 में स्थापित हुई थी और यह दार्जिलिंग की कैफे कल्चर का एक अहम हिस्सा रही है। अपनी पुरानी शान और कई पीढ़ियों से पर्वतारोहियों, फिल्मकारों, लेखकों, खास मेहमानों और शांति की तलाश में आए पर्यटकों की वजह से यह काफी मशहूर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्लेनरीज के मालिक और इंडियन गोरखा जनशक्ति फ्रंट के प्रमुख अजय एडवर्ड्स ने इस कार्रवाई को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने इसे हाल ही में उद्घाटन किए गए 'गोरखालैंड ब्रिज' से जोड़ा है। यह ब्रिज बालसन नदी पर 140 फीट लंबा है, जिसे लोगों के श्रमदान और एडवर्ड्स द्वारा दिए गए सामान से बनाया था। इसे रविवार को खोला गया था। एडवर्ड्स ने कहा है कि वे कानूनी रास्ते तलाशेंगे। आबकारी अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल आबकारी नियमों के तहत यह कार्रवाई की है। इस नियम के मुताबिक लाइसेंस वाली जगह पर लाइव संगीत या गायन प्रदर्शन के लिए पहले से अनुमति लेनी पड़ती है। उप आबकारी कलेक्टर सरण्या बारिक ने बताया कि बिना जरूरी अनुमति के प्रदर्शन हो रहे थे, जिस वजह से 90 दिनों के लिए इसे बंद करने का आदेश दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान के समर्थन में खुलकर आया भारत

जेनेवा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हमलों की कड़ी निंदा की है। भारत ने इस मामले को अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच नाजुक शांति बनी हुई थी, लेकिन अब दोनों फिर से सीमा पर लड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि भारत युनामा की हवाई हमलों पर चिंता का समर्थन करता है और अफगानिस्तान में निर्दोष महिलाओं, बच्चों और क्रिकेटरों की हत्या की निंदा करता है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का पूर्ण सम्मान करने, विशेष रूप से निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा पर ध्यान देने की अपील में अपनी आवाज जोड़ रहे हैं। पिछले साढ़े चार साल से हम ऐसा दृष्टिकोण देखते आ रहे हैं।' उन्होंने अफगानिस्तान के लोगों की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दिखाया। हरीश ने कहा कि काबुल में दिल्ली के तकनीकी मिशन का दूतावास का दर्जा बहाल करने का भारत सरकार का हालिया निर्णय इस संकल्प को मजबूती से दिखाता है।

मासिक धर्म के रक्त का इस्तेमाल कर एंडोमेट्रियोसिस जैसी बीमारी के तंत्र को समझेंगे शोधकर्ता

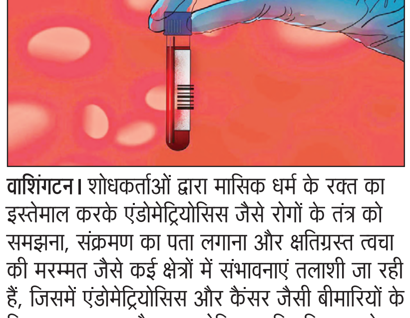

वाशिंगटन। शोधकर्ताओं द्वारा मासिक धर्म के रक्त का इस्तेमाल करके एंडोमेट्रियोसिस जैसे रोगों के तंत्र को समझना, संक्रमण का पता लगाना और क्षतिग्रस्त त्वचा की मरम्मत जैसे कई क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशी जा रही हैं, जिसमें एंडोमेट्रियोसिस और कैंसर जैसी बीमारियों के लिए नया इलाज और डायग्नोस्टिक्स विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मासिक धर्म के रक्त में जीवित प्रतिरक्षा कोशिकाएं होती हैं जो प्रजनन पथ से आती हैं। इनका अध्ययन सूजन को समझने और दर्दनाक यौन संबंधों जैसे लक्षणों के इलाज के लिए नई विधियां विकसित करने में मदद कर सकता है। शोधकर्ता एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित महिलाओं के मासिक धर्म के रक्त से ऑर्गेनॉइड विकसित कर सकते हैं, जो प्रयोगशाला में इस बीमारी के मॉडल बनाने में मदद करता है। मासिक धर्म के द्रव से प्राप्त प्लाज्मा ने क्षतिग्रस्त त्वचा के घावों को पूरी तरह से ठीक करने में मदद की है, जो सामान्य रक्त प्लाज्मा की तुलना में बहुत तेज़ है। जानकारी के मुताबिक मासिक धर्म के रक्त से प्राप्त स्टेम सेल और अन्य कोशिकाएं कई प्रकार की बीमारियों, जैसे कैंसर के अनुसंधान और उपचार में उपयोग की जा सकती हैं।

अमेरिकी कांग्रेस की ट्रंप को दो टूक कहा- भारत पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ तत्काल हटाएं

वाशिंगटन, 13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

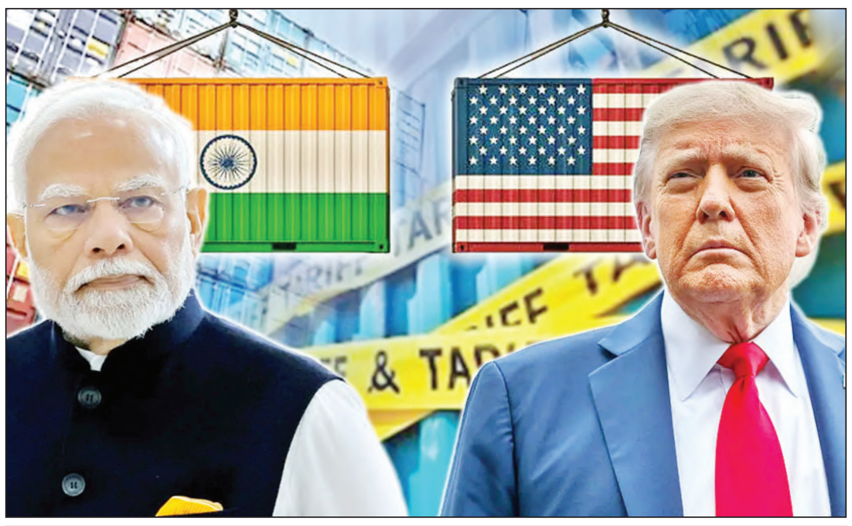

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए भारी टैरिफ को समाप्त कराने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव का मकसद भारत से आने वाले उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत तक के आयात शुल्क को रद्द करना है। सांसदों का कहना है कि ये टैरिफ न केवल अवैध हैं, बल्कि अमेरिकी श्रमिकों, उपभोक्ताओं और भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों के लिए भी नुकसानदेह साबित हो रहे हैं।

यह प्रस्ताव प्रतिनिधि डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इसे उस द्विदलीय पहल के अनुरूप माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य अन्य देशों पर लगाए गए समान टैरिफ को खत्म करना और आयात शुल्क बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियों के इस्तेमाल को सीमित करना है। प्रस्ताव में विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को रद्द करने की मांग की गई है। ये अतिरिक्त शुल्क 27 अगस्त 2025 को पहले से लागू टैरिफ के ऊपर लगाए गए थे, जिससे कुल आयात शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत तक पहुंच गया था। डेबोरा रॉस ने कहा कि उत्तरी कैरोलिना की अर्थव्यवस्था भारत के साथ व्यापार, निवेश और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के जरिए गहराई से जुड़ी हुई है। उनके अनुसार भारतीय कंपनियों ने राज्य में एक अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिससे जीवन विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में हजारों रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। इसके साथ ही उत्तरी कैरोलिना के निर्माता हर साल भारत को लाखों डॉलर का सामान निर्यात करते हैं, जिससे दोनों देशों को आर्थिक लाभ होता है। मार्क वेसी ने इन टैरिफ को उत्तर टेक्सास के आम लोगों पर अतिरिक्त कर जैसा बताया। उन्होंने कहा कि पहले से ही महंगाई और बढ़ती लागत से जूझ रहे परिवारों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। वेसी के अनुसार भारत अमेरिका का एक अहम सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है, और ऐसे कदम दोनों देशों के रिश्तों को कमजोर करते हैं। राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि ये टैरिफ पूरी तरह प्रतिउत्पादक हैं। इनसे आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होती हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचता है और उपभोक्ताओं के लिए रोजमर्रा की चीजें महंगी हो जाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि टैरिफ हटाने से अमेरिका और भारत के बीच आर्थिक सहयोग और सुरक्षा साझेदारी को मजबूती मिलेगी। यह प्रस्ताव डेमोक्रेट सांसदों द्वारा ट्रंप प्रशासन की एकतरफा व्यापार नीतियों को चुनौती देने और भारत के साथ संबंधों को फिर से संतुलित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। इससे पहले भी इन सांसदों ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रपति से टैरिफ नीतियों को वापस लेने और दोनों देशों के बीच तनाव कम करने की अपील की थी। ट्रंप प्रशासन ने अगस्त की शुरुआत में भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और कुछ ही दिनों बाद इसमें 25 प्रतिशत की और बढ़ोतरी कर दी गई थी।

अपनी ही महिला अफसर पर ट्रंप ने की विवादित टिप्पणी बोले- उनके होंठ रुकते ही नहीं...

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी केरोलाइन लेविट को लेकर की गई अपनी टिप्पणी को लेकर फिर चर्चा में हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लेविट की तारीफ करते हुए उनके होंठों की तुलना मशीन गन से की। ट्रंप के इस तरह के बयान पहले भी सामने आ चुके हैं। लेविट वाइट हाउस की सबसे युवा प्रेस सचिव हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रंप लोगों को संबोधित करते हुए कहते हैं कि आज वे अपनी सुपरस्टार लेविट को लेकर आए हैं। वे कहते हैं, वो शानदार हैं, है ना इसके बाद ट्रंप उनके शारीरिक रूप और टीवी पर उपस्थित होने के तरीके पर टिप्पणियां करते हैं। वीडियो में ट्रंप कहते हैं कि लेविट के होंठ रुकते नहीं हैं और मशीन गन की तरह चलते हैं। इस दौरान उन्होंने अजीब आवाज़ें भी निकालते हुए उनकी तुलना करते हुए उनका उल्लेख किया। ट्रंप ने यह भी कहा कि लेविट को कोई डर नहीं है क्योंकि उनकी नीतियां सही हैं और महिलाओं के खेल में पुरुषों की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने ट्रांसजेंडर मुद्दों और जेलों से जुड़े नीति मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे वातावरण में लेविट का काम आसान है। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वे दूसरी तरह की प्रेस सचिव नहीं बनाना चाहेंगे। अगस्त में भी ट्रंप ने लेविट को लेकर इसी तरह की टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि उनके होंठ, चेहरा और दिमाग मशीन गन की तरह हिलते हैं और उन्हें नहीं लगता कि किसी और की प्रेस सचिव के तौर पर तुलना हो सकती है।

बांग्लादेश: उस्मान हादी पर गोलियां चलाने वालों की पहचान का दावा, हादी की हालत गंभीर, ढाका-8 से हैं उम्मीदवार

ढाका, 13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के धुर विरोधी रहे इंकलाब मंच के प्रवक्ता और ढाका-8 से निर्दलीय उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी पर गोलियां चलाने वाले हमलावरों की पहचान का दावा करते हुए ढाका पुलिस ने कहा है कि उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उधर, अस्पताल में भर्ती उस्मान हादी को लेकर चिकित्सकों का कहना है कि उनकी स्थिति गंभीर है और वे आईसीयू में नाजुक परिस्थितियों से जूझ रहे हैं।

मीडिया समूह प्रोथोम आलो के मुताबिक शुक्रवार करीब दोपहर 2 बजे बाइक सवार दो हमलावरों ने उस्मान हादी पर फायरिंग की जिसमें हादी के सिर में गोलियां लगी हैं। उन्हें गंभीर हालत में ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया, जिसके बाद उन्हें एवरकेयर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

डीएमसीएच आपातकालीन विभाग के रेजिडेंट चिकित्सक डॉ. मुस्तैक अहमद के अनुसार गोली हादी के सिर के दाहिने हिस्से में लगी और बाएं कान से बाहर निकल गई, जिसके कुछ टुकड़े उनके मस्तिष्क में रह गए।

ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) के कमिश्नर शेख मोहम्मद सज्जात अली ने शुक्रवार देर रात दावा किया कि इंकलाब मंच के प्रवक्ता और ढाका-8 से निर्दलीय उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी पर गोली चलाने वाले हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उन्हें किसी भी समय गिरफ्तार किया जा सकता है। इकबाल मंच के प्रवक्ता उस्मान हादी जुलाई 2024 में शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन में काफी सक्रिय रहे थे। उसके बाद वे उस समय सुर्खियों में आए जब शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद जुलाई विद्रोह के आंदोलनकारियों के लिए उन्होंने एक स्मारक बनाए जाने को लेकर अभियान चलाया था। हादी की अगुवाई में उपद्रवियों ने शेख मुजीब रहमान के स्मारक पर हमला भी किया था।

ब्रिस्टल म्यूजियम से हो गई 600 से अधिक ऐतिहासिक वस्तुओं की चोरी

लंदन। यहां के ब्रिस्टल शहर में म्यूजियम से कई ऐतिहासिक वस्तुओं की चोरी हो गई है। इनकी संख्या 600 से अधिक बताई जा रही है। चोरी गई वस्तुओं में भारत के औपनिवेशिक काल से जुड़े कई किमती सामान भी शामिल हैं। पुलिस ने इसे अब तक की बड़ी चोरी में से एक बताया है। एवॉन एंड समरसेट पुलिस के अनुसार, चोरी 25 सितंबर की रात हुई। चोरों ने ब्रिस्टल म्यूजियम के ब्रिटिश एम्पायर एंड कॉमनवेल्थ संग्रह से ये वस्तुएं चुराईं। पुलिस ने चार संदिग्धों की सीसीटीवी तस्वीरें जारी की हैं। सभी संदिग्ध गोरे पुरुष हैं। चोरी गए सामान में हाथी के दांत से बनी बुद्ध की मूर्ति, ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी की कमरबंद और भारत में ब्रिटिश साम्राज्य से जुड़े सैकड़ों निजी सामान, फोटो और दस्तावेज शामिल हैं। म्यूजियम का कहना है कि यह संग्रह ब्रिटिश साम्राज्य के कामकाज और उस दौर में रहने वाले लोगों की जिंदगी को समझने का अहम जरिया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर कोई इन संदिग्धों को पहचानता है या ऑनलाइन ऐसे सामान बिकते देखता है तो तुरंत सूचना दे। पुलिस ने बताया कि ये वस्तुएं आम तौर पर बिक्री के लिए नहीं होतीं और इनका सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व बहुत ज्यागा है।

क्या कहता है ट्रंप का गोल्ड कार्ड, अगर जेब में 10 लाख हैं तो मिलेगी अमेरिका की परमानेंट नागरिकता

वाशिंगटन, 13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी इमिग्रेशन और वीजा नीतियों को लेकर चर्चा में हैं। ट्रंप ने अब एक और कदम उठाते हुए गोल्ड कार्ड को पेश किया है। ट्रंप प्रशासन का गोल्ड कार्ड एक महंगा इमिग्रेशन प्रोग्राम है। इसे ऐसे लोगों और कंपनियों को लीगल स्टेटस और अमेरिकी नागरिकता देने के लिए डिजाइन किया है, जो इसके लिए एक बड़ी रकम खर्च कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि इससे प्रतिभाशाली लोग अमेरिका आएंगे और देश की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- अमेरिकी सरकार का ट्रंप गोल्ड कार्ड यहां है। यह सभी योग्य और सत्यापित लोगों के लिए नागरिकता का सीधा रास्ता है। हमारी बड़ी अमेरिकी कंपनियां आखिरकार अपनी अमूल्य प्रतिभा को बनाए रख सकेंगी। ट्रंप का यह चौंकाने वाला ऐलान उनके सख्त आप्रवासन नियमों के बीच आया है। ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना तीन दशक पुराने ईबी-5 निवेशक वीजा का विकल्प मानी जा रही है। इसके तहत विदेशी नागरिक निजी तौर से 10 लाख डॉलर या अपनी कंपनियों के जरिए 2 मिलियन डॉलर का निवेश करने पर स्थायी निवास हासिल कर सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई एक्सपर्ट का कहना है कि यह असल में एक बदले हुए ग्रीन कार्ड की तरह है। इसके धारकों को अमेरिका में अनिश्चित काल तक रहने और काम करने का स्थायी कानूनी दर्जा मिलेगा। साथ ही वे नागरिकता के लिए भी आवेदन कर सकेंगे। अमेरिका का ग्रीन कार्ड कई तरीकों से मिलता है। इसमें स्पॉन्सरशिप प्रायोजन, लॉटरी और ईबी-5 निवेश शामिल है, जिसकी शुरुआत 800,000 डॉलर से होती है और नौकरी पैदा करना शर्त होती है। वहीं गोल्ड कार्ड के लिए 1 मिलियन डॉलर का आधार संस्करण जरुरी है। गोल्ड कार्ड पुराने तरीकों को दरकिनार करते हुए तेजी से मंजूरी का रास्ता खोलता है। गोल्ड कार्ड कार्यक्रम में ईबी-1 या ईबी-2 वीजा श्रेणियों के तहत कानूनी स्थायी निवासी का दर्जा मिलेगा।

ड्रैगन की नापाक नजर अब रुस के साइबेरियाई पर........कृषि भूमि खरीद कर अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा

बीजिंग,13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

चीन की नजर रूस के साइबेरियाई इलाके व्लादिवोस्तोक और अमूर ओब्लास्ट के एक आईलैंड पर है। चीनी सरकार सीमा के पास कृषि भूमि खरीद रही है और उसे लंबे समय के लिए लीज पर ले रही है, जिससे इलाके पर अपना दावा मजबूत करने की कोशिश हो रही है। ये दोनों इलाके कभी चीन के किंग साम्राज्य का हिस्सा थे, जिन्हें लगभग 150 साल पहले (19वीं सदी में) चीन को मजबूरी में रूसी साम्राज्य को सौंपना पड़ा था। चीन अफीम युद्धों में हारने के कारण कमजोर था। रूस ने इस स्थिति का फायदा उठाया और 1858 में ऐगुन संधि (जिससे अमूर नदी के उत्तर का बड़ा इलाका रूस को मिला) और 1860 में पेकिंग संधि (जिससे व्लादिवोस्तोक और आसपास का क्षेत्र रूस का हिस्सा बना) पर हस्ताक्षर करवा लिए।

रूस की सुरक्षा एजेंसी एफएसबी ने एक दस्तावेज में चीन को रूस की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है और इतना ही नहीं सबसे बड़ा दुश्मन भी बता दिया है। दस्तावेज के अनुसार, पुतिन और शी जिनपिंग की सार्वजनिक दोस्ती के बावजूद, दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों के बीच छुपी हुई जंग चल रही है।

2023 में चीन ने नए सरकारी नक्शे जारी किए, जिसमें कुछ रूसी शहरों, जिनमें व्लादिवोस्तोक भी शामिल है, को चीनी नामों के साथ दिखाने का निर्देश दिया गया। इन नक्शों में एक द्वीप को पूरी तरह से चीनी क्षेत्र के तौर पर दिखाया गया, जिस पर 2008 में दोनों देशों ने संधि करके बँटवारा किया था। चीन के राष्ट्रवादी लोग अक्सर रूस को सौंपे गए क्षेत्रों को वापस लेने की मांग करते रहते हैं। लेकिन बीजिंग आधिकारिक तौर पर इन दावों पर चुप रहकर पुतिन के साथ मजबूत रिश्तों पर जोर देता है। यूक्रेन युद्ध के बाद चीन ने रूस को ऊर्जा खरीदकर आर्थिक राहत दी, जबकि रूस ने युआन में भुगतान और व्यापार बढ़ाकर चीन का सहयोग किया। दोनों देशों ने प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त सैन्य अभ्यास भी बढ़ाए हैं। रूस के भीतर यह चिंता बढ़ रही है कि वह चीन का जूनियर पार्टनर न बन जाए।

चीन ने जारी किया नक्शा - चीन के पर्यावरण मंत्रालय ने 2023 में नए सरकारी नक्शे जारी किए। इन नक्शों में कुछ रूसी शहरों को उनके चीनी नामों के साथ दिखाने का निर्देश दिया गया। रूस का पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक भी इसमें शामिल है। नक्शों में एक द्वीप को पूरी तरह से चीनी क्षेत्र के तौर पर दिखाया गया। यह आईलैंड उस्सुरी और अमूर नदियों के संगम पर स्थित है। इस आईलैंड को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय तक विवाद रहा था, जिसे 2008 में एक संधि के तहत दोनों देशों ने बांट लिया था।

बात दें कि रूस और चीन के बीच 4200 किमी लंबा बॉर्डर है। इस सीमा को लेकर दोनों देशों के बीच कई बार तनाव हुआ है। 1960 के दशक में सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने आ गए थे और गोलीबारी भी हुई थी। इसके बाद में 1990 और 2000 के दशक में कई समझौते किए गए। इन समझौतों के तहत ज्यादातर विवादों को सुलझा लिया गया।

एडिलेड टेस्ट से पहले उस्मान ख्वाजा ने खुद को 100 फीसदी फिट घोषित किया

एडिलेड, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा ने एशेज सीरीज़ के तीसरे टेस्ट से पहले खुद को पूरी तरह फिट बताते हुए साफ किया है कि वह अब भी ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अंतिम एकादश में उनका चयन होगा या नहीं, यह उनके हाथ में नहीं है। एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन 39 साल के होने जा रहे ख्वाजा ने कहा कि टीम में अपनी जगह को लेकर चल रही अटकलों से वह बिल्कुल भी परेशान नहीं हैं। ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड की नई ओपनिंग जोड़ी के शानदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं के सामने मुश्किल जरूर है, लेकिन ख्वाजा ने इसे स्वाभाविक प्रक्रिया बताया। ख्वाजा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'मैं अभी भी टीम के लिए अहम हूं, मुझसे खेलने के लिए कहा जा रहा है और इसी वजह से मैं यहां हूं। जब तक मुझे महत्व दिया जाएगा, मैं अपना काम करता रहूंगा।

85 टेस्ट खेल चुके ख्वाजा ने संन्यास की अटकलों को भी खारिज किया। उन्होंने अपने रिकॉर्ड का बचाव करते हुए कहा कि वह अलग-अलग परिस्थितियों और फॉर्मेट में सफल रहे हैं और उनके खेल में अब भी कई 'गियर' बाकी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे प्रतिस्पर्धा पसंद है। लंबे समय तक लगातार प्रदर्शन करना ही असली कसौटी होती है, न कि एक-दो मैच। ' ख्वाजा ने यह भी स्पष्ट किया कि बाहरी आलोचनाओं या राय से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, 'लोगों की अपनी-अपनी राय होती है और यह बिल्कुल ठीक है। मैं इस पर समय बर्बाद नहीं करता कि बाहर लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं।' गौरतलब है कि पर्थ टेस्ट के दौरान ख्वाजा को पहली बार अपने करियर में पीठ में ऐंठन (बैक स्पाज़्म) की समस्या हुई थी। इसी वजह से वह पहली पारी में ओपनिंग नहीं कर सके और बाद में उनकी स्थिति बिगड़ने के कारण गाबा टेस्ट से बाहर हो गए थे। अब फिट होकर लौटे ख्वाजा ने बताया कि इस चोट के बाद उन्होंने अपनी तैयारी के तरीके में बदलाव किया है। उन्होंने कहा, 'अब मैं ज्यादा सतर्क रहता हूं।

न्यूज़ ब्रीफ

39 गेंदों में 9 चौके और 11 छक्के लगाकर सलिल ने जड़ा शतक, सबको चौकाया

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के नॉकआउट मैच में पंजाब के युवा विकेटकीपर-बैटर सलिल अरोरा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया। पुणे के डीवाई पाटिल अकादमी मैदान पर खेले गए मुकाबले में सलिल ने 39 गेंदों में शतक जड़कर मात्र 45 गेंदों में 125 रन ठोके। उनकी इस धुआंधार पारी की बदौलत पंजाब ने छह विकेट पर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। सलिल अरोरा ने अपनी पारी में 9 चौके और 11 छक्के लगाए। इस मैच की खास बात यह रही कि झारखंड के तेज गेंदबाज सुशांत मिश्रा द्वारा फेंके गए पारी के अंतिम ओवर में सलिल ने तीन छक्के और एक चौका लगाया। हालांकि उनकी यह पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। पंजाब ने सलिल के दम पर 235 रन बनाए, लेकिन जवाब में झारखंड ने 18.1 ओवर में ही 6 विकेट से मैच जीत लिया। इस पारी के बाद सलिल अरोरा की लोकप्रियता में अचानक भारी उछाल आया है। 16 दिसंबर को अबूधाबी में होने वाले आईपीएल मिनी ऑक्शन से पहले कई फ्रेंचाइजी इस अनकैप्ड विकेटकीपर पर नजरें लगाए बैठी हैं। सलिल का नाम अनकैप्ड विकेटकीपर कैटेगरी में शामिल होगा और उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपए है। सूत्रों के मुताबिक विकेटकीपर की तलाश में जुटी कोलकाता नाइट राइडर्स उन टीमों में से है जो सलिल पर बोली लगाने पर विचार कर सकती है।

14 साल बाद भारत लौटे लियोनेल मेसी, कोलकाता से की शुरुआत

कोलकाता। अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप जिताने वाले कप्तान और आठ बार के बैलन डी'ओर

विजेता लियोनेल मेसी एक बार फिर भारत की धरती पर लौट आए हैं। मेसी शनिवार, 13 दिसंबर 2025 की सुबह कोलकाता पहुंचे और इसी के साथ उनके बहुप्रतीक्षित टूर ऑफ इंडिया' की शुरुआत हो गई। करीब 14 साल बाद भारत आए मेसी अपने इस दौरे में देश के चार प्रमुख शहरों — कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली — का दौरा करेंगे। इस टूर के दौरान फुटबॉल प्रेमियों के लिए कई खास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेसी के साथ उनकी क्लब टीम इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज भी भारत दौरे पर मौजूद हैं। मेसी की एक झलक पाने के लिए फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर कोलकाता में, जिसे भारत की फुटबॉल राजधानी भी कहा जाता है। मेसी का यह दौरा भारतीय फुटबॉल के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है और इससे देश में फुटबॉल को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है ।

टीम इंडिया की अगली मंजिल 1000 इंटरनेशनल जीत, इतिहास रचने से महज 72 मुकाबले दूर

नई दिल्ली। आईसीसी की वनडे और टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बनी भारतीय क्रिकेट टीम अब इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। टीम इंडिया का अगला बड़ा सपना 1000 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने का है। भारतीय क्रिकेट का सफर 1932 में शुरू हुआ था, जब टीम ने अपना पहला इंटरनेशनल मुकाबला खेला, लेकिन पहली जीत के लिए भारत को करीब 20 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार 1952 में मद्रास में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत ने भारतीय क्रिकेट के खाते में पहली सफलता दर्ज कराई। भारतीय क्रिकेट को असली पहचान 1983 में मिली, जब कपिल देव की कप्तानी में टीम इंडिया ने पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। इस जीत के बाद भारतीय क्रिकेट ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और धीरे-धीरे खुद को विश्व क्रिकेट की ताकत के रूप में स्थापित किया। समय के साथ उतार-चढ़ाव जरूर आए, लेकिन भारत ने लगातार खुद को मजबूत किया और आज टीम इंडिया दो वनडे वर्ल्ड कप, दो टी20 वर्ल्ड कप और तीन आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर चुकी है। अब तक भारत ने टेस्ट, वनडे और टी20 फॉर्मेट को मिलाकर कुल 1931 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इनमें से 928 मैचों में टीम इंडिया को जीत मिली है, जबकि 709 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा 18 मैच टाई रहे, 224 ड्रॉ हुए और 52 मुकाबलों का कोई नतीजा नहीं निकल सका। 1000 जीत के ऐतिहासिक आंकड़े तक पहुंचने के लिए भारत को अभी 72 और मैच जीतने होंगे। हाल के वर्षों में टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।

बॉर्नमाउथ के खिलाफ मुकाबले से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड को म्ब्यूमो, माज़राउई और डायलो की उपलब्धता का इंतजार

मैनचेस्टर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रूबेन अमोरिम ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम कई संभावित हालात के लिए तैयारी कर रही है, क्योंकि क्लब को अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रायन म्ब्यूमो, नूसैर माज़राउई और अमाद डायलो सोमवार को बॉर्नमाउथ के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग घरेलू मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं।

ये तीनों खिलाड़ी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में हिस्सा लेने के लिए अपनी-अपनी राष्ट्रीय टीमों से जुड़ने वाले हैं। यह टूर्नामेंट 21 दिसंबर से 18 जनवरी तक चलेगा। म्ब्यूमो कैमरून, माज़राउई मोरक्को और डायलो आइवरी कोस्ट की ओर से खेलते हैं।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए खिलाड़ियों की अनिवार्य रिलीज़ तारीख सोमवार है, जिसके चलते यूनाइटेड इस बात को लेकर असमंजस में है कि क्या ये खिलाड़ी मैच खेलने के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए रवाना होंगे या उससे पहले ही क्लब छोड़ देंगे।

मैच से पहले मीडिया से बात करते हुए अमोरिम ने कहा, 'हम अभी भी राष्ट्रीय टीमों के साथ बातचीत कर रहे हैं। मैच सोमवार को है, खिलाड़ी यहां हैं, ट्रेनिंग कर रहे हैं और हम हर स्थिति के लिए तैयारी कर रहे हैं। यह थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन साथ ही कोई नहीं जानता कि कौन खेलेगा, जो अपने आप में एक अच्छी बात है। हमारे पास हर स्थिति से निपटने के लिए खिलाड़ी मौजूद हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हर राष्ट्रीय टीम की अपनी रणनीति होती है कि वे खिलाड़ियों को कब बुलाना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि आज या कल तक फैसला हो जाएगा, लेकिन हम आखिरी पल तक इंतजार करेंगे ताकि सबसे बेहतर टीम का चयन कर सकें।' इसी बीच चोटों ने भी यूनाइटेड की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। डिफेंडर हैरी मैगुइर और मैथिज़ डे लिग्ट अभी भी चोट के चलते बाहर हैं, जबकि स्ट्राइकर बेंजामिन शेश्को की उपलब्धता पर भी सवाल बना हुआ है। 22 वर्षीय स्लोवेनियाई स्ट्राइकर शेश्को, जिन्हें क्लब ने इस सीजन 76.5 मिलियन यूरो में साइन किया था, नवंबर में टोटेनहम के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ हुए मुकाबले में घुटने में चोट लगने के बाद से पिछले चार मैच नहीं खेल पाए हैं। अमोरिम ने बताया, 'हमें देखना होगा कि शेश्को उपलब्ध होते हैं या नहीं। उन्हें फूड पॉइज़निंग भी हुई है, लेकिन अभी दो ट्रेनिंग सेशन बाकी हैं।' फिलहाल मैनचेस्टर यूनाइटेड 15 मैचों में 25 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है, जबकि एंडोनी इराओला की बॉर्नमाउथ टीम 20 अंकों के साथ 13वें स्थान पर मौजूद है। अमोरिम ने बॉर्नमाउथ को मजबूत चुनौती बताया और कहा, 'यह एक टॉप टीम है, एक बेहतरीन मैनेजर और खास खिलाड़ियों के साथ। मैं सिर्फ नतीजों को नहीं देखता, बल्कि यह देखता हूं कि वे हर विरोधी के खिलाफ कैसे खेलते हैं।

मैच फिक्सिंग के मामले में चार भारतीय खिलाड़ी निलंबित, क्रिकेट जगत में हड़कंप

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक बार फिर ईमानदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में सामने आए एक गंभीर मामले में असम क्रिकेट एसोसिएशन ने सख्त कदम उठाते हुए चार खिलाड़ियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई है, जिसने टूर्नामेंट की निष्पक्षता पर गहरी चिंता पैदा कर दी है। निलंबन की कार्रवाई जिन खिलाड़ियों पर हुई है, उनमें ईशान अहमद, अमन त्रिपाठी, अमित सिन्हा और अभिषेक ठाकुर शामिल हैं। इन सभी पर आरोप है कि उन्होंने असम टीम से जुड़े खिलाड़ियों को प्रभावित करने और उन्हें गलत दिशा में उकसाने की कोशिश की। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में इनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक 26 नवंबर से 8 दिसंबर के बीच खेले गए मुकाबलों के दौरान इन चारों की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। जैसे ही यह मामला अधिकारियों के संज्ञान में आया, असम क्रिकेट एसोसिएशन ने बिना देरी किए अनुशासनात्मक कदम उठाया। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण का खुलासा बीसीसीआई की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट की जांच के बाद हुआ। असम क्रिकेट एसोसिएशन ने प्रेस बयान जारी कर साफ कहा है कि ऐसे कृत्य खेल की निष्पक्षता और भरोसे को नुकसान पहुंचाते हैं। हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए चारों खिलाड़ियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया गया है।

डोमेस्टिक क्रिकेट में चमके मोहम्मद सिराज, शानदार गेंदबाजी के बाद खेल भावना से जीता दिल

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टी20 टीम में फिलहाल जगह न मिलने के बावजूद तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज मैदान पर खुद को साबित करने में जुटे हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से मिले इस छोटे ब्रेक का उन्होंने सकारात्मक इस्तेमाल किया है और घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार 12 दिसंबर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिराज ने हैदराबाद की ओर से खेलते हुए अपनी घातक गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींच लिया। इस मैच में उन्होंने 3.5 ओवर में मात्र 17 रन देकर 3 अहम विकेट झटके और टीम की जीत की नींव रखी। उनके इस प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

मुंबई जैसी मजबूत टीम के खिलाफ सिराज की सटीक लाइन-लेंथ और तेज रफ्तार ने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। उनकी गेंदबाजी के दम पर हैदराबाद की टीम मुंबई को 131 रन के स्कोर पर ही समेटने में कामयाब रही। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद ने बेहद आक्रामक अंदाज अपनाया और 11.5 ओवर में ही 9 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। इस आसान जीत के हीरो बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल रहे, जिन्होंने 40 गेंदों पर 7 चौके और 4 लंबे छक्कों की मदद से 75 रन की शानदार पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी ने मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

हालांकि मैच के बाद सबसे ज्यादा चर्चा मोहम्मद सिराज की खेल भावना की रही। जब उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार लेने के लिए बुलाया गया तो उन्होंने सीनियर खिलाड़ी होने का परिचय देते हुए यह सम्मान अपने साथी खिलाड़ी तन्मय अग्रवाल के साथ साझा कर लिया। सिराज का मानना था कि टीम की जीत में तन्मय की पारी उतनी ही अहम थी, जितनी उनकी गेंदबाजी। उनके इस जेस्चर ने न सिर्फ तन्मय का हौसला बढ़ाया, बल्कि ड्रेसिंग रूम में टीम स्पिरिट की मिसाल भी पेश की।

गौरतलब है कि मोहम्मद सिराज हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा रहे थे, लेकिन वनडे और टी20 टीम में उनका नाम नहीं चुना गया। इसके बावजूद सिराज क्रिकेट से दूर नहीं हुए हैं और घरेलू टूर्नामेंटों में लगातार मेहनत कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका से दूसरा टी20 हारने के बाद गंभीर और पांड्या में बहस, वीडियो वायरल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुल्लांपुर में सीरीज के दूसरे टी20 मुकाबले में हार मिली थी। टीम की हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर काफी निराशा और गुस्से में नजर आए। भारतीय टीम की हार के बाद गंभीर और आलराउंडर हार्दिक पांड्या के बीच जोरदार बहस की खबर सामने आ रही है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है। ये वीडियो दूसरे टी20 के बाद का बताया जा रहा है। वीडियो में गंभीर और पांड्या कुछ मिनट तक एक दूसरे के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। दोनों के चेहरे की भाव से अंदाजा लगाया जा रहा है कि हार के बाद गंभीर बहुत नाराज हैं और इसी मुद्दे पर हार्दिक पांड्या के साथ उनकी बहस हो रही है। मैच में हार्दिक का प्रदर्शन साधारण रहा था। गेंदबाजी में उन्होंने 3 ओवर में 34 रन दिए थे और एक भी विकेट नहीं लिया था। वहीं बल्लेबाजी में 23 गेंद पर सिर्फ 20 रन बना सके। उनका गेंद और बल्ले से साधारण प्रदर्शन भी गंभीर की निराशा का कारण हो सकता है। बता दें मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने क्विंटन डी कॉक के 46 गेंद पर 7 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 90 रनों की मदद से 4 विकेट पर 213 रन बनाए थे। भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर सिमट गई और 51 रन से हार गई।

बीबीएल: मिडिल ऑर्डर में भी उतर सकते हैं वॉर्नर, सिडनी थंडर को देना चाहते हैं नया विकल्प

सिडनी, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

सिडनी थंडर के कप्तान डेविड वॉर्नर ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में जरूरत पड़ने पर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाज़ी करने के संकेत दिए हैं। वॉर्नर ने कहा कि टीम संयोजन और रणनीति के लिहाज़ से वह कभी-कभी ओपनिंग के बजाय नीचे बल्लेबाज़ी कर सकते हैं, ताकि थंडर की बल्लेबाज़ी को अलग विकल्प मिल सके।

अपने करियर में लगभग हर स्तर पर ओपनिंग करने वाले वॉर्नर ने अब तक 423 में से 382 टी20 पारियों में पारी की शुरुआत की है। हालांकि युवा ओपनर सैम कॉन्स्टस के साथ बल्लेबाज़ी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, 'यह तभी होगा जब मैं ओपन करूं। यह पूरी तरह मैच-अप और रणनीति पर निर्भर करेगा। मिडिल ऑर्डर में हमें एक बाएं हाथ के बल्लेबाज़ की तलाश है, जिस पर फिलहाल बातचीत चल रही है।'

वॉर्नर ने फ्रेंचाइजी के हवाले से बताया कि मैट गिल्क्स इस भूमिका के लिए एक विकल्प हो सकते हैं, जबकि निक मैडिनसन और ब्लेक निकितारस भी थंडर के स्क्वॉड में बाएं हाथ के बल्लेबाज़ हैं। पिछले सीजन में टीम के पास वेस्टइंडीज़ के शर्फेन रदरफोर्ड थे, लेकिन वह छह पारियों में सिर्फ 74 रन ही बना सके थे। कप्तान वॉर्नर ने युवा सैम कॉन्स्टस को भी खुद पर भरोसा रखने और साहस के साथ खेलने की सलाह दी। घरेलू सीजन की शुरुआत में खराब फॉर्म के चलते कॉन्स्टस की एशेज में जगह बनाने की उम्मीदों को झटका लगा था, लेकिन हाल ही में उन्होंने शेफील्ड शील्ड में शतक और अर्धशतक जमाकर वापसी की है। वॉर्नर ने कहा, 'रनों से ही पहचान बनती है और वह इस वक्त यही कर रहा है। जब आप अचानक सुर्खियों में आते हैं तो दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन उसके पास अच्छा सपोर्ट सिस्टम है जो उसे संतुलित रखेगा।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि कॉन्स्टस के लिए सबसे अच्छा अभ्यास मैच खेलना है और शॉट चयन में उसे बेखौफ रहना चाहिए। थंडर कप्तान ने कहा कि टीम की जिम्मेदारी है कि कॉन्स्टस को उसके स्वाभाविक खेल के साथ खेलने का पूरा मौका मिले। 'उसे अपने खेल का आनंद लेना चाहिए। एक युवा खिलाड़ी को कई तरह की सलाह मिलती है, लेकिन अंत में उसे वही करना होता है जिस पर वह विश्वास करता है।' पिछले सीजन में फाइनल में होबार्ट हरिकेन्स से हार झेलने के बाद इस बार थंडर की नजर एक कदम आगे जाने पर है। वॉर्नर ने कहा, 'हमने पिछले सीजन में उम्मीद से बेहतर किया, कई करीबी मुकाबले जीते, लेकिन फाइनल में हमारा पूरा खेल नहीं दिखा।

टीपीएल सीजन-7 में एक साथ नजर आए लिएंडर पेस और महेश भूपति, 'ली-हेश' की मौजूदगी से सजी यादगार शाम

अहमदाबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

टेनिस प्रेमियों के लिए टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन-7 का चौथा दिन शुक्रवार बेहद खास रहा। इस टूर्नामेंट के दौरान भारतीय टेनिस के दो महान सितारे लिएंडर पेस और महेश भूपति एक साथ कोर्ट पर नजर आए। दोनों की मौजूदगी ने दर्शकों को 'ली-हेश' युग की यादें ताजा कर दीं।

लिएंडर पेस जीएस दिल्ली एसेस के ब्रांड एंबेसडर के रूप में मौजूद थे, जबकि महेश भूपति एसजी पाइपर्स बेंगलुरु टीम के समर्थन में पहुंचे। यह टीम एसजी स्पोर्ट्स के स्वामित्व में है, जहां भूपति सीईओ की भूमिका निभा रहे हैं। गौरतलब है कि पेस और भूपति की जोड़ी ने साथ में तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीते थे और विश्व नंबर-1 डबल्स जोड़ी बनी थी। अहमदाबाद में लीग के आयोजन को लेकर उत्साहित पेस ने कहा, 'अहमदाबाद में होना शानदार है। मौसम बेहतरीन है और यहां टेनिस प्रीमियर लीग की भव्यता देखना एक सपने जैसा है। हमारा लक्ष्य देशभर में टेनिस को लोकप्रिय बनाना है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं सानिया, रोहन, महेश और उन सभी सितारों का आभारी हूं जो इस लीग का समर्थन कर रहे हैं। यहां जूनियर्स, प्रोफेशनल्स, लड़के-लड़कियां और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एक साथ खेलते नजर आते हैं। पूरे टेनिस समुदाय का एक मंच पर आना वाकई खास है।' शुक्रवार को दिन के तीसरे मुकाबले में एसजी पाइपर्स बेंगलुरु ने जीएस दिल्ली एसेस को कड़े मुकाबले में 51-49 से हराया। मैचों पर प्रतिक्रिया देते हुए पेस ने कहा,' मेरा मुकाबला रोहन और महेश की टीम से था। इससे पहले महेश सानिया की टीम के खिलाफ खेले। ऐसे प्रतिस्पर्धी मुकाबले ही खेल को एकजुट करने का काम करते हैं।' अंक तालिका पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि जीएस दिल्ली एसेस 211 अंकों के साथ शीर्ष पर है। उन्होंने कहा, 'सीजन शानदार चल रहा है। मैं अपनी टीम को लेकर थोड़ा पक्षपाती जरूर हूं, लेकिन अभी काफी टेनिस बाकी है। यहां का फॉर्मेट बेहद दिलचस्प है।,'

अपने अनुभव और भूमिका को साझा करते हुए पेस ने कहा, '40 साल तक देश के लिए खेलना, 20 ग्रैंड स्लैम जीतना और 7 ओलंपिक खेलना सौभाग्य की बात है। अब युवाओं को मार्गदर्शन देना और इस तरह की लीग बनाना, जहां वे कमा सकें, प्रतिस्पर्धा कर सकें और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेल सकें—यही मुझे प्रेरित करता है।'

टीपीएल की यात्रा पर बात करते हुए 18 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता पेस ने कहा, 'यह टेनिस प्रीमियर लीग का सातवां सीजन है और इस पर हमें गर्व है। भविष्य में हम इसे अबू धाबी, दुबई और सिंगापुर जैसे शहरों तक ले जा सकते हैं, बड़े प्रायोजक और वैश्विक पहचान हासिल कर सकते हैं।' उन्होंने अंत में कहा, 'लेकिन एक देशभक्त होने के नाते, भारत में यह सब करना मुझे सबसे ज्यादा खुशी देता है। पहले मुंबई, फिर पुणे और अब अहमदाबाद—हमारा लक्ष्य साफ है, टेनिस को हर युवा दर्शक तक पहुंचाना।

दिसंबर के तीसरे सप्ताह टाटा सिएरा से लेकर निसान एमपीवी तक होंगी पेश

नई दिल्ली,13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

आने वाला सप्ताह भारतीय पैसेंजर वाहन सेगमेंट के लिए बेहद व्यस्त रहने वाला है। इस दौरान टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया और निसान मोटर इंडिया अपने नए और अपडेटेड मॉडलों को बाजार में पेश करने जा रही हैं, जिससे ऑटोमोबाइल बाजार में हलचल तेज होने की उम्मीद है। टाटा सिएरा की बुकिंग 16 दिसंबर से- टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी नई पीढ़ी की सिएरा की आधिकारिक बुकिंग 16 दिसंबर से शुरू करेगी। हालांकि, चुनिंदा डीलरशिप पर 21 हजार रुपये में इसकी अनौपचारिक प्री-बुकिंग पहले ही

ऑटोमोबाइल बाजार में हलचल तेज होने की उम्मीद

शुरू हो चुकी है। ग्राहकों को सिएरा की डिलीवरी 15 जनवरी से मिलनी शुरू होगी। इस एसयूवी में तीन इंजन विकल्प दिए जाएंगे, जिनमें 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल, 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन शामिल हैं। यह वाहन सात ट्रिम्स में उपलब्ध होगा, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.49 लाख रुपये रखी गई है। नैट्रेक्स परीक्षण में सिएरा का शानदार प्रदर्शन- हाल ही में इंदौर स्थित राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण एवं अनुसंधान अवसंरचना परियोजना में किए गए नियंत्रित परीक्षणों में टाटा सिएरा ने शानदार प्रदर्शन किया है। हाइपेरियन टी-जीडीआई पेट्रोल ऑटोमैटिक वेरिएंट ने प्रमाणित 12 घंटे की टेस्ट रन के दौरान 29.9 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज और 222 किलोमीटर प्रति घंटे की शीर्ष गति हासिल की। हालांकि, ग्राहकों के लिए उपलब्ध वाहनों में गति को इलेक्ट्रॉनिक रूप से 190 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित किया जाएगा। 15 दिसंबर को एमजी हेक्टर 2026 का अनावरण- जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया 15 दिसंबर को अपनी 2026 एमजी हेक्टर का वैश्विक अनावरण करेगी। नए मॉडल में नया ग्रिल, नई एलईडी लाइटिंग और नया सेलेडॉन ब्लू रंग दिया जाएगा। केबिन के अंदर सॉफ्टवेयर और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में हल्के बदलाव देखने को मिलेंगे। इंजन विकल्पों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि कीमतों में मामूली बढ़ोतरी संभव है। 18 दिसंबर को लॉन्च होगी निसान की नई एमपीवी- निसान मोटर इंडिया 18 दिसंबर को अपनी नई सब-4 मीटर मल्टी पर्पज़ व्हीकल लॉन्च करेगी। यह मॉडल रेनॉ ट्राइबर के प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा, लेकिन इसका डिज़ाइन और इंटीरियर पूरी तरह अलग होगा।

न्यूज ब्रीफ

स्टेट बैंक ने ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई, नई दरें 15 दिसंबर से लागू होंगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रजिर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की नीतिगत दर रेपो रेट में कटौती के बाद अपनी लेंडिंग रेट 0.25 फीसदी घटा दिया है, जिससे मौजूदा और नए कर्जदारों के लिए लोन सस्ता हो गया है। नई दरें 15 दिसंबर, 2025 से लागू होंगी। बैंक ने जारी एक बयान में बताया कि एसबीआई ने ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के साथ ही स्टेट बैंक की बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (ईबीएलआर) 0.25 फीसदी घटकर 7.90 फीसदी हो जाएगी। बैंक ने यह कदम रिजर्व बैंक के इस महीने नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद उठाया है। इसके अलावा बैंक ने सभी कार्यकाल के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में भी 0.05 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद एसबीआई की एक साल की मैच्योरिटी वाला एमसीएलआर मौजूदा 8.75 फीसदी से घटकर 8.70 फीसदी हो जाएगा। इसी तरह एक साल की परिपक्वता दर 0.05 फीसदी घटकर क्रमशः 8.75 फीसदी और 8.80 फीसदी तक सस्ती होगी।

जियोस्टार और आईसीसी की बनी रहेगी साझेदारी

मुंबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और जियोस्टार ने स्पष्ट किया है कि भारत में आईसीसी के मीडिया राइट्स को लेकर दोनों के बीच 2024-2027 का समझौता पूरी तरह लागू है। जियोस्टार ने अपने मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट से कोई कदम पीछे नहीं खींचा है और वह आगामी फरवरी में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का प्रसारण करेगा। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जियोस्टार आईसीसी मीडिया राइट्स से हट रहा है। आईसीसी और जियोस्टार ने संयुक्त बयान में कहा कि यह खबरें पूरी तरह गलत हैं। दोनों संस्थाओं ने दोहराया कि जियोस्टार भारत में आईसीसी का आधिकारिक मीडिया पार्टनर बना रहेगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि आईसीसी 2026 से आगे के मीडिया राइट्स के लिए अन्य कंपनियों जैसे सोनी, प्राइम वीडियो और नेटफ्लिक्स से बातचीत कर रहा है। वहीं, जियोस्टार अपने वित्तीय घाटे को कम करने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जियोस्टार ने 2024-25 में खेल अनुबंधों के संभावित नुकसान का अनुमान लगभग 25,760 करोड़ रुपए बताया है।

केएफसी ने यूएई में हटाए रेस्टोरेंट के दरवाजे, बोर्ड पर लिखा हैः जब हम कभी बंद ही नहीं होते, तो दरवाज़े की क्या जरूरत

नई दिल्ली। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन केएफसी ने यूएई में अपने कुछ रेस्टोरेंट्स के मुख्य दरवाजे हटा दिए हैं। अब जहां पहले लोग अंदर जाने के लिए दरवाज़ा खोलते थे, वहां एक बड़ा बोर्ड लगा है, जिस पर लिखा हैः जब हम कभी बंद ही नहीं होते, तो दरवाजे की क्या जरूरत इसके साथ क्यूआर कोड भी दिए गए हैं, जिन्हें स्कैन करके ग्राहक सीधे आउटलेट तक पहुंच सकते हैं। कंपनी का कहना है कि यह कदम 24 घंटे खुले रहने की सूचना ग्राहकों तक सबसे असरदार तरीके से पहुंचाने के लिए उठाया गया है। केएफसी का पूरा नाम केनटुकी फ्रायड चिकन है, जिसकी स्थापना कर्नल हार्लैंड सैंडर्स ने की थी। मैकडॉनल्ड्स के बाद यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रेस्टोरेंट चेन है। सितंबर 2025 तक केएफसी के 31,980 से अधिक रेस्टोरेंट 150 देशों में फैले हैं। भारत में केएफसी 1995 में बैंगलोर में पहली बार खुला था और अब 1000 से अधिक आउटलेट हैं। इसके सिग्नेचर प्रोडक्ट्स में ओरिजिनल रेसिपी चिकन, हॉट एंड क्रिस्पी, जिंगर बर्गर और चिकन बकेट शामिल हैं। कर्नल हार्लैंड सैंडर्स का जन्म 9 सितंबर 1890 को इंडियाना में हुआ था। 5 साल की उम्र में पिता की मृत्यु हो गई और मां फैक्ट्री में काम करने लगीं। सैंडर्स ने 7 साल की उम्र से खाना बनाना सीखा। सेना, रेलवे, इंश्योरेंस, क्रेडिट कार्ड बिक्री, लैंप बनाने और नाव चलाने जैसे कई कामों में असफलताओं का सामना करने के बाद उन्होंने केएफसी की स्थापना की ।

नवंबर में रिटेल महंगाई 0.71 फीसदी पहुंची, अक्टूबर में 0.25 फीसदी थी

अक्टूबर में महंगाई खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी

नवंबर में महंगाई बढ़ी क्योंकि जरूरी चीजों और ईंधन की कीमतें बढ़ गईं

शहरी इलाकों में महंगाई तेजी से बढ़ी, जबकि ग्रामीण इलाकों में धीरे-धीरे बढ़ी

नई दिल्ली,13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सरकार ने नवंबर 2025 के महंगाई आंकड़े जारी किए। रिटेल महंगाई यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 0.71 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह केवल 0.25 फीसदी पर थी, जो पिछले 14 साल में सबसे कम थी। नवंबर में महंगाई में बढ़ोतरी मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस-मछली, मसालों, ईंधन और बिजली की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। सीपीआई बास्केट में करीब 50 फीसदी हिस्सा खाने-पीने की चीजों का होता है। नवंबर में खाद्य महंगाई माइनस 5.02 फीसदी से बढ़कर -3.91 फीसदी हो गई। इसका मतलब यह है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट धीमी हुई। महंगाई में अंतर शहर और गाँव के बीच साफ देखा गया। ग्रामीण महंगाई -0.25 फीसदी से बढ़कर -0.10 फीसदी हुई, जबकि शहरी महंगाई 0.88 फीसदी से बढ़कर 1.40 फीसदी पर पहुंच गई। इससे पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में महंगाई की वृद्धि ज्यादा तेज रही। भारत में सीपीआई की वर्तमान सीरीज 2012 बेस ईयर पर आधारित है। बेस ईयर वह साल होता है जिसकी कीमतों को आधार मानकर तुलना की जाती है। उदाहरण के लिए, अगर 2020 में टमाटर 50 रुपए था और 2025 में 80 रुपए हो गया।

नए श्रम कानूनः पीएफ कटौती से टेक-होम सैलरी पर असर नहीं, 15,000 रुपये तक पीएफ कटौती अनिवार्य, 15,000 से ऊपर पीएफ देना ऑप्शनल

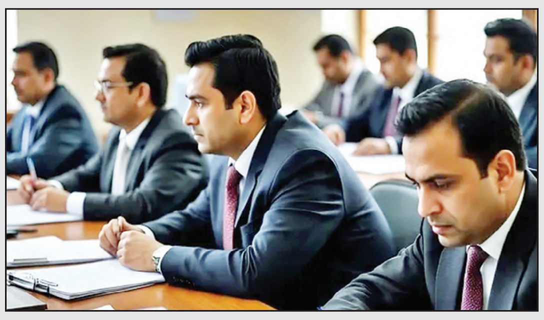

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय ने नए श्रम कानूनों को लेकर कर्मचारियों के भ्रम को दूर किया है। मंत्रालय ने कहा कि जिन कर्मचारियों के पीएफ की कटौती 15,000 रुपये की वेज सीलिंग के आधार पर होती है, उनकी टेक-होम सैलरी में कोई कमी नहीं आएगी। पीएफ कटौती इसी सीमा तक अनिवार्य होगी, जबकि 15,000 रुपये से ऊपर का योगदान कर्मचारी की इच्छा पर निर्भर करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि केवल उन्हीं कर्मचारियों की टेक-होम सैलरी प्रभावित होगी, जिनकी पीएफ कटौती पूरा बेसिक सैलरी देखकर होती है। नए नियमों के तहत यदि कंपनी बेसिक सैलरी का 50 फीसदी जोड़कर पीएफ कैलकुलेट करती है, तो कटौती बढ़ सकती है और टेक-होम सैलरी कम हो सकती है। मंत्रालय ने उदाहरण दिया है। मान लें कर्मचारी की कुल सैलरी 60,000 है, जिसमें बेसिक 20,000 और भत्ते 40,000 रुपए हैं। पुराने नियम के मुताबिक पीएफ पूरी बेसिक पर 12 फीसदी कर्मचारी प्लस 12 फीसदी नियोक्ता = कुल 4,800 रुपए, नए लेबर कोड के तहत पीएफ 50 फीसदी नियम से बढ़कर कुल 7,200 रुपए हो सकता है। यदि 15,000 वेज सीलिंग लागू है तो कुल पीएफ 3,600 रुपए ही रहेगा, और टेक-होम सैलरी 56,400 रुपए बनी रहेगी।

चांदी का दवा से लेकर इंडस्ट्रीयल धातु तक का सफर

नई दिल्ली,13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

चांदी सिर्फ आभूषण या निवेश के लिए ही नहीं, बल्कि आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाती है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस को रोकते हैं। घाव भरने वाली ड्रेसिंग, बर्न क्रीम, मेडिकल बैंडेज और सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स में सिल्वर कोटिंग संक्रमण का खतरा कम करती है। कुछ देशों में सिल्वर-आधारित वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम भी पानी को बैक्टीरिया-फ्री बनाने में मदद करते हैं। चांदी दुनिया की सबसे अच्छी इलेक्ट्रिकल कंडक्टर है।

चांदी के एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस को रोकते हैं

इसलिए इसका उपयोग स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी, माइक्रोचिप्स और सर्किट बोर्ड में अनिवार्य है। 5जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के बढ़ते चलन के कारण चांदी की इंडस्ट्रियल मांग लगातार बढ़ रही है। सोलर पैनल में सिल्वर पेस्ट का इस्तेमाल सूर्य की रोशनी को बिजली में बदलने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाता है। जैसे-जैसे दुनिया ग्रीन एनर्जी की ओर बढ़ रही है, सोलर पावर की मांग के साथ चांदी की खपत भी बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक कारों में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, पावर कंट्रोल यूनिट और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चांदी का उपयोग अधिक होता है। ईवी सेक्टर के तेजी से बढ़ने के कारण चांदी की इंडस्ट्रियल मांग में इजाफा हो रहा है। भारत में मिठाइयों और धार्मिक अनुष्ठानों में चांदी का उपयोग सांस्कृतिक महत्व रखता है। निवेशक इसे सोने का सस्ता विकल्प मानते हैं, लेकिन असली ताकत इसके ड्यूल कैरेक्टर में है: यह कीमती धातु भी है और इंडस्ट्रियल मेटल भी।

वुहान, मध्य चीन के हुबेई प्रांत में 2025 में प्रदर्शनी

वुहान, मध्य चीन के हुबेई प्रांत में 2025 वुहान इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल डिज़ाइन एक्सपो में एक प्रदर्शनी देख रहे लोग। यह एक्सपो शुक्रवार को यहाँ शुरू हुआ, जिसमें छोटी अर्थव्यवस्था, एआई सशक्तिकरण और भविष्य के उद्योगों सहित दस विशेष प्रदर्शनी क्षेत्र शामिल हैं। प्रदर्शनी में 100 से ज़्यादा कंपनियों ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परमाणु ऊर्जा विधेयक को मंजूरी दी

सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना

नई दिल्ली,13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परमाणु ऊर्जा विधेयक को मंजूरी दी है। इसका मुख्य उद्देश्य गैर-सामरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों और विदेशी तकनीक आपूर्तिकर्ताओं के लिए खोलना है। इसके तहत परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 में संशोधन प्रस्तावित है।

वर्तमान कानून निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश को रोकते हैं, जबकि विधेयक पारित होने पर यह बाधाएं दूर हो सकती हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है। यह पहल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा फरवरी में प्रस्तुत बजट भाषण में घोषित परमाणु ऊर्जा मिशन को लागू करने में मदद करेगी। उच्च-स्तरीय पैनल की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि निजी क्षेत्र की भागीदारी के बिना यह लक्ष्य हासिल करना कठिन होगा। निजी कंपनियों की भागीदारी से परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध होगी और निर्माण में दक्षता बढ़ेगी। इससे तेज़ और लागत-कुशल परियोजना निष्पादन संभव होगा। हालांकि, आपूर्तिकर्ता और संभावित ऑपरेटर सीएलएनडी अधिनियम के दायित्व की सीमा को लेकर अनिश्चित हैं। विधेयक को संसद के वर्तमान सत्र के विधायी एजेंडे में शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि विधेयक मसौदे के अंतिम चरण में है और मंत्रालयों की टिप्पणियों के बाद इसे आगे बढ़ाया जाएगा। यह कदम भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य के लिए रणनीतिक महत्व रखता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तिरुवनंतपुरम में...

तिरुवनंतपुरम में बीजेपी की जीत और केरल के अन्य कई इलाकों में बेहतर प्रदर्शन के बाद सूबे की राजनीति में बड़े बदलाव की चर्चा शुरू हो गई है। बीजेपी के राज्य अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने दावा किया कि पार्टी को पूरे केरल में 20 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और शासन की नाकामी के खिलाफ जनता की नाराजगी का नतीजा बताया। तिरुवनंतपुरम के बाहर भी कई इलाकों में बीजेपी का प्रदर्शन पिछले चुनावों के मुकाबले बेहतर रहा। पार्टी के नियंत्रण में कई पांच ग्राम पंचायतें और 2 नगरपालिकाएं भी आई हैं।नतीजों के मुताबिक, यूडीएफ ने इन स्थानीय निकाय चुनावों में बड़ी जीत दर्ज की है। यूडीएफ ने कुल 500 ग्राम पंचायतें जीतीं, जबकि एलडीएफ को 341 में जीत मिलीं। छूअ का तिरुवनंतपुरम में उभार चर्चा का केंद्र बन गया, जहां उसने निगम में कुल 50 सीटें हासिल कीं। यूडीएफ ने 7 जिला पंचायतें जीतीं, जबकि एलडीएफ को 6 पर जीत मिली। शहरों में यूडीएफ ने 54 नगरपालिकाएं और 4 निगम जीते, जबकि एलडीएफ को सिर्फ 1 निगम और 28 नगरपालिकाएं मिलीं।राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक, केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने तीन सीटें जीतीं। जीतने वाली एएपी उम्मीदवार हैं: बीना कुरियन (वार्ड 13, करीमकुन्नम ग्राम पंचायत), सिनी एंटनी (वार्ड 16, मुलेनकोल्ली ग्राम पंचायत) और स्मिता ल्यूक (वार्ड 4, उझवूर ग्राम पंचायत)। स्थानीय निकाय चुनावों के इन परिणामों ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जोरदार मुकाबले की नींव रख दी है। तिरुवनंतपुरम में बीजेपी का उभार केरल की राजनीति में बदलते परिदृश्य की ओर इशारा कर रहा है। अब देखना है कि आने वाले वक्त में सूबे की सियासी हवा किस ओर बहती है।

बिहार में झटके के ...

पहला शिखर सम्मेलन बेंगलुरु में आयोजित किया गया था, और यह शहर में आयोजित होने वाला दूसरा है। यादव ने नारा भी दिया: मजिससे हो सबकी भलाई, वही है सच्चा एआई।उन्होंने चिंता व्यक्त की कि उत्तर प्रदेश में देश में साइबर अपराधों की संख्या सबसे अधिक है, और साइबर घोटाले दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं। उन्होंने समझाया कि साइबर अपराधी न केवल आम लोगों से पैसे चुरा रहे हैं, बल्कि उच्च पदस्थ अधिकारियों और न्यायाधीशों को भी धोखा दे रहे हैं। उन्होंने जोर दिया, एआई की मदद से फर्जी वीडियो बनाए जाते हैं, जो सोशल मीडिया पर प्रसारित होते हैं। एआई तकनीक का उपयोग करके इन सभी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। मुझे उम्मीद है कि हर कोई तकनीक से लाभान्वित होगा।भारत के चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की आबादी लगभग 25 करोड़ है, और भाजपा सरकार इस अभ्यास के माध्यम से लगभग 3 करोड़ मतदाताओं को हटाने की कोशिश कर रही है।यादव ने कहा कि प्रौद्योगिकी के अनुचित उपयोग के कारण कई वोट खो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा डखठ केवल उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में जीतने के लिए कर रही है। यादव ने आरोप लगाया, यह डखठ नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की प्रक्रिया है।यादव ने जोर देकर कहा, भाजपा सरकार एसआईआर का उपयोग कर रही है क्योंकि वह सीधे एनआरसी लागू नहीं कर सकती है। यहाँ तक कि बूथ-स्तर के अधिकारियों को भी प्रशिक्षित नहीं किया गया है, जिससे जमीनी स्तर पर अनगिनत चुनौतियाँ और समस्याएँ पैदा हो रही हैं। मतदान का अधिकार देना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, वोटों को हटाना नहीं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष...

जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार उत्तरप्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव एक हफ्ते पहले हो जाता, लेकिन इंडिगो संकट के कारण बिलंब हो गया।

वैसे राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए आधे से अधिक प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की जरूरी अहर्ता जुलाई के पहले हफ्ते में ही पूरी हो गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भाजपा के राष्ट्रीय परिषद के सभी सदस्य शामिल होते हैं। चूंकि राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का चयन प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के साथ ही होता है। जाहिर उत्तर प्रदेश से अब राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के नाम भी सामने आ जाएंगे।

देश के सबसे बड़ा राज्य और राष्ट्रीय परिषद में सबसे अधिक संख्या होने के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के पहले उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव जरूरी समझा गया।अब केवल दिल्ली, हरियाणा, त्रिपुरा और कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना बाकी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की दौड़ में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शहरी विकास मंत्री एमएल खट्टर के साथ-साथ महासचिव सुनील बंसल के नाम की चर्चा है। लेकिन भाजपा नेतृत्व चौंकाने वाला नाम देने के लिए प्रसिद्ध है।

रविवार को बन रहा समसप्तक योग

मेष और वृश्चिक समेत अन्य राशियों को होगा धन लाभ

आज यानी 14 दिसंबर, रविवार को मिथुन राशि में गुरु और धनु राशि में मंगल के होने से महत्वपूर्ण समसप्तक योग बन रहा है। यह योग व्यक्ति के जीवन में साहस और निर्णय लेने की शक्ति को बढ़ाता है। इसके साथ ही सूर्य से एकादश भाव में चंद्रमा का स्थित होना समयोग बना रहा है। यह योग जातक की सभी इच्छाओं की पूर्ति करवाता है। इन दोनों योगों के प्रभाव से व्यक्ति को करियर, धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है।

मेष – राशि का स्वामी मंगल नवम भाव में चल रहा है। चन्द्रमा कन्या राशि का षष्ठम भाव में आपके अन्दर भोग विलास के भावना को बढ़ायेगा। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे, यदि आप व्यापार कर रहे हैं तो आपके व्यापार में आज कुछ नये परिवर्तन होंगे जिससे आगे चलकर आपको लाभ होगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट रहें।

वृष –आज आपकी राशि से पंचम भाव में चन्द्रमा आपके जीवन विघ्न बाधाएं उत्पन्न करेगा। सांसारिक सुख भोग और नौकर चाकरों से असहयोग से परेशानी रहेगी। परिवार की तरफ से भी वांछित समाचार मिलने के संकेत नहीं है। सायं 5 बजे के बाद चन्द्रमा के तुला राशि में प्रवेश करने के उपरान्त कुछ धैर्य बंधेगा, पड़ोसी सहयोग करेंगे।

मिथुन –आज आपमें अपने कार्य के प्रति लगन रहेगी एवं रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आप नए-नए कार्यों में विनियोग करेंगे। आपके परिवार में मनमुटाव की स्थिति रहेगी। सायंकाल के समय वाहन खराब होने से अकस्मात् खर्चा बढ़ेगा। आप इस समय में धैर्य से काम लें क्योंकि जल्दबाजी में किए गए कार्य से आप परेशान हो सकते हैं।

कर्क –आज आप अधिकांश क्रियाकलापों में लिप्त रहेंगे। इस समय में अध्यात्म से तत्व ज्ञान की वृद्धि होगी। सायंकाल से देर रात तक आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपकी बुद्धि विवेक, नए-नए कार्यों की खोज करने में लगेगी। आप दूसरों की कमियां ढूंढना छोड़ दें तो आज आपकी शान में चार चांद लग सकता है।

सिंह –आज कन्या का चन्द्रमा आपको बहुमूल्य वस्तु से लाभ प्राप्त करायेगा। अपनी शान शौकत के लिए धन का व्यय करेंगे, गरीबों की सहायता और अपनी वाक् पटुता, कार्य कुशलता से दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर आकृष्ट करने में सक्षम रहेंगे। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक आपकी रुचि धर्म-अध्यात्म में लगेगी।

कन्या –आज राशि से द्वितीय भाव में चन्द्रमा राज्य विजय कारक है। आपके प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो कि चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।

तुला –अधिक परिश्रम करने के कारण स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। राज्य और समाज की ओर से वांछित सहयोग मिलेगा, परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ेगा। सब लोग आपके साहस और पराक्रम की प्रशंसा करेंगे।

वृश्चिक –आज का दिन मिश्रित फल कारक है। द्वितीय भाव में मंगल होने के कारण आपको पेट एवं वायु से संबंधित कष्ट होने की संभावना रहेगी। ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो आपकी खिन्नता को बढ़ा देंगे। सायंकाल के समय कोई खुशखबरी मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। रात्रि के समय किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

धनु –राशि से एकादश लाभ भाव में चन्द्रमा धर्म अध्यात्म में वृद्धि करेगा। दिन का कुछ समय सामाजिक क्रियाकलापों में भी लगेगा। आपके भौतिक सुख सुविधाओं में कुछ कमी आ सकती है। यदि आप अपने मन की बात को शीघ्र दूसरों से उजागर न करें तो रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। षष्ठम भाव में बृहस्पति आपके स्वास्थ्य में गड़बड़ कर सकता है। अतः खान पान में विशेष नियंत्रण करके स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

मकर –आज राशि से नवम त्रिकोण भाव चन्द्र अष्टम स्थान में केतु, सूर्य, मंगल, शुक्र योग आपके निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ करायेगा। यदि आपका कोई विवाद राज्य में या समाज में लंबित हो तो उनमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना रहेगी। धन का लाभ होगा। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक का समय ईश्वर भक्ति, तप, यज्ञ, पुण्य कार्यों में लगेगा।

कुंभ –आज का दिन आपके लिए भविष्य की नवीन संभावनाओं को लेकर आ रहा है। आपकी रुचि आध्यात्मिक, आपके अच्छे कर्मों से आपके खानदान का नाम ऊँचा होगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्य में सफलता मिलेगी। सायंकाल का समय गाने बजाने संगीत और सैर सपाटे में बीतेगा।

मीन –आज राशि से द्वादश राहु शत्रु चिन्ता की निवृत्ति कारक है। मानसिक अशांति खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। आपकी संतान व पत्नी के प्रति प्रेम भावना बढ़ेगी। यदि आपका प्रमोशन होने वाला है तो अवश्य प्राप्त होगा। आपको आकस्मिक चिन्ता होने की संभावना है। जिससे आप अपनी वाक् पटुता से शीघ्र ही दूर कर लेंगे। दूसरे व्यक्तियों व आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सायंकाल तक आप कामयाब हो जायेंगे। रात्रि में अकस्मात् अतिथियों के आगमन से असुविधा होगी।

हनुमान चालीसा का पाठ करने से भय, रोग, संकट का होता है नाश

कब नहीं करना चाहिए पाठ और जाने इसके नियम

हनुमान चालीसा का पाठ हिंदू धर्म में अत्यंत फलदायी और प्रभावशाली माना गया है। नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने से बजरंगबली प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति के जीवन से भय, रोग, संकट का नाश होता है। शनि की महादशा और साढ़ेसाती को दूर करने के लिए भी हनुमान जी की पूजा करना लाभकारी माना जाता है। हालांकि, शास्त्रों में इसके पाठ से जुड़े कुछ नियम भी बताए गए हैं।

जन्म और मृत्यु दोनों समय को अशौच माना जाता है। इस दौरान मंत्र जप और स्तोत्र पाठ करने से बचना चाहिए। हनुमान चालीसा के पाठ के लिए इन नियमों का पालन करना बेहद जरूरी माना जाता है।

दोपहर के समय हनुमान चालीसा का पाठ

दोपहर के समय हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करना चाहिए। ब्रह्म मुहूर्त, सूर्योदय या शाम के समय हनुमान चालीसा का पाठ सबसे श्रेष्ठ माना गया है। मान्यता है कि दोपहर के समय हनुमान जी विभीषण जी को दिए गए वचन के अनुसार लंका चले जाते हैं। इसी वजह से दोपहर में हनुमान जी की पूजा नहीं की जाती।

मासिक धर्म के समय हनुमान चालीसा का पाठ

महिलाओं को मासिक धर्म के समय हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में इस अवस्था को शारीरिक और मानसिक विश्राम का समय बताया गया है। इस अवधि में पूजा-पाठ और मंत्र जप करने की मनाही होती है।

मृत्यु के समय हनुमान चालीसा का पाठ

किसी की मृत्यु के बाद भी हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करना चाहिए। मृत्यु के बाद परिवार पर शोक और अशौच की स्थिति होती है। इस समय धार्मिक ग्रंथों के अनुसार नियमित पूजा-पाठ को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाता है। शोक काल समाप्त होने और शुद्धि संस्कार के बाद ही पूजा आरंभ करनी चाहिए।

बच्चे के जन्म के समय हनुमान चालीसा का पाठ

इसी प्रकार, जब घर में किसी बच्चे का जन्म हुआ हो तब भी हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करना चाहिए। जन्म के बाद कुछ दिनों तक परिवार पर सूतक माना जाता है। यह समय नवजात और माता की देखभाल के लिए होता है। इस अवधि में पूजा-पाठ को कुछ समय के लिए बंद कर देना चाहिए।

हनुमान चालीसा का सही समय

मंगलवार और शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त या संध्या के समय हनुमान चालीसा पढ़ना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। हनुमान चालीसा का पाठ नियमों को ध्यान में रखकर करने से न केवल भय, रोग और बाधाएं दूर होती हैं, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ती है।

ब्रह्म मुहूर्त में दिख जाए ये सपना तो समझो चमकने वाली है किस्मत!

स्वप्न शास्त्र में ब्रह्म मुहूर्त को अत्यंत पवित्र और फलदायी समय माना गया है। सूर्योदय से लगभग डेढ़ से दो घंटे पहले देखे गए सपनों का प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर गहरा पड़ता है। ब्रह्म मुहूर्त में देखे गए शुभ सपनों का प्रभाव लंबे समय तक रहता है। मान्यता है कि इस समय चेतना शुद्ध और मन स्थिर होता है, इसलिए ब्रह्म मुहूर्त में आए सपने केवल कल्पना नहीं बल्कि भविष्य के संकेत होते हैं। कहा जाता है कि इस समय देखे गए सपने अकसर शुभ फल देने वाले होते हैं। ये सपने अधिकतर धन लाभ और तरक्की का संकेत देते हैं।

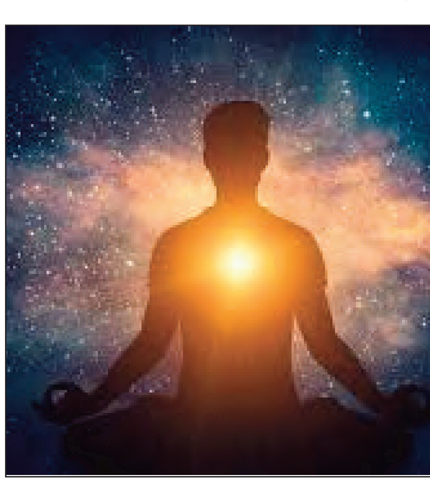

सपने में पानी का घड़ा देखना

सपने में पानी से भरा घड़ा या उसके पास खड़े रहने का सपना देखना समृद्धि का संकेत माना जाता है। ऐसे सपने संकेत देते हैं कि भविष्य में आर्थिक स्थिति मजबूत होने वाली है। कहा जाता है कि ये सपना भविष्य में धन की प्राप्ति, संपत्ति से जुड़े लाभ और शुभ समाचार मिलने की ओर इशारा करता है।

सपने में इंटरव्यू देते देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त के दौरान कुछ सपनों को बेहद मंगलकारी माना जाता है। व्यक्ति को अगर ब्रह्म मुहूर्त में नौकरी का इंटरव्यू देते हुए सपना दिखे तो इसे आर्थिक उन्नति और आय में वृद्धि का संकेत माना जाता है। ऐसा सपना बताता है कि व्यक्ति को रोजगार के अवसर मिलने वाले हैं।

सपने में सोना-चांदी देखना

ब्रह्म मुहूर्त में सोना-चांदी और धन से भरी तिजोरी देखना अचानक बड़े धन लाभ की ओर संकेत करता है। ऐसे सपने करियर में उन्नति, व्यापार में लाभ और निवेश से अच्छे परिणाम मिलने की ओर भी इशारा करते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त में दिखे ये सपने रातों रात व्यक्ति की किस्मत बदल सकते हैं।

सपने में देवी-देवता देखना

स्वप्न शास्त्र कहता है कि ब्रह्म मुहूर्त में मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु या किसी अन्य देवी-देवता के दर्शन सपने में होना अत्यंत शुभ संकेत होता है। ऐसे सपने बताते हैं कि आने वाले समय में आपको भाग्य का प्रबल सहयोग मिलने वाला है। इसे धन, संपत्ति और आर्थिक स्थिति के बेहतर होने के संकेत के तौर पर भी देखा जाता है।

सपने में अनाज का ढेर देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में अनाज का ढेर देखना शुभ संकेत माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त में दिखा ये सपना आपकी किस्मत को बदलने वाला साबित हो सकता है। ऐसा सपना अचानक धन प्राप्ति की ओर इशारा करता है।

बुधादित्य योग का संयोग

सूर्यदेव बना रहे हैं मेष और वृश्चिक समेत अन्य राशियों को भाग्यशाली

आज यानी 14 दिसंबर दिन है रविवार। ऐसे में आज के स्वामी देवता रहेंगे भगवान सूर्यदेव जबकि आज तिथि है पौष मास की कृष्ण पक्ष की दशमी उपरांत एकादशी। इस पर आज चंद्रमा का संचार कन्या उपरांत तुला राशि में होने जा रहा है। ऐसे में आज के दिन चंद्रमा और सूर्य वेशी योग बनाएंगे। जबकि आज सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग भी बनेगा। साथ ही आज चित्रा नक्षत्र के संयोग में शोभन और सर्वार्थ सिद्धि एवं अमृत सिद्धि योग का भी संयोग बना है। ऐसे में आज का दिन सूर्यदेव की कृपा और बुधादित्य योग के संयोग से मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मकर राशि के जातकों को भाग्यशाली बना रहा है। इन राशियों को आज किन-किन मामलों में लाभ मिलेगा।

मेष राशि – मेष राशि के लिए आज का दिन घर परिवार के मामले मे बहुत ही शुभ और लकी रहेगा। आपको आज परिवार के साथ सुखद और रोमांचक समय बिताने का मौका मिलेगा। आप परिवार के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। पुण्य लाभ मिलने का संयोग बनेगा। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का प्रभाव और सम्मान बढेगा। आपको आज बिजनेस में, विशेष तौर पर किराना कारोबार और खानपान से जुड़े काम में लाभ मिलेगा। आप किसी मनोरंजक काम का आनंद लेंगे। किसी सगे संबंधी से मिलने का संयोग बनेगा। साझेदारी के कम में भी आज का दिन आपका सुखद रहेगा। आर्थिक मामलो में दिन लाभ तो दिलाएगा लेकिन सुखव साधनों पर खर्च भी होगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर गुड़ का दान करना चाहिए।

कर्क राशि –कर्क राशि के लिए आज का दिन सुख साधनों को प्रदान करने वाला रहेगा। आपको आज परिवार के लोगों से पूरा सपोर्ट मिलेगा। अगर आप किसी प्रॉपर्टी डील के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको कामयाबी मिलेगी। नौकरी मे आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। आपका कोई घरेलू काम जो काफी समय से अटक रहा था वह पूरा हो सकता है। माता और मातृ पक्ष के संबंधियों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको कोई उपहार भी आज मिलने वाला है। लव लाइफ के मामले में आज का दिन आपका रोमांटिक रहेगा। प्रेमी के साथ आप डिनर डेट का आनंद ले सकते हैं। जो जातक वाहन खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको वाहन सुख प्राप्त हो सकता है। संतान की ओर से भी प्रसन्नता मिलेगी।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कन्या राशि –कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन रचनात्मक काम में लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आज कोई बड़ा मौका मिल सकता है। आपको दोस्तों और सगे संबंधियों से मिलने का मौका मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको रुचिकर भोजन मिलने वाला है। कारोबार में आपको लाभ मिलेगा। वस्त्रों और ज्वेलरी के कारोबार में आपको लाभ मिलेगा। आपकी रुचि धर्म कर्म के काम में रहेगी। संतान की ओर से आपको प्रसन्नता मिलेगी। जो लोग घर या प्रॉपर्टी खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको आज अपने प्रयास में सफलता मिलेगी।

उपाय : आपको आज दिन को अनुकूल बनाए रखने के लिए गणेशजी को दूर्वा और सिंदूर अर्पित करना चाहिए।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज रविवार का दिन विभिन्न क्षेत्रों में लाभ दिलाने वाला रहेगा। आप आज एक से अधिक स्रोत से लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आपका सामाजिक कद और प्रभाव बढेगा। राजनीतिक संपर्क से आपको फायदा मिल सकता है। भाई बहनों से आपको सहयोग और सपोर्ट मिलेगा। आप रुचिकर भोजन का आनंद ले पाएंगे। आपके घर में किसी शुभ काम की योजना बन सकती है। आपके घर में आज सुख साधनों का आगमन हो सकता है।

उपाय : आज आपको उपाय के तौर पर शिवजी का दूध से अभिषेक करना चाहिए।

सफला एकादशी व्रत में क्या करें और क्या न करें

इन नियमों का ध्यान रखने से पूर्ण फल होगा प्राप्त

सफला एकादशी का हिंदू धर्म में खास महत्व है। हर वर्ष पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को सफला एकादशी पड़ती है। इसका व्रत करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। सफला एकादशी पर विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने का विधान होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। लेकिन एकादशी तिथि पर व्रत करने वाले जातकों को कुछ विशेष नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इस दिन कुछ कार्य करने वर्जित माने गए हैं और कुछ कार्य एकादशी पर जरूर करने चाहिए। तभी व्रत और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

सफला एकादशी के दिन भूलकर भी न करें ये काम

एकादशी तिथि का हिंदू धर्म में खास महत्व है। इस व्रत को बेहद पुण्यकारी माना गया है। ऐसे में भूलकर भी एकादशी तिथि पर व्रती और परिवार के सदस्यों को क्रोध नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस दिन बुराई करने, झगड़ा करने आदि कार्यों से भी बचना चाहिए। ऐसा करने से पूजा और व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

सफला एकादशी के दिन व्रत करने वालों को भूलकर भी दिन के वक्त नहीं सोना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप और ध्यान करना चाहिए।

इस बार सफला एकादशी व्रत 15 दिसंबर, सोमवार को रखा जाएगा। और एकादशी व्रत के नियमों का पालन करना एक दिन पहले यानी दशमी तिथि से ही शुरू कर देना चाहिए। ऐसे में दशमी तिथि पर भूलकर भी तामसिक भोजन का सेवन न करें।

एकादशी तिथि पर चावल का सेवन करना वर्जित माना गया है। ऐसे में भूलकर भी इस दिन चावल नहीं बनाने चाहिए। साथ ही, इस नियम का ध्यान परिवार के सदस्यों को भी रखना चाहिए।

मान्यता है कि एकादशी तिथि पर कभी भी तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

सफला एकादशी के दिन भूलकर भी बाल नहीं कटवाने चाहिए। साथ ही, दिन के वक्त झाड़ू लगाने से भी बचना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

सफला एकादशी के दिन क्या करना चाहिए

व्रती को सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, उनके अवतारों की पूजा करने से बेहद उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इस दिन विष्णुजी के मंत्रों का जाप अवश्य करें।

एकादशी तिथि से एक दिन पहले यानी दशमी तिथि से ही व्रती को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दिन सात्विक भोजन करना चाहिए और मन में को शांत रखकर अच्छे विचार रखने चाहिए।

सफला एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर साफ-सफाई करके स्नानादि करना चाहिए। इसके पश्चात, साफ वस्त्र धारण करके विष्णुजी के मंत्र सहित व्रत का संकल्प लें। साथ ही, व्रत कथा का पाठ करना भी आवश्यक माना जाता है।

एकादशी की रात भगवान विष्णु के भजन गाने चाहिए। ऐसा संभव न होने पर रात्रि में जागकर आप विष्णुजी के मंत्रों का जाप कर सकते हैं। इससे जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति हो सकती है।

व्रती को सफला एकादशी व्रत का पारण अलगे दिन यानी द्वादशी तिथि पर करना चाहिए। इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें। फिर, विष्णुजी की पूजा करके व्रत का पारण करें।

एकादशी तिथि का पारण करने के लिए तुलसी के पत्तों की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में आप द्वादशी तिथि पर अपने घर के बच्चे या किसी परिवार के सदस्य से तुलसी के पत्ते तुड़वा सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें की उनका एकादशी का व्रत न हो। क्योंकि व्रती को द्वादशी तिथि के दिन भी तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।

मैं मुक्का मारूं या किस करूं... एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी ने बताया कपिल शर्मा संग काम का अनुभव

हिंदी, तमिल और बंगाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी की फिल्म 'किस-किस को प्यार करूं-2' शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बीच त्रिधा ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार और कपिल शर्मा के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से कहा कि मेरा मानना है कि एक्टर्स ऐसे रोल चुनते हैं जिनकी स्क्रिप्ट उन्हें ज्यादा मजबूत लगती है। मैंने 'आश्रम' में बोल्ड और शातिर बबीता का किरदार निभाया था। उसके बाद टाइपकास्ट न किया जाए, इसके लिए हर तरह के किरदार निभाना चाहिए। हालांकि सीरीज 'आश्रम' के बाद मुझे बोल्ड रोल ही ऑफर हुए थे। उन्होंने ये भी कहा कि चाहे मैं किसी को मुक्का मारूं या किस करूं, दोनों ही एक्टिंग हैं। फिल्म में अपने किरदार मीरा पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है। लोगों को लगता है कि यह करना आसान है, क्योंकि आपको बस दूसरों को हंसाना ही तो है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। ऐसे में सीन के दौरान टाइमिंग, घबराहट, इमोशन्स हर चीज को थामकर चलना पड़ता है। मैंने आज से पहले कभी कॉमेडी नहीं की, इसलिए मैं इसे अपने सीखने का तौर पर करूंगी।

फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर त्रिधा चौधरी ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत अच्छे से लिखी गई है। जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि मीरा कितनी जरूरी है। कई लोगों ने मुझसे पूछा, तुम अकेली हीरोइन नहीं हो तो यह फिल्म क्यों? लेकिन अब समय बदल गया है। हीरोइनों की गिनती से ज्यादा किरदार मायने रखता है। उन्होंने आगे बताया कि मीरा का किरदार उनकी असल जिंदगी जैसा ही है। मीरा चुलबुली है और त्रिधा भी असल जिंदगी में बहुत जॉली और चुलबुली हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी जहां मैं अपना ड्रामा और एनर्जी दिखा सकूं। मुझे अक्सर सीरियस या कंट्रोल्ड रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन मीरा ने मुझे एक्सप्रेसिव और बेफिक्र रहने का मौका दिया। 'किस-किस को प्यार करूं-2' मल्टी एक्ट्रेस वाली फिल्म है, जिसमें चार अभिनेत्रियां लीड रोल में हैं। ऐसे में सेट पर बाकी हीरोइंस के साथ अपने एक्सपीरियंस पर त्रिधा ने कहा कि सेट पर थोड़ा नर्वस फील होने लगता था। रिहर्सल बहुत मुश्किल थी और मैं सबके सपोर्ट के बिना यह नहीं कर पाती।

कपिल इतना मजे कर रहे थे कि जो स्टेप्स उनके लिए नहीं थे, वे भी फाइनल कट में आ गए! अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि कपिल शर्मा बहुत विनम्र हैं। कपिल मुझे मिस्टर चौधरी कहते हैं, सबका सम्मान करते हैं और बहुत लाइट माहौल बनाते हैं। इतनी सफलता हासिल करने के बावजूद वह सबको बातचीत में शामिल करते हैं। उनके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा।

नुसरत भरुचा का कहना है, ओपोर्च्युनिस्ट होने में कोई बुराई नहीं है

अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने अपनी हॉरर फ्रैंचाइज़ 'छोरी' के ज़रिए एक अलग पहचान बनाई है, जहाँ उनके अभिनय की इतनी तारीफ़ हुई कि इसका दूसरा भाग भी बना, जिसने एक जोखिम लेने वाली, ईमानदार और स्पष्ट विचारों वाली कलाकार के रूप में उनकी जगह और मज़बूत कर दी। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान, नुसरत ने महत्वाकांक्षा, चुनावों और अक्सर गलत समझे जाने वाले शब्द अवसरवादी पर खुलकर बात की। उन्होंने इस धारणा को बड़ी सच्चाई और परिपक्वता के साथ नया दृष्टिकोण दिया। उन्होंने कहा, मैं भी एक अवसरवादी हूँ। अगर मुझे कोई ऐसी फिल्म का ऑफर मिलता है जिसे मैं सच में करना चाहती हूँ, तो क्यों नहीं? ज़ाहिर है मैं जाकर कहूँगी, 'हाँ, मैं यह करना चाहती हूँ।' हर कोई लाइन में इसलिए खड़ा होता है, क्योंकि उसे कुछ चाहिए होता है। और इसमें कोई बुराई नहीं है। अवसरवादी होना गलत नहीं है, लेकिन उस रास्ते पर चलते हुए आपके कदम ज़िम्मेदार होने चाहिए। यह आप ही जानते हैं, या समय के साथ सीखते हैं। मैंने अपने अनुभवों से सीखा है, और अगर मेरी सोच, मेरे मूल्य और मेरी धारणाएँ मुझे सही लगती हैं, तो वे मेरे लिए सही हैं। इंडस्ट्री में नुसरत की यात्रा उनके महत्वाकांक्षा और प्रामाणिकता के इसी संतुलन को दर्शाती है। वर्षों में, उन्होंने एक मज़बूत फिल्मोग्राफी गढ़ी है, जिसमें बड़े पैमाने की फिल्मों से लेकर दमदार, प्रदर्शन-प्रधान भूमिकाएँ शामिल हैं। विशेष रूप से 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', और 'ड्रीम गर्ल' जैसे हिट्स से लेकर 'छोरी' और 'जनहित में जारी' में उनके प्रभावशाली अभिनय तक, नुसरत ने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं, जो उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने का मौका देते हैं और व्यापक दर्शकों से जोड़ते हैं।

फिल्म धुरंधर की तारीफ में रोहित शेट्टी बोले ये नया हिंदी सिनेमा है अब ये घुस के मारेगा

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' को आमजन के साथ ही एक्टर्स का भी जमकर प्यार मिल रहा है। बॉक्स ऑफिस पर तो फिल्म धमाल मचा ही रही है। साथ ही कहानी, कास्टिंग, डायरेक्शन और गाने खूब तारीफ बटोर रहे हैं। एक्टर अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने भी फिल्म की खुलकर तारीफ की। दोनों ने इसे शानदार और नया सिनेमा बताया है।'पुष्पा' स्टार अल्लू अर्जुन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, जस्ट धुरंधर देखी। यह एक शानदार फिल्म है, जिसमें बेहतरीन परफॉर्मेंस, शानदार टेक्निकल टीम और कमाल का साउंडट्रैक है। अल्लू ने रणवीर सिंह को अपना भाई बताते हुए कहा कि उनकी मैग्नेटिक एनर्जी और वर्सेटिलिटी ने फिल्म में धमाल मचा दिया है। अल्लू अर्जुन ने अक्षय खन्ना की करिश्माई मौजूदगी, संजय दत्त, आर.माधवन, अर्जुन रामपाल और बाकी कलाकारों की मजबूत परफॉर्मेंस की भी तारीफ की। खास तौर पर सारा अर्जुन की प्यारी मौजूदगी का जिक्र किया। उन्होंने पूरी टीम, टेक्नीशियन्स, जियो स्टूडियोज और खासकर डायरेक्टर आदित्य धर को बधाई देते हुए दर्शकों से फिल्म देखने की अपील भी की। उन्होंने लिखा, आदित्य धर गारू ने पूरे स्वैग के साथ कमाल कर दिया। इस फिल्म को जरूर देखें और आनंद लें। वहीं, सिंघम डायरेक्टर रोहित शेट्टी भी फिल्म से काफी प्रभावित हुए। रोहित ने इंस्टाग्राम पर आदित्य धर, रणवीर सिंह समेत अन्य कलाकारों की तारीफ करते हुए लिखा, आदित्य धर और उनकी टीम को सलाम... आपने कमाल कर दिया... रणवीर मेरे भाई... 'अपना समय आ गया'...

अक्षय खन्ना को लंबे समय बाद वो प्यार और इज्जत मिलते देखकर बहुत खुश हूं, जिसके वह हकदार है। आदित्य, मुझे आज भी उरी की रिलीज से पहले वाली रात याद है, जब हम सब साथ मिलकर फिल्म देख रहे थे। उरी से लेकर धुरंधर तक निर्माता और निर्देशक के रूप में आपका सफर प्रेरणादायक है।

सारा अर्जुन के डेब्यू पर भावुक हुए पिता राज अर्जुनसारा अर्जुन के डेब्यू पर भावुक हुए पिता राज अर्जुन

अभिनेता राज अर्जुन फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उन्होंने हिंदी सिनेमा से लेकर साउथ सिनेमा तक अपने अभिनय का परचम लहराया है। वहीं, उनकी बेटी सारा अर्जुन भी अब बॉलीवुड में फिल्म 'धुरंधर' से डेब्यू कर चुकी हैं। फिल्म रिलीज के बाद पूरी स्टार कास्ट के साथ सारा की भी खूब तारीफें हो रही हैं। अपनी बेटी की मेहनत देख अभिनेता फूले नहीं समा रहे हैं। बेटी की सफलता से खुश पिता राज अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा कि यह सिर्फ सारा की जीत नहीं, बल्कि पिता-बेटी का एक रूहानी सफर है। अभिनेता ने बताया कि सारा बचपन से ही उन्हें एक बेहतरीन इंसान और कलाकार बनाने में लगी रही है। अभिनेता ने सारा के बचपन का एक दिलचस्प किस्सा शेयर करते हुए लिखा, साल 2016 की बात है, जब मैं सारा को आराम नगर में मुकेश छाबड़ा सर के ऑफिस में ऑडिशन दिलाने के लिए गया था। वह जब अंदर ऑडिशन के लिए गई, तो मैं बाहर खड़ा था। तभी मेरे

पास मुकेश जी आए और कहा कि 'राज भाई, एक फिल्म कर रहा हूं, 'सीक्रेट सुपरस्टार,' आप भी ऑडिशन दे दीजिए।' यानी दरवाजा सारा के लिए खुला था, लेकिन किस्मत मेरे लिए भी खुल गई।

अभिनेता का कहना है कि अक्सर मैंने लोगों को कहते सुना है कि बेटियां पिता का हाथ पकड़कर चलती हैं, लेकिन मेरे साथ उल्टा हुआ है। मैं अपनी बेटी का हाथ पकड़कर अपनी मंजिल तक पहुंचा हूं। उन्होंने लिखा, पहले मैं सारा को संभालता था, लेकिन अब वह मुझे संभाल रही है। सारा में एक अजीब-सा ठहराव है, तहजीब है, रूहानी सादगी है, और साथ ही आग भी है। वह कभी समझाती है, कभी थाम लेती है और कभी एक नजर से मेरे अंदर के तूफान को शांत कर देती है। उन्होंने आखिरी में लिखा, अब सारा धुरंधर में अपने अभिनय की चमक बिखेर रही है, तो मेरा दिल कहता है, जिसे मैंने कभी थामे रखा था, आज वह मुझे थामकर उड़ान भर रही है। उन्होंने लिखा कि मेरी बेटी मेरी ताकत और खूबसूरत मोड़ है। उसकी जीत किसी शोर से नहीं, बल्कि मोहब्बत से लिखी गई है और मेरी कहानी की हर रोशनी का नाम सिर्फ सारा है।

मुंबई में कमरा नहीं मिलने पर जब दीप्ति नवल ने की चित्रांगदा सिंह की मदद, एक्ट्रेस ने सुनाया किस्सा

बॉलीवुड की चमक-दमक के बीच कई ऐसे किस्से छिपे होते हैं जो कलाकारों के संघर्ष, उनकी दोस्ती और उनके सफर को और भी खास बना देते हैं। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने भी ऐसे ही अनुभवों से गुजरकर सफलता हासिल की है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ दीप्ति नवल और रेवती जैसी बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं। इस बीच उन्होंने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया, जिसमें दीप्ति नवल ने उनकी मदद की थी। चित्रांगदा ने कहा, ''जब मैं पहली बार मुंबई आई थी, तब मुझे रहने को कोई कमरा नहीं मिल रहा था। उस वक्त दीप्ति नवल ने मेरी मदद की। स्थायी रूप से मुंबई शिफ्ट होने से पहले मैं कुछ दिन उनके घर में रुकी थी। इस छोटी-सी मदद से मेरे दिल में उनकी एक खास जगह बन गई। शुरुआत से ही वह मेरी यात्रा का एक भावनात्मक हिस्सा रही हैं, इसलिए आज उनके साथ फिर से स्क्रीन साझा करना मेरे लिए

बेहद खास एहसास है।''

चित्रांगदा ने कहा, जब इतने साल बाद मैंने दीप्ति नवल और रेवती जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ शूटिंग की, तो यह मेरे लिए सीखने और समझने से भरा अनुभव बन गया। एक एक्टर के तौर पर जब आपको किसी सीनियर कलाकार के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो स्वाभाविक रूप से आप उनकी शैली, उनकी बारीकियों, उनके डायलॉग बोलने के अंदाज और उनके चेहरे के हाव-भाव को और ध्यान से देखने लगते हो। मैंने सेट पर हर दिन कुछ नया सीखा और पूरे अनुभव का दिल से आनंद लिया।

दीप्ति नवल के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, ''मेरा उनके साथ रिश्ता सिर्फ एक सहकर्मी का नहीं, बल्कि एक निजी जुड़ाव का है। मैंने पहली फिल्म 'इंकार' में उनके साथ काम किया था। मैं उन्हें बहुत करीब से जानती हूं। सेट पर उनकी मौजूदगी मेरे लिए हमेशा सहज और भरोसे से भरी रही है, इसलिए नई फिल्म में दोबारा उनके साथ काम करना एक खूबसूरत सफर की तरह लगता है।''

चित्रांगदा ने अभिनेत्री रेवती की भी प्रशंसा की और कहा, मुझे फिल्म 'लव' का किरदार मैगी हमेशा बेहद पसंद रहा है। जब मैं उनसे पहली बार फिल्म के सेट पर मिली, तो सबसे पहले मैंने उसी किरदार की बात की। उन्होंने भी बड़े उत्साह से उस फिल्म की शूटिंग से जुड़े किस्से सुनाए।

कुनाल खेमू संग नेटफ्लिक्स की सिंगल पापा में दिखेंगी आयशा अहमद

इंडस्ट्री की सबसे ताज़ा और दिलचस्प चेहरों में से एक, आयशा अहमद अब दिखाई देंगी नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी सीरीज़ सिंगल पापा में। ट्रेलर में उनकी बस हल्की-सी झलक मिलती है-और ये कोई गलती नहीं है। मेकर्स ने जानबूझकर उनके किरदार को 'सीक्रेट मोड' में रखा है, ताकि उत्सुकता और बढ़े। शो में आयशा अहमद का रोल अहम और दमदार बताया जा रहा है।

अपनी सादगी, मासूम-सी चार्म और बिल्कुल अगल-बगल वाली लड़की-सा सहज अंदाज़ रखने वाली आइशा ने कम वक्त में मजबूत पहचान बनाई है। अब सिंगल पापा में वो दिखेंगी कुनाल खेमू के अपोज़िट-एक ताज़ा और मज़ेदार ऑन-स्क्रीन जोड़ी के रूप में। उनके किरदार की डीटेल्स अभी भी रैपर्स में छुपी हैं, लेकिन सुनने में आया है कि कहानी की असली भावनात्मक धड़कन कहीं न कहीं आयशा अहमद से ही जुड़ती है। प्रोजेक्ट को लेकर अपनी खुशी बांटते हुए आयशा अहमद ने कहा, कुनाल के साथ काम करना बहुत ही प्यारा अनुभव रहा-वो बेहद सपोर्टिव हैं और हर सीन में इतनी आसान-सी एनर्जी ले आते हैं। और जिस बात ने मुझे सबसे ज़्यादा छुआ, वो ये कि शशांक और कुनाल दोनों मुझसे कहीं सीनियर हैं, फिर भी सेट पर कभी कोई 'हीरार्की वाली हवा' नहीं थी।सब बराबरी से, प्यार और गर्मजोशी से काम करते थे। इसी वजह से डळपसश्रश झररि मेरे लिए बहुत मज़ेदार और यादगार प्रोजेक्ट बन गया। मैं सच में इंतज़ार कर रही हूं कि ऑडियंस इसे देखे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ

आज कुछ अप्रिय घटना घट सकती हैं जो आप को चिंतित कर देगी। अतः आपको सावधान रहना होगा। बुजुर्गों की सेवा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कोई भी काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा। कारोबार ठीक चलेगा। नई जानकारी मिलेगी। विद्यार्थियों की समस्या दूर होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार के कारण भागमदौड़ रहेगी। आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखें। जीवनसाथी की आवश्यकताओं का ध्यान रखें। वाणी पर नियंत्रण रखना का प्रयास करें। किसी मित्र से मुलाकात होगी। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा तनाव लेने से बचें। कुसंगति से हानि हो सकती है। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। किसी कारणवश यात्रा का योग बनेगा यात्रा पर जाने से पहले दही का सेवन करके ही निकलें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जिससे आप की कोई पहचान नहीं हैं आप को विपदा घेर सकती हैं अनजान लोगों की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर में किसी से बहस हो सकती है। बीमारी से परेशान होना पड़ सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी परेशानी के चलते परिजनों को दिक्कत हो सकती है। आज ज्यादा खर्च हो सकता है। खानपान पर नियंत्रण रखें। आज आप किसी कार्य में निवेश कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। आज बेरोजगारी दूर होगी धन आने के नये रास्ते बनेंगे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन कुछ मुश्किलों वाला होगा उलझन आप को परेशान करेगी। सगे संबंधियों से विवाद हो सकता है। आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आपको किस्मत का साथ नहीं मिलेगा। घर परिवार में किसी सेहत संबंधी दिक्कतों से जूझना पड़ सकता है। आपका व्यवसाय ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लेनदेन करते समय सावधान रहें। आपको पदोन्नति मिल सकती है। बच्चे परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाए आप का दिन मनोरंजन में बितेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप नयी योजनाओं की रूप रेखा तैयार करें सभी योजनाएं लाभ देंगी और दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपके व्यवहार की सराहना होगी। सकारात्मक रहेंगे। मतभेद हो सकते हैं। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। छात्रों के लिए आज का दिन उलझन वाला साबित हो सकता है। युवाओं को सफलता मिलेगी। शासकीय मामले आगे बढ़ेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात होने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए जो वास्तव में जरूरतमंद हो आप का मन प्रफुल्लित रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। प्रभु की आराधना में मन लगेगा। अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। आज किसी पर संदेह कर सकते है। जोखिम लेने से बचें। रिश्तेदारों से अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज सोच समझकर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय बिताएं। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। आलस्य को जीवन से दूर ही रखें धन आने के रास्ते खुलेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज किसी नयी धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें परिवार की जरूरत पूरी होने के बाद धन को दान के रूप मे उपयोग करें किसी मित्र से मुलाकात होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप अपनी संगति को सही रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप की वजह से कुछ लोगों के काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। किसी से मुलाकात हो सकती है। बच्चों पर क्रोध करने से आप को बचना चाहिए बच्चों की प्रसन्नता आप का भाग्य बना देगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज धोखाधड़ी होने की आशंका हैं सावधानी बरतें। आपको भाग्य का पूरा सहयोग नहीं मिल पायेगा। अनजान लोगों की वजह से नुकसान होने की आशंका है। कामकाजी लोगों का तबादला हो सकता है। नई योजना शुरू न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। कार्य क्षेत्र में भी किसी तरह से नुकसान उठाना पड़ सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद उभर सकता है। ऐसे कोई भी काम नही है जो आप अपनी मेहनत के दम पर पूरा नहीं कर सकते हैं कर्म ही भाग्य बनाता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप रोज सुबह ब्रह्म मुहूर्त में जागकर ध्यान लगाए जीवन मे नयी उर्जा आएगी और दिन शानदार रहेगा। आप सकारात्मक रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। रूके हुए कार्य पूरे होंगे। सेहत को सुधारने के लिए आप योग–व्यायाम शुरू कर सकते हैं। अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की किसी सहयोगी के साथ बहस हो सकती है। तनाव हो सकता है। छात्रों को लाभ होगा। लेनदेन करते समय लापरवाही न करें। प्रसन्नता रहेगी। शिव–पार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखी रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज दीन–हीन बच्चों की जरुरत को पूरा करें ग्रहों का दोष दूर होगा दिन अनुकूल रहेगा। किसी परेशानी का सामना कर सकते हैं। व्यवसाय में मंदी का सामना करेंगे। आर्थिक स्थिति में बदलाव होगा। अनजान लोगों की वजह से आपको हानि हो सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी। किसी मित्र के साथ घूमने जा सकते हैं। खानपान का ध्यान रखें। सेहत ठीक नहीं रहेगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। आप जीवनसंगिनी की बातों को लेकर ज्यादा उत्तेजित होने की आ–वश्यकता नहीं है धैर्य से काम लेना होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को गलत खानपान से दूर रहना होगा कुसंग जीवन मे नही होना चाहिए। अपने मित्रों के साथ दिन बिता सकते हैं। किसी रिश्तेदार की मदद कर सकते हैं। सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दिनभर कई लोगों से मुलाकात होगी। दफ्तर में अफसर आपकी सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रसन्नता के क्षण आएंगे। आज आप अपने पार्टनर को सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। रिश्ता तय हो सकता है। काम से थकान महसूस हो रही हैं तो एक दिन का अवकाश लेकर अपने बच्चों के साथ समय बिताए एकदम तंदुरस्ती आ जायेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बगैर टेंशन का काम करें जोखिम उठाने से बचें क्योंकि आप को नुकसान होने की सम्भावना है। यात्रा को टालने का प्रयास करें। आज ज्यादा खर्च होगा। धर्म–कर्म में मन लगेगा। आज स्वास्थ्य को लेकर आप चिंता में रहेंगे। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति में तेजी लानी होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। दानपुण्य कर सकते हैं। दफ्तर में खुशखबरी मिलेगी। जीवन के तनाव को दूर करने के लिए लोगों की मदद करने का स्वभाव बनाए आन्तरिक खुशी और प्रसन्नता मिलेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 दिसंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी सायं 06:51 तक
नक्षत्र : हस्त प्रातः 08:18 तक
योग : सौभाग्य प्रातः 11:44 तक
करण : विष्टि सायं 06:51 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 09:41 तक
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 06:50 तक ,
रवि हस्त अमृत सिद्धि योग प्रातः 06:37 से 08:18 तक

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा धाकड़ जवान, धाकड़ किसान और धाकड़ पहलवान की धरती है: सैनी

फतेहाबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य उत्सव है, जो युवाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। यह महोत्सव 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' अभियानों को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करते हुए युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने का जन-आंदोलन बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खेलों को जन-आंदोलन बनाने के संकल्प को साकार करता यह महोत्सव ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहाबाद में 'सांसद खेल महोत्सव' के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आयोजक राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। फाइनल मुकाबले में शामिल हो रहे खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट भी किया। मुख्यमंत्री ने फाइनल मुकाबलों का विधिवत आगाज किया। उन्होंने इस दौरान सिरसा और फतेहबाद की टीम के

बीच हुए कबड्डी मैच को भी देखा तथा खिलाड़ियों से मिलकर उनकी हौंसला अफ़ज़ाई भी की। सिरसा लोकसभा की 9 विधानसभाओं के 45 हजार खिलाड़ियों ने सांसद खेल महोत्सव के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। इनमें से 3604 खिलाड़ी अलग-अलग प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों में शामिल होंगे।

खिलाड़ियों व उपस्थितजन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सांसद खेल महोत्सव' से सिरसा लोकसभा क्षेत्र देश के टॉप-10 लोकसभा क्षेत्रों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार इंसान के अंदर हुनर होने के बाद भी अवसर न मिलने से वह कामयाबी की सीढ़ी नहीं चढ़ पाता। इस बात को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसद खेल स्पर्धा करवाने के निर्देश दिए हैं। इस प्रकार के आयोजन से न केवल खेल में रुचि बढ़ती है, बल्कि राज्य, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए प्रोत्साहन भी मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 साल पहले हरियाणा में खेलों के लिए एक विजन विकसित किया था। वह विजन था हर बच्चे को खेल से जोड़ने का, हर गांव में खेल का मैदान बनाने का और हर उस युवा को अवसर देने का, जिसमें खेल के प्रति ललक है। इस विजन का लक्ष्य है कि हरियाणा को न केवल भारत की, बल्कि विश्व की खेल राजधानी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओलम्पिक 2036 में भारत को खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इसलिए, खेल में हार-जीत से ज्यादा मेहनत, अनुशासन और लगन महत्वपूर्ण है। यही वे गुण हैं, जो युवाओं को भविष्य में एक बेहतर नागरिक और एक सफल खिलाड़ी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं की मजबूत इच्छा शक्ति और कड़ी मेहनत का नतीजा है कि खेल देश के अंदर हो रहे हों या देश के बाहर, हरियाणवी खिलाड़ी अपनी उपलब्धियों से देश के झंडे को ऊंचा कर रहे होते हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा धाकड़ जवान, धाकड़ किसान व धाकड़ पहलवान की धरा है। प्रदेश का किसान देश के अन्न भंडार भरने में अहम योगदान देता है। जवान गर्मी-सर्दी की परवाह न करते हुए सरहदों पर डटा रहता है। इसी प्रकार हमारे खिलाड़ी अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में सोना जीतकर देश की झोली भरने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी में अभ्यास, अनुशासन और आत्मबल जैसे गुणों को निखारने के लिए ही सरकार समय-समय पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करती रहती है।

प्रदेश में साल भर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए खेल कैलेण्डर भी तैयार किया गया है। इसके अनुसार खेल महाकुम्भ, राज्यस्तरीय अखाड़ा दंगल, मुक्केबाजी, वॉलीवाल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, बास्केट बॉल, हैंड बाल इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयास है कि हरियाणा का हर गांव एक ऐसा खिलाड़ी दे, जो विश्व मंच पर भारत का परचम लहराए। इस सपने को साकार करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है और सांसद खेल महोत्सव भी उसी कड़ी का एक स्वर्णिम अध्याय है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हरियाणा को 'खेलों की नर्सरी' कहा जाता है। राज्य में मजबूत खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किया गया है ताकि खिलाड़ियों को सभी आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि बचपन से ही खिलाड़ियों को तराशने के लिए प्रदेश में खेल नर्सरियां खोली हुई हैं। इनमें उन्हें वित्तीय सहायता व प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

आयुर्वेद महोत्सव का आयोजन समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा : डॉ. दीक्षित

पंचकूला, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित आयुर्वेद महोत्सव 2025 के दूसरे दिन भी आम जनता की भारी भीड़ देखने को मिली। लोग बड़ी संख्या में आयुर्वेद से संबंधित जानकारी लेने पहुंचे और प्रदर्शनी में लगे स्टॉलों से आयुर्वेदिक उत्पाद खरीदते नजर आए। महोत्सव में लोगों के बीच आयुर्वेद के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता देखने को मिली।

महोत्सव के दूसरे दिन भाजपा पंचकूला के पूर्व विधायक ज्ञानचंद गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने पंचकूला में इस प्रकार की आयुर्वेदिक प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए महोत्सव के संचालकों को बधाई दी और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार में उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में आचार्य मनीष भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि ज्ञानचंद गुप्ता, आचार्य मनीष, भाजपा नेत्री रंजीता मेहता और ओमप्रकाश देवी नगर द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात महोत्सव के संचालकों ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

आचार्य मनीष ने प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और आयुर्वेदिक दवाइयां एवं उत्पाद बेचने वाले संस्थानों से उनके उत्पादों के लाभ, उपयोग और सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एक विशेष सत्र भी दिया, जिसमें आयुर्वेद के फायदे बताते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों के बीच आयुर्वेद सबसे प्रभावी और भरोसेमंद चिकित्सा पद्धति बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य आयुर्वेद का ही है।

इस दौरान स्वदेशी जागरण मंच के उत्तर क्षेत्र संयोजक राजेश गोयल भी महोत्सव में पहुंचे। उन्होंने आयुर्वेदिक उत्पादों के बारे में जानकारी ली और स्वदेशी अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला।

करनाल-फरीदाबाद में 577 करोड़ के 22 प्रोजेक्ट अब भी अधूरे : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में स्मार्ट सिटी मिशन की धीमी प्रगति पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि मिशन के तहत करनाल और फरीदाबाद में 577 करोड़ रुपये की 22 परियोजनाएं अभी भी अधूरी पड़ी है, जबकि इनकी तय समयसीमा दिसंबर 2025 रखी गई थी। सांसद कुमारी सैलजा की ओर से पूछे गए प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री टोक्हान साहू ने स्वीकार किया कि दोनों शहरों में कुल 161 परियोजनाएं स्वीकृत थीं, जिनकी लागत 2,136 करोड़ रुपये है। इनमें से 139 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, और अब तक 1,559 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। शेष 22 परियोजनाए लगभग 577 करोड़ रुपये की निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि करनाल और फरीदाबाद ने मिलकर 980 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का दावा किया था, जिनमें से 921 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया है। मंत्रालय ने दोनों शहरों की एसपीवी कंपनियों को सलाह दी है कि सभी परियोजनाएं दिसंबर 2025 तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं।

मंत्री की ओर से जवाब में कहा गया है कि करनाल में कुल 117 परियोजनाए स्वीकृत थीं, जिनमें से 105 परियोजनाएँ (801 करोड़ रुपये) पूरी हो चुकी हैं, जबकि 12 परियोजनाएं (406 करोड़ रुपये) अब भी लंबित हैं। करनाल अभी तक अपनी 59 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का उपयोग नहीं कर पाया है। फरीदाबाद में 44 में से 34 परियोजनाएं (758 करोड़ रुपये) पूरी हुई हैं, जबकि 10 परियोजनाएं (171 करोड़ रुपये) निर्माणाधीन हैं।

सांसद सैलजा ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी का मतलब केवल फंड जारी करना नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध जनहितकारी विकास सुनिश्चित करना होता है। भाजपा सरकार की नीतियों ने इस मिशन को अधूरे प्रोजेक्ट्स और अनुत्तरित सवालों तक सीमित कर दिया है। सैलजा ने केंद्र से पूछा कि जब स्मार्ट सिटी जैसे महत्वपूर्ण शहरी विकास कार्यक्रम में इतनी अधिक देरी हो रही है, तो समयसीमा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

डॉ. रामनिवास मानव को तमिलनाडु राजभवन में आरएन रवि ने किया सम्मानित

नारनौल, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास 'मानव' को, भाषा, साहित्य और अनुवाद के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के दृष्टिगत, आज चेन्नई में विशिष्ट साहित्य-सेवा सम्मान प्रदान किया गया। तमिलनाडु राजभवन और सीआईसीटी, भारत सरकार, चेन्नई द्वारा महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 144वीं जन्म-जयंती और भारतीय भाषा दिवस-2025 के उपलक्ष्य में, राजभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल महामहिम आरएन रवि ने शॉल और प्रतीक-चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर राजभवन के प्रधान सचिव और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी आर. किर्लोश कुमार, सीआईसीटी की उपाध्यक्ष डॉ. सुधा शेषैया और निदेशक प्रो. आर. चंद्रशेखरन सहित देश-भर से आये विभिन्न भाषाओं के शताधिक विद्वान, साहित्यकार और अनुवादक उपस्थित रहे। बता दें, डॉ. 'मानव' ने इसी वर्ष महान तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' का हरियाणवी भाषा में काव्यानुवाद किया था, जिसके लिए उन्हें डेढ़ लाख का मानदेय प्राप्त हुआ है।

प्रमुख शासन सचिव यूडीएच ने ली बैठक

17 से 24 तक होगा शहरी समस्या समाधान शिविर का आयोजन

जयपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से 17 से 24 दिसम्बर तक 7 दिवसीय शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 आयोजित किए जाएंगे जिनकी तैयारियों को लेकर शनिवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने डीएलबी मुख्यालय के सभागार में वीसी के माध्यम से राज्य स्तरीय बैठक ली। बैठक में पृष्टि ने शिविरों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग तथा जनसुविधाओं को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने संबंधी सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए साथ ही शहरी सेवा शिविर में किए गए कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की ।

बैठक के दौरान प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुसार शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय एवं प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिविरों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्राप्त होने वाले सभी नए आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही उसी दिन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सख़्त निर्देश दिये की किसी भी प्रकरण को रिजेक्ट करने पर सपष्टीकरण दिया जाना अनिवार्य होगा ।

माइंस विभाग की अजमेर टीम ने देर रात औचक कार्रवाई कर अवैध खनिज परिवहनकरते चार डंपर जब्त किए

अजमेर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। माइंस विभाग की अजमेर वृत की टीम ने विजय नगर-नसीराबाद क्षेत्र में देर रात व प्रातः तड़के अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ औचक कार्रवाई करते हुए चार डंपर जब्त किये हैं वहीं अवैध परिवहन करते हुए रेत के डंपर का खान विभाग की टीम द्वारा पीछा करने के बावजूद एक स्कार्पियों कार की मदद से भगा ले जाने में सफल हो गए। अजमेर वृत के अधीक्षण खनि अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए देर रात विजय नगर और नसीराबाद क्षेत्र में औचक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान विजय नगर क्षेत्र में बजरी का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपर जब्त किये गये। इसके साथ ही विजय नगर नसीराबाद क्षेत्र में दो डंपर ग्रेनाइट का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किये गये हैं। खान विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते एक डंपर का पीछा करने पर डंपर चालक ने रेत का बीच रोड़ ही फैलाते हुए फरार हो गया। रेत डंपर का पीछा करती विभागीय टीम के कार्य में एक स्कार्पियों से रास्ता रोकने और रेत के डंपर को भगाने में सहयोग किया।

अधीक्षण खनि अभियंता जय गुरुबख्सानी ने बताया कि विभागीय टीम में अधीक्षण खनि अभियंता के साथ ही खनि अभियंता विजिलेंस अजमेर, सहायक खनि अभियंता सावर शामिल रहे।

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विकास रथों का किया निरीक्षण; बोले-

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का उत्थान ही सुशासन का ध्येय

डीग, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, शनिवार को गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने डीग जिले के विभिन्न ग्रामीण अंचलों का सघन दौरा किया। उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने वाले 'विकास रथों' का निरीक्षण किया और विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार 'सबका साथ-सबका विकास' की मूल भावना के साथ अंत्योदय के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री का दौरा प्रातः 10:00 बजे सेऊ-सुहेरा ग्राम पंचायत से आरम्भ हुआ। जैसे ही मंत्री महोदय का काफिला गाँवों में पहुँचा, माहौल उत्सवी हो गया। ग्राम सेऊ-सुहेरा, धमारी, नाहरा चौथ (पास्ता), परमदरा और गुहाना में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए भव्य 'कलश यात्रा' निकालकर उनका आत्मीय स्वागत किया। पारंपरिक राजस्थानी साफे और पुष्प वर्षा के साथ ग्रामीणों ने अपने लाडले नेता का अभिनंदन किया।

जनसभाओं को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री बेढ़म ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान ने विकास की नई इबारत लिखी है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार तुष्टिकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण के मंत्र पर काम करती है। आज 'विकास रथ' के माध्यम से जो फिल्म दिखाई जा रही है, वह महज प्रचार नहीं, बल्कि उन लाखों लाभार्थियों की हकीकत है जिनके जीवन में उजाला आया है। उन्होंने विशेष रूप से ईआरसीपी (राम जल सेतु), कानून व्यवस्था में सुधार और गोपालन विभाग द्वारा उठाए गए ऐतिहासिक कदमों का जिक्र किया।

नौंह स्थित एलसी-35 में जलभराव की समस्या का स्थाई निदान होना चाहिए: डॉ. सुभाष गर्ग

भरतपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के नौंह के पास स्थित एलसी-35 अंडरब्रिज में जल भराव की समस्या को लेकर पूर्व मंत्री और भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने रेल्वे आगरा जोन के अभियन्ता से वार्ता कर शीघ्र ही समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। डॉ. सुभाष गर्ग ने रेल्वे आगरा जोन के अभियन्ता से दूरभाष पर वार्ता कर बताया कि नौंह गांव के पास स्थित एल-35 अंडरब्रिज में हमेशा पानी भरा रहता है। अंडरब्रिज

पानी भरा होने से आमजन का आवागमन पूरी तरह से बाधित रहता है और लोग परेशान रहते हैं। इतना ही नहीं पानी भरा रहने से आये दिन दुर्घटनाएं भी होती रहती हैं। डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि इस अंडरब्रिज में होकर कई गांवों के लोगों का आवागमन बना रहता है। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में तो हालात और भी खराब हो जाते हैं। लोगों का आना जाना थम सा जाता है। डॉ. सुभाष गर्ग द्वारा अभियन्ता को आमजन की बताई समस्या का शीघ्र ही निदान कराने का रेल्वे के अभियन्ता को विश्वास दिलाते हुये कहा कि आगामी मार्च-अप्रैल तक इस समस्या का पूरी तरह से समाधान करा दिया जायेगा। अंडरब्रिज के नीचे से रिस रहे पानी को रोकने के लिये आरसीसी करा दी जाएगी।

एटा मधुकर हत्याकांड: आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग
भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने दी चेतावनी

चेन्नूर, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेमनपल्ली मंडल भाजपा अध्यक्ष एटा मधुकर की मृत्यु के लिए जिम्मेदार लोगों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की।

उन्होंने सवाल उठाया कि एटा मधुकर की मौत को दो महीने बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक आरोपियों को गिरफ्तार क्यों नहीं कर पाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के लिए जिम्मेदार लोग खुलेआम सड़कों पर घूम रहे हैं और पुलिस जानबूझकर अनदेखी कर रही है।

नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि आरोपियों को हाईकोर्ट से मिली एंटी-सिपेटी बेल रद्द हो जाने के बाद भी पुलिस द्वारा गिरफ्तारी न करना कई संदेहों को जन्म देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस इस मामले को कमजोर करने और भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर सड़क पर धरना दिया, लेकिन पुलिस ने चुनाव के बाद गिरफ्तारी का आश्वासन देकर मामले को टाल दिया। भाजपा नेताओं का कहना है कि वे लगातार पुलिस को सहयोग कर रहे हैं, फिर भी केस को दबाने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो भाजपा के सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर सीपी और डीसीपी कार्यालयों का घेराव करेंगे। इस कार्यक्रम में समैया, थुम्मा श्रीपाल, बुर्रा राजशेखर, सीनियर लीडर रापार्थी वेंकटेश्वर, एथम शिवकृष्णा, मधुकर, अडापा श्रीनिवास, कायता राजेश, मौनिका, राउथू शंकर, प्रसाद, चरण गूजर, श्रीवर्धन, वेंकट, विनोद शामिल हुए।

मेदक चुनावों में कांग्रेस द्वारा सत्ता के दुरुपयोग के बावजूद मतदाताओं ने बीआरएस का समर्थन किया : हरीश राव

मेदक, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ इठड नेता टी हरीश राव ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना के लोगों ने कांग्रेस पार्टी को सबक सिखाया है, जिसने उनके अनुसार, पुलिस और सत्ता का दुरुपयोग करके ग्राम पंचायत चुनावों में विपक्षी दलों को पछाड़ने की कोशिश की।

मेदक विधानसभा क्षेत्र की 26 ग्राम पंचायतों के नव-निर्वाचित सरपंचों और वार्ड सदस्यों को अपने आवास पर बधाई देते हुए, हरीश राव ने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा धन और अधिकार के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों के बावजूद मतदाताओं ने बीआरएस समर्थित उम्मीदवारों का समर्थन किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और वार्ड सदस्यों को धमकी दी थी, लेकिन मतदाता दृढ़ रहे और सभी चुनौतियों को पार करते हुए बीआरएस का समर्थन किया।

विकाराबाद: ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य ने पति की हत्या की

विकाराबाद, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विकाराबाद जिले के मोमिनपेट में शुक्रवार रात एक नव-निर्वाचित ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य ने कथित तौर पर अपने पति की हत्या कर दी।

मृतक, रविंदर, की पत्नी मंजुला को हाल ही में मोमिनपेट मंडल के मक्ता तांडा में 8वें वार्ड के वार्ड सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया था। गाँव में चुनाव रविवार को होने वाले हैं।

हालांकि, कुछ पारिवारिक मुद्दों के चलते, रविंदर की पत्नी मंजुला ने कथित तौर पर शुक्रवार रात गाँव में उनके घर पर गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। शनिवार सुबह, व्यक्ति अपने घर में मृत पाया गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जाँच में पाया गया कि रविंदर की हत्या की गई थी।

एक मामला दर्ज कर लिया गया है, और महिला को हिरासत में ले लिया गया है।

अज्ञात लोगों ने मिर्च पाउडर फेंककर सरपंच उम्मीदवार पर हमला किया

करीमनगर, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरपंच उम्मीदवार दंदु कोमुरैयाह पर शुक्रवार रात शंकरपट्टनम मंडल के मोलंगुर गाँव के बाहरी इलाके में अज्ञात व्यक्तियों ने हमला किया, जब उनकी आँखों में मिर्च पाउडर फेंका गया।

गाँव वालों के अनुसार, कोमुरैयाह मोलंगुर सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। जब वह एक सड़क दुर्घटना के पीड़ित को सांत्वना देने के बाद अस्पताल से घर लौट रहे थे, तो अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें गाँव के बाहरी इलाके में रोका और उन पर हमला किया।

हमला करने से पहले, कथित तौर पर बदमाशों ने उन्हें पहचानने से रोकने के लिए उनकी आँखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया। पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जाँच शुरू कर दी है।

90 से कम मतदाताओं के साथ, दो आदिवासी बस्तियाँ कोत्तागुडेम में पंचायत चुनावों के लिए तैयार

कोत्तागुडेम, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोत्तागुडेम जिले के अल्लपल्ली मंडल के जंगलों में गहराई में स्थित तेलंगाना की दो सबसे छोटी ग्राम पंचायतें हैं, जहाँ चुनाव गाँव की सभाओं जितने ही आत्मीय होते हैं और हर वोट का महत्व होता है।

सिर्फ 85 मतदाताओं वाला अडावी रामाराम राज्य की सबसे छोटी ग्राम पंचायतों में से एक है, जिसके बाद 88 मतदाताओं के साथ डोंगा तोगु है। ये दोनों आदिवासी बस्तियाँ 17 दिसंबर को ग्राम पंचायत चुनावों के तीसरे चरण में मतदान करेंगी। प्रत्येक गाँव में चार वार्ड हैं और ये पड़ोसी बस्तियों से दूर, एक दूरस्थ जंगली क्षेत्र में स्थित हैं।

इन दोनों ग्राम पंचायतों का गठन पिछली बीआरएस सरकार के शासनकाल के दौरान बेहतर स्थानीय प्रशासन के लिए आदिवासी बस्तियों और लाम्बाडी तांडों को उन्नत करने के एक अभ्यास के हिस्से के रूप में किया गया था। लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में कोई ग्राम

पंचायत न होने के कारण, अडावी रामाराम और डोंगा तोगु को स्वतंत्र दर्जा दिया गया था। दोनों गाँवों में मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय भी हैं।

डोंगा तोगु ने पिछले चुनावों में सबसे छोटी ग्राम पंचायत के रूप में ध्यान आकर्षित किया था, जब इसमें सिर्फ 44 मतदाता थे। वर्षों से, मतदाताओं की संख्या दोगुनी हो गई है।

अडावी रामाराम में, 85 मतदाताओं में से 45 पुरुष और 40 महिलाएँ हैं। डोंगा तोगु में 48 पुरुष और 40 महिला मतदाता हैं। हालांकि दोनों गाँवों में सरपंचों को सर्वसम्मति से चुनने के प्रयास किए गए थे, लेकिन प्रतियोगियों ने मतपेटी पर अपनी ताकत आज़माने का फैसला किया।

अडावी रामाराम में, बीआरएस-समर्थित पायम श्रीदेवी, सीपीआई-समर्थित पायम कंथा और कांग्रेस-समर्थित पायम सूर्यकांथा सरपंच पद के लिए मैदान में हैं। बस्ती की घनिष्ठ प्रकृति को दर्शाते हुए, उम्मीदवार और मतदाता एक-दूसरे के निकट संबंधी हैं।

डोंगा तोगु में, सरपंच का मुकाबला बीआरएस-समर्थित बाचाली पापा राव और सीपीआई (एमएल) मास लाइन-समर्थित एसाम नारायणा के बीच है। कुछ ही दर्जन वोटों से परिणाम तय होने के कारण, दोनों गाँव एक ऐसे चुनाव के लिए कमर कस रहे हैं जहाँ जीत का अंतर कम होगा और भागीदारी काफी व्यक्तिगत होगी।

ग्राम पंचायत चुनावों में अनियमितताएँ और सत्ता का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग : जगदीश रेड्डी

नलगोंडा, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चल रहे ग्राम पंचायत चुनावों में व्यापक अनियमितताओं और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए, वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने कहा कि सरकारी अधिकारी, पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ता इठड उम्मीदवारों को डराने और परिणामों में हेरफेर करने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं।

यहाँ इठड कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए स्थानीय निकाय चुनाव एक दुर्भाग्यपूर्ण अभ्यास में बदल गए हैं। बीआरएस उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने पर धमकी दी जा रही है और बाहुबल की रणनीति का शिकार बनाया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर हत्या की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि बीआरएस शासन के दौरान राजनीतिक झड़पों की कोई गुंजाइश नहीं थी।

रेड्डी ने सूर्यपेट जिले के मुद्दों पर प्रकाश डाला, जहाँ उन्होंने कहा कि पुलिस चार विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दो जिला मंत्रियों के निजी सहायक पुलिस को दैनिक आदेश जारी कर रहे हैं, जिससे बीआरएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ अवैध मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ तक कि होम गार्ड भी जिला पुलिस अधीक्षक की उपेक्षा कर रहे थे। रेड्डी ने चिन्न कपार्थी गाँव, चिंत्याल मंडल का उल्लेख किया, जहाँ कथित तौर पर बीआरएस उम्मीदवारों के पक्ष में चिह्नित मतपत्र जल निकासी नहरों में पाए गए थे।

उन्होंने राज्य चुनाव आयोग से मामले में कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। रेड्डी ने यह भी कहा कि जिन स्थानों पर बीआरएस उम्मीदवारों ने जीत हासिल की, कांग्रेस नेताओं के दबाव के कारण पुनर्गणना के बहाने परिणामों में हेरफेर किया जा रहा था। इन चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने बीआरएस की जमीनी ताकत पर विश्वास व्यक्त किया, जिसमें कहा गया कि पहले चरण में लगभग 45 प्रतिशत सरपंच पद बीआरएस समर्थित उम्मीदवारों के खाते में गए।

उन्होंने कहा, बीआरएस की गाँव स्तर पर मजबूत पकड़ है। हमारे कार्यकर्ता बहादुरी से लड़ रहे हैं और हम आगामी चुनावों में अच्छे परिणाम हासिल करेंगे, उन्होंने दूसरे और तीसरे चरण में बेहतर प्रदर्शन की भविष्यवाणी की। पिछली बीआरएस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा करते हुए, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया, रेड्डी ने कांग्रेस की अपने वादों को लागू करने में विफल रहने और किसानों के बीमा और कल्याण की उपेक्षा करने के लिए आलोचना की।

मदनूर में भक्ति भाव से शिव पुराण संपन्न हजारों भक्तों ने उठाया प्रसाद का लाभ

मदनूर, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सदगुरू 108 तपोरत्न शिवानंद शिवाचार्य स्वामीजी के मार्गदर्शन में श्री रेवनसिद्ध सिद्धलिंगेश्वर बगन्ना मठ, मदनूर में ग्रंथराज परमरहस्य पारायण समारोह एवं श्री सिद्ध लिंगेश्वर मूर्ति प्राणप्रतिष्ठान समारोह शनिवार को संपन्न हुआ।

परम पूज्य श्री रेवनसिद्धेश्वर महाराज के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम 9 दिसंबर मंगलवार से 13 दिसंबर 2025 शनिवार तक बड़ी ही भक्ति भाव से आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर महा प्रसाद का लाभ उठाया।मंदिर परिसर में संगीत के बीच शिव कथा वाचन शिवपुर वेदपूर्ति कुमार स्वामी लोहारकर (धाराशिव) ने भक्तों को सुनाया। शिव कथा का प्रसारण प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया।इस कार्यक्रम में तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र और कर्नाटक से बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

व्यक्ति ने पत्नी की हत्या की, व्हाट्सएप स्टेटस पर वीडियो पोस्ट किया और आत्महत्या कर ली

भूपालपल्ली, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के गणपुरम मंडल के सीतारामपुरम गाँव में शनिवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर दी, और बाद में खुद भी आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, बालाजी राम चारी (50) ने अपनी पत्नी संध्या (42) का गला रस्सी से घोंटकर मार डाला और फिर खुद फांसी लगा ली। अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद, चारी ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया और आत्महत्या करने से पहले उसे अपने व्हाट्सएप स्टेटस के रूप में पोस्ट किया।

इस चरम कदम के पीछे पारिवारिक विवाद को कारण बताया जा रहा है। चारी ने अपनी पहली पत्नी के निधन के बाद संध्या से शादी की थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जाँच कर रही है।

मंचेरियाल में कोयला खदानों के पास बाघ की आवाजाही से अधिकारी सतर्क

मंचेरियाल, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नासपुर मंडल के श्रीरामपुर गाँव में कोयला खदानों के आसपास एक बाघ की आवाजाही शनिवार को लगातार दूसरे दिन वन अधिकारियों को सतर्कता में रखे रही। शुक्रवार को रामारावपेट के बाहरी इलाके में ठघ-8 और पास की भूमिगत खदानों के पास एक प्रवासी बाघ को पहली बार देखा गया था। खदानों और ओपनकास्ट परियोजनाओं के पास उसके पगमार्क दर्ज किए गए थे। खदान के पास बाघ के घूमने के वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए, जिससे कोयला खनिकों में दहशत फैल गई और अधिकारियों को जानवर और मनुष्यों दोनों के लिए सुरक्षा उपाय बढ़ाने पड़े।

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों ने कोयला खनिकों को सतर्क रहने को कहा, जबकि वन अधिकारियों ने बाघ के सुचारू रूप से गुजरने और मानव हताहतों से बचने के लिए कई उपाय किए। कोयला खनिकों को समूहों में चलने की सलाह दी गई। बाघ की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए लगभग 50 सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए और पशु ट्रैकर्स को सेवा में लगाया गया।

वन अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा उपायों के हिस्से के रूप में वन, पुलिस और एससीसीएल कर्मियों वाली टीमें बनाई गई थीं। ग्रामीणों से बाघ की किसी भी हलचल की तुरंत सूचना देने का अनुरोध किया गया था। बाघ के रास्तों पर लैंप लगाकर दृश्यता बढ़ाई गई। पशु मार्ग मार्गों के साथ दृश्य रेखाएँ बनाई गईं। वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए और चालकों को अपनी गति धीमी रखने के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कर्मचारियों को अग्रिम रूप से तैनात किया गया।

वन अधिकारी बाघ को घने जंगलों की ओर मोड़ने के लिए शुरू किए गए एक ऑपरेशन की निगरानी के लिए खदानों के पास डेरा डाले हुए थे। उन्होंने कहा कि बाघ शुक्रवार रात मंचेरियल-हैदराबाद सड़क पार करने के बाद तेकुमाटला की ओर भटक गया था।

सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले ग्रामीण बाघों के पगमार्क का सत्यापन करें

मंचेरियाल, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के जंगलों के साथ-साथ कई गाँवों के किनारे पर स्थानीय और प्रवासी दोनों तरह के बाघों की आवाजाही एक सामान्य घटना बन गई है। हालाँकि, कई ग्रामीण अभी भी अनिश्चित हैं कि बाघों के पगमार्क को तेंदुओं के पगमार्क से कैसे अलग किया जाए, जिससे अक्सर अनावश्यक अलार्म पैदा होता है।

स्मार्टफ़ोन के व्यापक होने के कारण, निवासी अक्सर कृषि क्षेत्रों में पाए जाने वाले पगमार्क की तस्वीरें लेते हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करते हैं।

कई मामलों में, तेंदुए के पगमार्क की तस्वीरें बाघों के रूप में प्रसारित की गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। ऐसे पोस्ट के कारण वन अधिकारियों को नियमित रूप से पगमार्क का सत्यापन करने के लिए मौके पर जाना पड़ता है।वन्यजीव संरक्षण में विशेषज्ञता रखने वाले वन अधिकारियों ने बताया कि बाघ के पगमार्क कुछ विशिष्ट विशेषताएँ दर्शाते हैं।आकार: वयस्क नर बाघों के पगमार्क आमतौर पर चौकोर होते हैं, जबकि मादाओं के आयताकार होते हैं।पैर की उँगलियाँ: नर बाघों की पैर की उँगलियाँ अंडाकार होती हैं, जबकि मादाओं की लंबी होती हैं।

गहराई और दूरी: नर के पगमार्क की गहराई अधिक होती है, और गद्दी (पैड) और पैर की उँगलियों के बीच की दूरी मादाओं की तुलना में कम होती है। नर बाघों के पगमार्क का आकार भी आम तौर पर बड़ा होता है।वजन: अधिकारियों ने बताया कि वयस्क नर बाघों का वजन 200 से 350 किलोग्राम के बीच होता है, जबकि वयस्क मादाओं का वजन 150 से 250 किलोग्राम के बीच होता है। अधिकारियों ने आगे स्पष्ट किया कि तेंदुए के पगमार्क, जिन्हें अक्सर बाघ के पगमार्क समझ लिया जाता है, आकार में छोटे, कम गहरे होते हैं, और आकार तथा गहराई दोनों में भिन्न होते हैं।

अधिकारियों ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट करने से पहले वन विभाग से पगमार्क का सत्यापन कराएँ ताकि अवांछित घबराहट पैदा न हो, यह देखते हुए कि कई लोग केवल ऑनलाइन ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा करते हैं।

कांग्रेसी सरपंचों की शानदार जीत:
नए सरपंचों ने डीसीसी अध्यक्ष सुगुनक्का से मुलाकात की, निर्दलीय सरपंचों का कांग्रेस में स्वागत किया

आसिफाबाद, 13 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आसिफाबाद जिले के कोमुरमभीम में पंचायत चुनाव के पहले चरण में कांग्रेस पार्टी समर्थित सरपंच उम्मीदवारों की जीत के बाद, नव निर्वाचित सरपंचों ने शनिवार को आसिफाबाद कस्बे के शिविर कार्यालय में डीसीसी अध्यक्ष अत्रम सुगुनक्का से मुलाकात की।

इस अवसर पर, सुगुनक्का ने नए सरपंचों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया और उनकी सफलता की कामना की। उन्होंने सलाह दी कि ग्राम विकास का लक्ष्य जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करना होना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी जनशासन के साथ गांवों के विकास के लिए पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी।सुगुनक्का ने कहा कि जनता ने कांग्रेस पार्टी पर भरोसा जताया और पंचायत चुनाव जीते, जो पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों का प्रमाण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.